निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• 24 मार्च 2025 सोमवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 299 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1837 : कनाडा में अश्वेत नागरिकों को वोट डालने का अधिकार दिया गया।
1855 : कोलकाता से आगरा के बीच पहली बार टेलीग्राफ से लंबी दूरी का संदेश प्रेषित किया गया।
1855 : ब्रिटिश कैबिनेट मिशन भारत पहुंचा।
1932 : अमेरिका में पहली बार चलती ट्रेन से रेडियो प्रसारण किया गया।
1990 : भारतीय सेना ने श्रीलंका छोड़कर स्वदेश वापसी की।
2008 : भूटान लोकतांत्रिक देश बना।

नक्सलियों के खिलाफ अभियान लगातार रहेगा जारी : हेमंत सोरेन

नक्सली हमले में मारे गये शहीद सब इंस्पेक्टर सुनील मण्डल को राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। चाईबासा में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों के द्वारा जमीन के नीचे बिछाए गए आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ 193 बटालियन के शहीद सब इंस्पेक्टर सुनील मण्डल को रांची स्थित सीआरपीएफ कैंप में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। झारखंड के राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने शहीद के शोक संतप्त परिजनों से मिलकर उनका ढाढ़स बंधाया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीदों के परिवार के साथ सरकार का साथ हमेशा रहेगा। शहीद सब इंस्पेक्टर को झारखंड के मुख्य सचिव, डीजीपी अनुराग गुप्ता के साथ आईजी अभियान, आईजी सीआरपीएफ, आईजी रांची, डीआईजी सह रांची एसएसपी चन्दन कुमार ने भी श्रद्धांजलि

अर्पित की।

हताशा का है परिणाम

शहीद सब इंस्पेक्टर को श्रद्धांजलि देने के बाद सीएम हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड पुलिस नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। ऑपरेशन से नक्सली हताश हैं। पुलिस पर हमला इसी हताशा का परिणाम है। सीएम ने शहीद सब इंस्पेक्टर को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि नक्सलियों का खिलाफ अभियान जारी रहेगा। बता दें कि झारखंड में नक्सलियों से लोहा लेते हुए शनिवार सब इंस्पेक्टर सुनील मण्डल वीरगति को प्राप्त हुए थे। सीआरपीएफ 193 बटालियन के सब इंस्पेक्टर जीडी सुनील कुमार मंडल अपनी टीम के साथ नक्सलियों के खिलाफ अभियान में निकले हुए थे। इसी दौरान चाईबासा के छोटानागरा थाना क्षेत्र के जंगली क्षेत्र में नक्सलियों के द्वारा पहले से लगाए गए आईडी को विस्फोट हो गया, जिसकी चपेट में आने से सब इंस्पेक्टर सुनील कुमार मंडल और सीआरपीएफ जवान जीडी पार्थ घायल हो गए। ब्लास्ट की जानकारी मिलने के बाद आनन-फानन में रांची से हेलीकॉप्टर भेजकर दोनों घायलों को एयरलिफ्ट का रांची लाया गया लेकिन डॉक्टरों ने सब इंस्पेक्टर सुनील कुमार मंडल को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया। नक्सलियों द्वारा किए गए विस्फोट में शहीद हुए सब इंस्पेक्टर सुनील कुमार मंडल पश्चिम बंगाल के मिदनापुर जिले के रहने वाले थे।

कठुआ में सेना की आतंकियों से मुठभेड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ होने की खबरें आई है। अधिकारियों ने बताया कि हीरानगर सेक्टर में पाकिस्तान बॉर्डर के पास चार से पांच संदिग्धों की मौजूदगी की खबर मिली थी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने सान्याल गांव के पास तलाशी अभियान शुरू किया था। जैसे ही सुरक्षा बलों की जॉइंट टीम आतंकियों के नजदीक पहुंची, उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजा गया है। गोलीबारी रुक-रुककर जारी है। कुपवाड़ा जिले में 17 मार्च को एलओसी से सटे खुरमोरा राजवार इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इसमें एक आतंकी मारा गया जबकि कुछ आतंकी घेराबंदी तोड़कर भागने में कामयाब रहे थे। मुठभेड़ में एक सैनिक भी घायल हुआ था। अधिकारियों ने बताया था कि आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद जचलदारा के क्रुम्हूरा गांव में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था।

108 एंबुलेंस सेवा के कर्मचारियों की दयनीय स्थिति पर भड़के बाबूलाल मरांडी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर से राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर हेमंत सरकार पर निशाना साधा है। बाबूलाल ने 108 एंबुलेंस सेवा के कर्मचारियों की दयनीय स्थिति के संबंध में राज्य सरकार से जवाब मांगा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि 108 एंबुलेंस कर्मचारी आर्थिक तंगी, वेतन में कटौती और अस्थायी नौकरी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि राज्य सरकार 108 एंबुलेंस सेवा को आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ बताती है, लेकिन इसके कर्मचारियों की स्थिति दयनीय है। झारखंड के 108 एंबुलेंस कर्मचारी आर्थिक तंगी, वेतन में कटौती और अस्थायी नौकरी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने आगे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए कहा कि वे एयर एंबुलेंस का सब्जबाग दिखाने की बजाय आपातकालीन 108 एंबुलेंस सेवा को सुदृढ़ करें, ताकि दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में भी मरीजों को तत्काल इलाज की सुविधा मिल सके।

सत्ता पक्ष के विधायक ने भी उठायी आवाज

विधानसभा सत्र के 15 वें दिन, 21 मार्च 2025 को सत्ता पक्ष के विधायक मनोज कुमार यादव ने भी 108 एंबुलेंस कर्मचारियों के समस्याओं को सदन में रखा था। उन्होंने कहा था कि एंबुलेंस सेवा ठप रहने के कारण मरीज खास कर वाहन दुर्घटना में घायल लोगों की जान जोखिम में है। एंबुलेंस सेवा समय पर नहीं उपलब्ध होने से कई घायलों की असमय मौत हो जा रही है। उन्होंने सरकार से मांग की थी कि शीघ्र अस्पताल में 108 एंबुलेंस सेवा हो, जिससे दुर्घटना में घायल मरीजों को तुरंत अस्पताल तक पहुंचाया जा सके। मालूम हो अपनी मांगो को लेकर 108 एंबुलेंस कर्मचारी बीते कई दिनों से हड़ताल पर हैं। जिसके कारण राज्य में 108 एंबुलेंस सेवा बाधित है। 108 एंबुलेंस कर्मचारियों ने सरकार से कम वेतन, समय पर भुगतान और उचित सुविधाओं की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

पेड़ से लटका मिला छात्र का शव

धनबाद (नबिटा ब्यूरो)। धनबाद के पाथरडीह थाना क्षेत्र के चासनाला आजाद नगर में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। वेस्ट क्वारी के पास एक पेड़ से 14 वर्षीय छात्र देवराज कुमार सिन्हा का शव लटका मिला है। देवराज अपनी बुआ के घर रहकर पढ़ाई कर रहा था। वह शनिवार शाम से लापता था। रविवार को स्थानीय लोगों ने पेड़ से लटका शव देखा और पुलिस को सूचना दी। मृतक के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। मृतक के पिता अजय कुमार सिंह उड़ीसा में काम करते हैं। उनके दो बेटों में से एक देवराज की मौत से परिवार स्तब्ध है। बेटे के लापता होने की सूचना मिलते ही पिता बहन के घर पहुंचे। परिजनों ने इस घटना को हत्या बताया है। पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है।

मानसिक रूप से बीमार महिला को भीड़ ने पीटा

पाकुड़ (नबिटा ब्यूरो)। झारखंड के पाकुड़ में एक मानसिक रूप से बीमार महिला को भीड़ ने बच्चा चोर समझकर पीट दिया। यह घटना पाकुड़ शहर के पिरतल्ला क्षेत्र की रेलवे लाइन के पास की है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। मुफस्सिल थाना के एएसआई विपिन कुमार यादव को जब घटना की सूचना मिली, वे तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने महिला को जमीन पर गिरा हुआ पाया। पुलिस ने महिला को तत्काल सदर अस्पताल सोनाजोड़ी में भर्ती कराया, जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया। फिलहाल महिला ठीक है। जांच में पता चला कि यह महिला अक्सर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर घूमती रहती थी। घटना वाले दिन वह स्टेशन से निकलकर पीरतल्ला की तरफ जा रही थी। कुछ लोगों ने उसे बच्चा चोर समझ लिया और मारपीट शुरू कर दी।

हॉस्टल के कमरे से मिला छात्रा का शव

शिवहर (नबिटा ब्यूरो)। बिहार के शिवहर जिले के गवर्मेंट इंजीनियरिंग कॉलेज में शनिवार देर शाम एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जब फाइनल ईयर की छात्रा आकांक्षा शाही का शव हॉस्टल के कमरे में पंखे से लटका हुआ पाया गया। छात्रा मुजफ्फरपुर जिले की निवासी थी और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थी। इस घटना से पूरे कॉलेज में हड़कंप मच गया। छात्रा के कमरे से कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर साथी छात्र-छात्राओं ने हॉस्टल प्रशासन को सूचना दी। दरवाजा खोले जाने पर आकांक्षा का शव पंखे से लटका हुआ मिला। इसके बाद कॉलेज प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचित किया।

लद्दाख में शहीद हुआ सिमडेगा का लाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सिमडेगा। लद्दाख में लैंड स्लाइड की चपेट में आकर सिमडेगा के वीर सपूत हवलदार किशोर बाड़ा शहीद हो गए। आज सेना द्वारा हवलदार किशोर बाड़ा का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव ननेसेरा तुरतुरी पानी लाया गया। उनका पार्थिव शरीर पहुंचते ही पूरे इलाके का माहौल गमगीन हो गया। सैकड़ों लोग नम आंखों से उन्हें देखने उनके गांव पहुंचे। दरअसल, सिमडेगा के ननेसेरा गांव निवासी किशोर बाड़ा सेना की 699 टाट्रा बटालियन में हवलदार के पद पर लद्दाख में तैनात थे। 20 मार्च को लद्दाख में वाहन से जाते समय किशोर बाड़ा और उनके एक साथी लैंड स्लाइड की चपेट में आ गए। जिससे किशोर और उनके दूसरे साथी की मौत हो गई। रविवार को रांची मिलिट्री स्टेशन

की टुकड़ी ने शहीद किशोर बाड़ा को तिरंगे में लपेटकर उनके पैतृक गांव ननेसेरा पहुंचाया। किशोर का पार्थिव शरीर गांव पहुंचते ही हर तरफ चीख पुकार मच गई। गांव के लाल की एक झलक पाने के लिए सैकड़ों लोग उमड़ पड़े। पैतृक गांव में धार्मिक सामूहिक समारोह के बाद शहीद जवान को रांची मिलिट्री स्टेशन के जवानों ने अंतिम सलामी दी।

भीषण सड़क हादसे में चार बारातियों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय में सड़क हादसा हुआ है। जिले के लाखो थाना क्षेत्र के एनएच 31 स्थित खातोपुर के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में चार लोगो की मौके पर मौत हो गई है, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी घायलों को बेगूसराय सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वाले सभी लोग लोहिया नगर थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या 27 पहाड़चक के रहने वाले हैं।

डिवाइडर से टकरायी स्कॉर्पियो :

परिजनों के मुताबिक सभी लोग बारात से लौट रहे थे, अहले सुबह खातोपुर के पास यह हादसा हुआ। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो के डिवाइडर से टकराने के कारण यह घटना घटी है। बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो का चक्का पंचर हो जाने से स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। गाड़ी में कुल 9 लोग सवार थे। हादसे में 4 लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 5 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

बाराती से लौट रहे थे सभी :

बाराती में शामिल शत्रुघ्न कुमार ने बताया कि वे लोग साहेबपुर कमाल प्रखंड क्षेत्र से एक बाराती में शामिल होकर लौट रहे थे। हालांकि वह दूसरी गाड़ी से पीछे-पीछे आ रहे थे। खातोपुर चौक के पास एक्सीडेंट के बाद सभी लोग सड़क पर गिरे पड़े थे। चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। बाराती शत्रुघ्न कुमार ने बताया कि हम दूसरी गाड़ी में थे। सूचना मिलने के बाद वहां पहुंचे तो देखे कि स्कॉर्पियो का एक्सीडेंट हुआ है। उस गाड़ी में 10-11 लोग थे। 4 लोग डेथ कर गए हैं, बाकी लोग घायल हुए हैं। सभी लोग बाराती से लौट रहे थे। घटना के संबंध में सदर डीएसपी सुबोध कुमार ने बताया कि सभी लोग स्कॉर्पियो पर सवार होकर बारात से लौट रहे थे। उसी दौरान तेज रफ्तार स्कॉर्पियो डिवाइडर से टकरा गई। मौके पर चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग घायल हैं। उन्होंने बताया कि मरने वाले सभी लोग पहाड़चक के रहने वाले है। हादसे की वजह के बारे में डीएसपी ने कहा कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि स्कॉर्पियो का चक्का पंचर हो जाने के कारण यह हादसा हुआ है।

अवैध कोयला खनन पर कार्रवाई

रामगढ़ (नबिटा ब्यूरो)। रामगढ़ जिला प्रशासन ने मांडू के गोबरदाहा क्षेत्र में अवैध कोयला खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। उपायुक्त चंदन कुमार और पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने वन प्रमंडल पदाधिकारी नितेश कुमार के साथ क्षेत्र का दौरा किया। अधिकारियों ने सुगिया और गोबरदाहा क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अवैध कोयला खनन की सुरंगों की पहचान की गई। प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी अवैध सुरंगों को बंद करने का आदेश दिया।

वन विभाग की टीम पर हमला, फॉरेस्टर सहित पांच वनकर्मी जख्मी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। छतरपुर अनुमण्डल के नक्सल इलाके में माइनिंग माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई के लिए जा रही वन विभाग की टीम पर हमला किया गया। हमले में फॉरेस्टर सहित पांच वनकर्मी घायल हुए हैं। हमले में सभी के सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट आई है। सभी का इलाज मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल में कराया गया। घटना के बाद पूरे इलाके में छापेमारी अभियान चलाई जा रही है। समाचार के अनुसार शनिवार की देर रात छतरपुर थाना क्षेत्र के बसडीहा के वन विभाग की टीम अवैध माइनिंग के खिलाफ कार्रवाई के लिए गई थी। वन विभाग की टीम को माइनिंग माफिया व स्थानीय ग्रामीणों ने बंधक बना

लिया। बताया जाता है कि वह क्षेत्र नक्सल व बेहद दुरुह इलाका है। बंधक बनाने के बाद वनकर्मियों के साथ मारपीट की गई। जख्मी होने वालों में फॉरेस्टर सरसीज उरांव, राकेश रोशन, वनरक्षी आशुतोष कुमार, लक्ष्मीकांत पांडेय, पंकज कुमार शामिल हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। वन कर्मियों को वहां से बाहर निकाला। जिस इलाके में वन विभाग के कर्मियों को बंधक बनाया गया था वहां पहुंचने में पुलिस को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। घटनास्थल पर छतरपुर एसडीएम व एसडीपीओ भी पहुंचे थे। छतरपुर एसडीपीओ अवध कुमार यादव ने सभी वन कर्मियों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। बताया जाता है कि जिस इलाके में घटना घटी है वहां कार्रवाई के लिए दो सप्ताह पूर्व जा रहे प्रशिक्षु आईएफएस की गाड़ी को भी पत्थर माफिया होने रास्ते पर आधे तिरछे डंपर लगाकर रास्ते को रोक दिया था।

आरोपितों की होगी शीघ्र गिरफ्तारी : पुलिस अधीक्षक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। विभाग के तरफ से कार्रवाई के दौरान पुलिस को जानकारी नहीं दी गई थी। हमला करने वालों की पहचान की जा रही है। उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। हमला करने वाले आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी होगी।

बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू

निर्वाचन आयोग ने 25 मार्च को बुलाई बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बिहार की सियासत गरमाई हुई है। सभी पार्टियों के द्वारा विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनाई जा रही है और उस रणनीति को जमीनी स्तर पर उतारने की भी कोशिश की जा रही है। वहीं दूसरी ओर निर्वाचन आयोग ने भी बिहार में चुनाव की तैयारी शुरु कर दी है। इसको लेकर विभाग ने अपनी पहली बैठक भी बुला ली है। इस बैठक में निर्वाचन विभाग कई अहम फैसले लेगा। सूत्रों की मानें तो इस बैठक में कम मतदान वाले बूथों पर वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए रणनीति बनाई जाएगी।

25 मार्च को होगी अहम बैठक

बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर 25 मार्च को निर्वाचन विभाग में पहली अहम बैठक होगी। यह बैठक सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक मुख्य निर्वाचन अधिकारी एचआर श्रीनिवास की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। इसमें जिलास्तरीय स्वीप नोडल अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में चुनाव में मतदाता सहभागिता बढ़ाने और जागरूकता अभियान चलाने को लेकर चर्चा की जाएगी। इस संबंध में निर्वाचन विभाग के अवर सचिव प्रमोद कुमार ने सभी जिलों के डीएम को पत्र भेजा है।

कम मतदान वाले बूथों पर विशेष रणनीति

चुनाव में कम मतदान वाले बूथों पर वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए विशेष रणनीति बनाई जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक बूथों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा। मतदान प्रतिशत के हिस्सा से बूथों तो तीन श्रेणियों में बांटा जाएगा। पहले श्रेणी में उन बूथों को रखा जाएगा, जहां वोटिंग प्रतिशत अधिक है। वहीं दूसरे श्रेणी में उन बूथों को शामिल किया जाएगा, जहां मतदान प्रतिशत सबसे कम है। तीसरे श्रेणी में वैसे

बूथ होंगे जहां मतदान प्रतिशत मध्यम है।

तीन श्रेणी में बंटेगा बूथ

इ श्रेणीः सबसे अधिक मतदान प्रतिशत वाले बूथ, उ श्रेणीः सबसे कम मतदान प्रतिशत वाले बूथ और ए श्रेणीः मध्यम मतदान प्रतिशत वाले बूथ। हर श्रेणी के लिए अलग-अलग तरीके से जागरुकता अभियान चलाया जाएगा। फिलहाल, निर्वाचन विभाग मतदाता सूची तैयार करने, संशोधन करने और नए नाम जोड़ने की प्रक्रिया में जुटा है। 1 जनवरी, 2025 की अहर्ता तिथि के आधार पर अंतिम मतदाता सूची जारी की गई है।

राष्ट्रीय औसत से अधिक मतदान का लक्ष्य

बिहार में मतदान प्रतिशत को राष्ट्रीय औसत से ऊपर ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। अधिकारियों के अनुसार, 2020 के विधानसभा चुनाव में बिहार में 57.34 प्रतिशत मतदान हुआ था। 2024 के लोकसभा चुनाव में यह घटकर 56.28 प्रतिशत रह गया। 2019 के लोकसभा चुनाव का राष्ट्रीय औसत मतदान प्रतिशत 67.40 था, जबकि 2024 में यह घटकर 66.10 प्रतिशत हो गया। निर्वाचन विभाग का प्रयास है कि बिहार में मतदान प्रतिशत को बढ़ाकर राष्ट्रीय औसत के करीब या उससे अधिक पहुंचाया जाए।

फंदे से लटका मिला फल व्यवसायी का शव

भागलपुर (नबिटा ब्यूरो)। भागलपुर में फंदे से लटका फल व्यवसायी विक्की कुमार (35) का शव बरामद हुआ है। घटना जिले के जोकसर थाना क्षेत्र की है, जहां गमछे से लटका हुआ शव मिला है। दरअसल, विक्की बड़ी पोस्ट ऑफिस के पीछे वाली गली में डॉ. उदयकांत शाह के बेटे के मकान में रहता था। वहां ही फल का गोदाम बनाए हुए था। विक्की घंटाघर चौक पर फुटपाथ की दुकान लगाकर फल बेचता था। हालांकि कुछ दिनों से विक्की फल का थोक विक्रेता बन गया था। कमरे से सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है।

मोहन भागवत से मिले नड्डा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेंगलुरू। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनावी प्रक्रिया के बीच रविवार को जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक ये बैठक बेंगलुरु में हुई। यहां 21 मार्च से आरएसएस की सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक चल रही थी। बैठक का आज आखिरी दिन था। सूत्रों के मुताबिक भागवत के साथ हुई मुलाकात में नड्डा ने पार्टी संगठन के चुनाव को लेकर चर्चा की। नड्डा 2020 में पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाए गए थे। उनका कार्यकाल जनवरी 2023 में खत्म हो गया था। इसके बाद लोकसभा, आंध्र, अरुणाचल, सिक्किम, ओडिशा, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली विधानसभा चुनाव की वजह से उन्हें एक्सटेंशन दिया गया। लोकसभा चुनाव में पार्टी की लगातार तीसरी जीत के बाद नड्डा केंद्र सरकार में मंत्री बनाए गए। एक व्यक्ति एक पद के मुताबिक उनकी जगह अब नया अध्यक्ष चुना जाना है। पार्टी के संविधान के मुताबिक 50 प्रतिशत राज्यों के संगठनात्मक चुनाव पूरा हो जाने के बाद नए अध्यक्ष का चुनाव होता है। अभी 36 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में से 13 में ही प्रदेश अध्यक्ष चुने गए हैं।

रेलवे ट्रैक पर फंसी मोटरसाइकिल, बाइक सवार की मौत

एक घंटे तक डाउन लाइन पर परिचालन रहा बाधित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। डालटनगंज रेलवे स्टेशन के निकट मोटरसाइकिल को एक तरफ से दुसरे तरफ़ ले जाने के क्रम में एक युवक की मौत हो गई। वह मोटरसाइकिल संख्या झ्क्र03 ट 8691 को ट्रैक पार करा रहा था। युवक की पहचान जीएलए कॉलेज रोड निवासी कंचन कुमार राज के रूप में हुई है। घटना के बाद डाउन लाइन पर सवारी व एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन एक घंटे

तक बाधित रहा। मालगाड़ियों का परिचालक दूसरे ट्रैक से कराया गया। सूचना मिलने के बाद रेलवे नियंत्रण कक्ष ने पटना -बरकाकाना पलामू एक्सप्रेस ट्रेन को घंटे भर गढ़वा रोड स्टेशन पर रोककर रखा गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार ट्रैक में मोटरसाइकिल फंस जाने के कारण युवक मालगाड़ी की चपेट में आ गया। मौके पर उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद स्थानीय रेल प्रबंधन ने घायल युवक को एमएमसीएच ले जाया गया। चिकित्सक ने उसे मृत्य घोषित कर दिया। डालटनगंज राजकीय रेल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

धार्मिक स्थल हटाने लेकर जीएम समेत पांच पर कोर्ट में परिवाद

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जंक्शन परिसर स्थित धार्मिक स्थल हटाने के मामले में शनिवार को सीजेएम कोर्ट में सिकंदरपुर निवासी चंद्रकिशोर पारासर ने परिवाद दायर कराया। इसमें पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रपाल सिंह, सोनपुर मंडल के डीआरएम विवेक भूषण सूद, मुजफ्फरपुर स्टेशन के अधीक्षक अखिलेश कुमार, क्षेत्रीय अधीक्षक रविशंकर महतो और सहायक अभियंता कमलेश पाठक को आरोपित किया है। सीजेएम कोर्ट ने परिवाद को ग्रहण के बिंदु पर सुनवाई के लिए रखा है। दो अप्रैल 2025 को मामले में अगली सुनवाई होगी। चंद्रकिशोर पारासर ने आरोप लगाया है कि बीते 10 मार्च की रात करीब दो बजे करीब 150 पुलिस बलों ने मुजफ्फरपुर जंक्शन परिसर स्थित धार्मिक स्थल को घेर लिया। इसके बाद उसको वहां से हटवा दिया। अगले दिन 11 मार्च को इसके पुनः निर्माण के लिए रेलवे के अधिकारियों से आग्रह किया गया, लेकिन उन्होंने एक नहीं सुनी। मांग कर रहे लोगों को डांटकर भगा दिया गया। इस भवन के तोड़े जाने से बड़ी संख्या में लोगों की भावना आहत हुई है।

बिहार दिवस पर ताड़र कॉलेज में हुआ कार्यक्रम

भागलपुर, एजेंसी। बिहार दिवस के अवसर पर ताड़र कॉलेज में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कॉलेज के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मियों ने जुलूस निकाला। कॉलेज के सभागार में छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में बिहार की गौरवमयी विरासत को प्रस्तुत किया।

आग से बचाव को लेकर किसानों को किया गया जागरुक

गया, एजेंसी। अनुमण्डल अग्निशमन विभाग की ओर से आग से बचाव को लेकर शनिवार को मखपा गांव में जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। दीवार लेखन व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। विभाग के कर्मियों द्वारा आग से सुरक्षित रहने व आग लगने की स्थिति में बचाव करने के उपाय बताये गये। अग्निशमन कर्मियों ने मॉक ड्रील कर लोगों को जागरूक किया। फायर ऑफिसर ने बताया कि गर्मी का मौसम दस्तक देना शुरू कर दिया है। इस मौसम में आग लगने की संभावना ज्यादा होती है। ऐसी स्थिति में घरों में सुबह नौ बजे से पहले खाना पका लेना, खाना बनाने के दौरान सूती वस्त्र पहनना, गैस सिलिंडर को स्टोव से दूर रखना जैसे जरूरी एहतियात बरतने की अपील की गई। फायर ऑफिसर ने किसानों से कहा कि खेतों में खलिहान लगाने की स्थिति में यह सुनिश्चित करना चाहिए कि खलिहान के आसपास बिजली के तार न हो। पास में पम्पिंग सेट हो ताकि आग लगने की स्थिति में पम्प सेट चालू कर आग पर काबू पाया जा सके। मौके पर अग्निशमन कर्मी राजू कुमार, कुनील कुमार, आलोक कुमार, नीरज कुमार के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

राष्ट्रगान मामले में महागठबंधन ने निकाला विरोध मार्च

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। राष्ट्रगान के अपमान मुद्दे को लेकर जिला राजद के साथ महागठबंधन ने शनिवार को विरोध मार्च निकाला। यह मार्च जिलाध्यक्ष रमेश गुप्ता के नेतृत्व में जूरन छपरा स्थित जिला परिषद मार्केट स्थित पार्टी कार्यालय से निकाला गया। जूरन छपरा, डीएम आवास मोड़, कंपनीबाग रोड होते हुए सरैयागंज टावर पर पहुंचा। जहां सभा आयोजित हुई। इस दौरान महागठबंधन के तमाम घटकदलों के मौजूद कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रगान का अपमान नहीं सहेगा हिन्दुस्तान का नारा भी लगाया। वहीं, जिलाध्यक्ष रमेश गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रगान हमारी राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक है। इसके साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ या अपमान बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभा में प्रधान महासचिव सुधीर यादव, विधायक निरंजन राय, अमर पासवान, पूर्व मंत्री ईसराइल मंसूरी, विधायक विजेंद्र चौधरी, पूर्व विधायक नंद कुमार राय, सुरेन्द्र यादव, सीपीआई एमके अब्दुल गफ्फार, नमिता सिंह, वीआईपी के महावीर सहनी, सीपीआई के रामकिशोर झा, महेश चौधरी, भाकपा माले के सूरज सिंह, शमी इकबाल, जयशंकर यादव, विनोद यादव, बबलू कुशवाहा, जितेन्द्र किशोर, शंकर राय, तुलसी राय, पृथ्वीनाथ राय आदि थे।

भागलपुर में महिला से गैंगरेप :गांव के ही तीन लोगों ने घटना को दिया अंजाम

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में महिला के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। घटना पुलिस जिला नवगछिया के खरिक थाना क्षेत्र की है, जहां महिला के साथ गांव के ही तीन लोगों ने घटना को अंजाम दिया है। पीड़िता का कहना है कि मेरा किराना दुकान है। 19 मार्च की रात दुकान लॉक कर हम वापस घर जा रहे थे। इस दौरान कि इलाके के तीन लोग राकेश कुमार, राजाराम शाह, दिलीप कुमार दास आए और जबरदस्ती घर के अंदर ले गए। बारी-बारी से मेरे साथ सामूहिक बलात्कार किया। हाथ बांधकर मुंह में कपड़ा ठूंस दिया था। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

पप्पू यादव बोले- मैं मुख्यमंत्री बना तो 3 महीने में भ्रष्टाचार खत्म करुंगा

महागठबंधन में कांग्रेस को बड़े भाई की भूमिका में लाना जरूरी

किशनगंज, एजेंसी। कोलकाता जाने के दौरान शनिवार की देर रात किशनगंज पहुंचने पर कांग्रेस सांसद पप्पू यादव का कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने राजद द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को खलनायक बताने वाले पोस्टर पर कड़ी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि जब नीतीश कुमार राजद के साथ सरकार में थे, तब महिलाओं पर की गई टिप्पणी पर इन लोगों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। पप्पू यादव ने कहा कि राजनीति बिहार के मुद्दों पर होनी चाहिए। उन्होंने देश में बंटवारे जैसी स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि 15 साल सरकार रही उस दौरान सबसे अधिक तिरस्कार कोशी सीमांचल का किया गया । वही उनसे जब पूछा गया कि आप यदि मुख्यमंत्री बनते है तो क्या करेंगे इसके जवाब में उन्होंने कहा कि तीन महीने के अंदर भ्रष्टाचार को समाप्त कर देंगे ।

विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की मांग की

विशेष राज्य का दर्जा न मिलने को मुद्दा बनाने की बात कही। तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनने पर उन्होंने कहा कि उन्हें भी मुख्यमंत्री बनने का शौक है। उनका कहना था कि बिना कांग्रेस को बड़े भाई की भूमिका दिए भाजपा-जेडीयू को नहीं हराया जा सकता। लालू यादव पर बिना नाम लिए निशाना साधते हुए कहा कि देवगौड़ा और गुजराल को प्रधानमंत्री बनवाने की बात करते हैं, लेकिन 65प्रतिशत आरक्षण क्यों नहीं लिया। उन्होंने कहा कि 15 साल की सरकार में कोशी सीमांचल का सबसे ज्यादा तिरस्कार हुआ। मुख्यमंत्री बनने पर तीन महीने में भ्रष्टाचार समाप्त करने का वादा किया।

बिहार के मुद्दों पर होना चाहिए राजनीति

सांसद पप्पू यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए राजद द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पोस्टर लगाकर उन्होंने खलनायक बताए जाने को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जब राजद के साथ नीतीश कुमार सरकार में थे उस वक्त महिलाओं को लेकर किए गए टिप्पणी पर कोई प्रतिक्रिया इन लोगों के द्वारा नहीं किया गया था। उन्होंने कहा पिता की तरह जब आप किसी से कुछ सीखते है उनके लिए मर्यादा रहनी चाहिए। पप्पू यादव ने कहा की राजनीति बिहार के मुद्दों पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज देश में बंटवारे जैसे हालत उत्पन्न हो चुके है जिसपर चर्चा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिला इसे मुद्दा बनाए।

तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनने का शौक

उन्होंने कहा कि लालू यादव भी कई मामले पर बहक जाते है तो क्या उन्हें लेकर भी राजनीति किया जाना चाहिए । वही जब उनसे तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करने को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुझे भी मुख्यमंत्री बनने का शौक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को बगैर बड़े भाई की भूमिका में लाए आप भाजपा जेडीयू को नहीं हरा सकते । उन्होंने लालू प्रसाद यादव का बिना नाम लिए निशाना साधते हुए कहा कि देवगौड़ा और गुजराल को प्रधानमंत्री बनाने की बात करते है ,तब 65प्रतिशत आरक्षण क्यों नहीं लिया।

मत्था टेक सदाकत आश्रम में हुए दाखिल, कांग्रेस के नए बॉस राजेश कुमार ने वोटरों को जोड़ने का बनाया प्लान

पटना, एजेंसी। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद राजेश कुमार शनिवार को पहली बार पार्टी प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम पहुंचे। सदाकत आश्रम की सीढ़ियों पर माथा टेक कर उन्होंने 42वें प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला। आश्रम में मौजूद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस के परंपरागत मतदाताओं को फिर पार्टी के साथ जोड़ना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। कांग्रेस के पास 36-40 दलित, अल्पसंख्यक और सवर्ण मतदाताओं का बड़ा समाजिक आधार था। अब पिछड़े और अतिपिछड़ों को भी कांग्रेस में जोड़ने की पहल की जा रही है।

राजेश कुमार ने केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव के पहले प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी को वह चुनौती के रूप में ले रहे हैं। पार्टी के सभी नेताओं के सहयोग से इसे पूरा करेंगे। बिहार की जनता विकल्प की तलाश में है। कांग्रेस राज्य में विकल्प के रूप में उभरेगी, जिसमें सभी को भरोसा होगा। आगामी विधानसभा चुनाव में राजद के साथ सीटों के बंटवारे के सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व तय करेगा कि हम कितनी सीटों पर लड़ेंगे।

राजद प्रमुख लालू प्रसाद से मिलने और महागठबंधन पर चर्चा करने को लेकर उन्होंने कहा कि समय आने पर वह उनसे मिलेंगे। इसके पहले उन्होंने सदाकत आश्रम में स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मौके पर पूर्व मंत्री वीणा शाही, मोती लाल शर्मा, जमाल अहमद भल्लू, विधायक प्रतिमा दास, राजेश कुमार सिन्हा, राजेश राठौड़ आदि मौजूद रहे।

फर्जी हस्ताक्षर में तीन जेई और पांच ठेकेदार पर केस

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। शिक्षा विभाग में कार्यरत तीन जूनियर इंजीनियर ने पांच हेडमास्टर के फर्जी हस्ताक्षर से पांच ठेकेदारों को 8.35 लाख रुपये का फर्जी भुगतान करा दिया। इस तरह साजिश रचकर सरकारी राशि के गबन में विभागीय संलिप्तता सामने आई है। तीनों इंजीनियर और पांचों ठेकेदारों के खिलाफ छद्म कागजात के आधार पर सरकारी राशि गबन करने के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई गई है। जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार सिंह ने एडीएम विभागीय जांच के निर्देश पर एफआईआर दर्ज कराई है। सभी इंजीनियर और ठेकेदारों की गिरफ्तारी का भी आदेश मिठनपुरा थाने की पुलिस को दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने एफआईआर में कहा कि मड़वन प्रखंड के प्रावि. विशुनदत्तपुर मुशहर में सबमर्सिबल बोरिंग के नाम पर हेडमास्टर के फर्जी हस्ताक्षार से जेई बेगूसराय के तेलिया पोखर निराला नगर निवासी संजय कुमार ने ठेकेदार मीनापुर के हरकामन शाही निवासी विकास कुमार शाही, मोतीपुर के उमवि. मंसूरपुर के हेडमास्टर के फर्जी हस्ताक्षर से जेई नवादा जिले के अकबरपुर थाना के बलिया बुजुर्ग निवासी जयंत कुमार ने ठेकेदार संजय इंटरप्राइजर, नालंदा जिले के नूरसराय थाना के मंडाछ गांव निवासी जेई साकेत रंजन ने प्रावि. चंदन बखरी के हेडमास्टर के फर्जी हस्ताक्षर से ठेकेदार रितु शाही व उमवि. के हेडमास्टर के फर्जी हस्ताक्षर से ठेकेदार सद्दाम मिर्जा को राशि का भुगतान कराया। वहीं कटरा के प्रावि. चंगेल में बेच डेस्क के नाम पर आपूर्तिकर्ता सीतामढ़ी के अनीस शाह को भुगतान किया गया है। सभी नामजद जेई और ठेकेदार को गिरफ्तार करने का निर्देश एसडीपीओ सीमा देवी ने मिठनपुरा थानेदार राम इकबाल प्रसाद को दिया है।

लकड़ी तोड़ने को लेकर विवाद पीट-पीटकर युवक की हत्या

सासाराम (रोहतास), एजेंसी। रोहतास के चिकलिस गांव में जलावन के लिए लकड़ी तोड़ने को लेकर हुई मारपीट में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान चिकलिस बाल के रहने वाले नन्हु के 37 वर्षीय बेटे बिरेंद्र के रूप में हुई है। मृतक के परिजन पचरतन ने बताया कि वे लोग बाल स्थित एक बगीचे में जलावन के लिए लकड़ी तोड़ रहे थे। इसी दौरान बगीचे का मालिक वहां पहुंचा और मारपीट शुरू कर दी। पचरतन भागने में सफल रहा। लेकिन बिरेंद्र को पकड़कर बुरी तरह पीटा गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया । जिसे परिजनों की मदद से घर लाया गया। जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने रविवार को शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सासाराम भेज दिया।

बागान मालिक पर एफआईआर दर्ज

काराकाट थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर बगीचा मालिक के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

भोजपुर में तीन दोस्तों की बेहरमी से पिटाई घर में गेंद जाने को लेकर हुआ विवाद

लाठी-डंडे से पीटा, अस्पताल में एडमिट

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के बभनगावां गांव में शनिवार को घर में गेंद चले जाने के विवाद को लेकर तीन दोस्तों की पिटाई कर दी गई, जिससे तीनों घायल हो गए। इसके बाद जख्मियों में से दो को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार घायलों में कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के बभनगावां गांव निवासी मोतीलाल राम का बेटा करण कुमार (19),उसी गांव के निवासी जोगिंदर राम का बेटा धनु कुमार (16) और एक अन्य युवक शामिल है।

गेंद मांगने पर बेरहमी से पीटा

इधर, करण कुमार ने बताया कि गांव में क्रिकेट खेलने के दौरान उनका गेंद पड़ोसी के घर में चला गया। जब वे लोग पड़ोसी के घर गेंद मांगने गए तो पड़ोसी द्वारा उसके दो दोस्तों की पिटाई कर दी गई। उस समय मामला शांत हो गया था इसके बाद जब हमलोग वापस आए और जब अपने अन्य दोस्तों के साथ पूछताछ करने गया तो उन लोगों द्वारा उसकी भी पिटाई कर दी गई। वहीं दूसरी तरफ जख्मी करण कुमार ने क्रिकेट के दौरान घर में गेंद चले जाने और

मांगने पर तीनों दोस्तों की डंडों से पिटाई कर जख्मी करने का आरोप लगाया है।वही मामला शांत होने के बाद जख्मी लड़कों के परिजनों ने इस घटना की शिकायत स्थानीय थाना पुलिस से की है। वही ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने बताया कि मारपीट में दो लड़के जख्मी हालत में सदर अस्पताल आए थे। एक के सिर में चोट आई थी। दोनों का प्राथमिक उपचार कर दिया गया है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

मोतिहारी में 200 जगहों पर छापेमारी:एसपी ने खुद संभाला मोर्चा

बोले-अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई रहेगी जारी

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर जिले में एक साथ 200 जगहों पर छापेमारी की गई। इस अभियान में सभी एसपी, एसडीपीओ, सर्किल इंस्पेक्टर, थानाध्यक्ष और रिजर्व बल के जवान शामिल रहे। एसपी स्वर्ण प्रभात के नेतृत्व में चलाए गए इस विशेष अभियान को स्-ड्राइव नाम दिया गया है। इसमें फरार वारंटी और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई। पुलिस ने कई स्थानों पर वाहनों की भी जांच की। एसपी स्वर्ण प्रभात ने चिरैया और शिकारगंज में टीम के साथ खुद छापेमारी का नेतृत्व किया। उन्होंने सड़क पर वाहनों की जांच की और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। पुलिस के इस अभियान से जिले के अपराधियों में हड़कंप मच गया है। कई अपराधी कार्रवाई की भनक लगते ही फरार हो गए। कुछ जगहों से पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं।

अपराधियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई रहेगी जारी

एसपी ने कहा कि जिले में अपराध और असामाजिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अपराधियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी। जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की पहली प्राथमिकता है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि स्-ड्राइव अभियान के तहत आगे भी छापेमारी जारी रहेगी। वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें सक्रिय की गई हैं।

स्मैक धंधेबाजों पर स्पीडी ट्रायल की तैयारी

मुजफ्फरपुर , एजेंसी। स्मैक व अन्य मादक पदार्थ के धंधे में शामिल धंधेबाजों पर नकेल कसने के लिए विशेष रणनीति तैयार की गई है। जेल में बंद इन आरोपितों के खिलाफ समय से चार्जशीट दायर करने के साथ स्पीडी ट्रायल से सजा दिलाने की कवायद में पुलिस जुटी है। इसके अलावे वर्तमान में सक्रिय धंधेबाजों के संबंध में भी पुलिस जानकारी इकट्ठा कर रही है। सिटी एसपी विश्वजीत दयाल ने स्मैक व अन्य मादक पदार्थों के धंधेबाजों के खिलाफ संबंधित थानेदारों को कार्रवाई का निर्देश दिया है। कहा है कि पूर्व से चिह्नित और वर्तमान में सक्रिय सभी धंधेबाजों के खिलाफ विशेष अभियान चला कर सख्ती करें। बताया जाता है कि बीते साल शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अभियान चलाकर दर्जनो धंधेबाज और स्मैकियों को गिरफ्तार किया गया था। इन सभी केस के संबंधित जांच पदाधिकारयों द्वारा चार्जशीट दायर करने के साथ कोर्ट की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जानकारी हो कि बीते माह नगर थाने की पुलिस ने छापेमारी कर चर्चित स्मैक माफिया मनोज साह को पकड़ा था। थाने ले जाने के दौरान पुलिस पदाधिकारी का पिस्टल छीनकर फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया था। हालांकि, पुलिस मुठभेड़ के बाद उसे गिरफ्तार किया गया था। पुलिस अभिरक्षा में इलाज के दौरान पूछताछ में उसने मादक पदार्थ के सिंडिकेट से जुड़े दर्जनो धंधेबाजों के नाम व ठिकाने बताए थे। इसकी गोपनीय तरीके से जांच कर पुलिस की विशेष टीम आगे की कार्रवाई में जुटी है।

औरंगाबाद सदर अस्पताल के उपाधीक्षक को हटाने की मांग

आज से हड़ताल पर रहेंगे चिकित्सक, कहा- छुट्टी के बदले पैसे की मांग की जाती है

औरंगाबाद, एजेंसी। सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने उपाधीक्षक डॉ. सुरेंद्र सिंह को हटाने की मांग की है। चिकित्सक सोमवार से हड़ताल पर जाने की तैयारी में हैं। चिकित्सकों का आरोप है कि डॉ. सिंह की नियुक्ति राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग के आदेश का उल्लंघन करते हुए की गई है। स्वास्थ्य विभाग के आदेश ज्ञापन संख्या-507(3) के अनुसार संस्थान के सबसे वरिष्ठ सदस्य को ही उपाधीक्षक बनाया जा सकता है। इस मामले में डॉ. सुभाष सिंह, डॉ. उदय कुमार, डॉ. विनेश कुमार समेत 11 चिकित्सकों ने डीएम श्रीकांत शास्त्री और सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह को पत्र लिखा है। पत्र पर डॉ. अरुण कुमार, डॉ. देवेश भट्ट, डॉ. जमुना पांडेय, डॉ. रविभूषण शर्मा, डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, डॉ. खालिद राजा, डॉ. अमृत कुमार और डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने भी हस्ताक्षर किए हैं।

उपाधीक्षक पर लगाए कई गंभीर आरोप

सदर अस्पताल में पदस्थापित चिकित्सकों ने उपाधीक्षक पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। चिकित्सकों ने आवेदन में उल्लेख किया है कि उपाधीक्षक भ्रष्टाचार में डूबे हैं। छुट्टी स्वीकृत करने, सरकारी कागजात पर हस्ताक्षर करने और चिकित्सकों की ड्यूटी में छूट देने के लिए भी उनके द्वारा पैसे की मांग की जाती है। अन्यथा वो धमकी देते हैं कि चिकित्सक को अनुपस्थित कर दिया जाएगा। इसके साथ ही अतिरिक्त ड्यूटी करनी होगी। इससे पहले क्षेत्रीय निदेशक मगध क्षेत्र और लोक शिकायत विभाग जैसे उच्च अधिकारियों को सूचित किया जा चुका है। मामले की जांच चल रही है, फिर भी उन्हें उपाधीक्षक बना दिया गया है, जबकि वो इसके योग्य नहीं हैं। आरोप है कि उपाधीक्षक ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए दुर्व्यवहार करते हैं। उपाधीक्षक कहते हैं कि मैं स्थानीय निवासी हूं। मुझे पद से हटाने की किसी की हिम्मत नहीं है, क्योंकि मेरी जेब में कुछ राजनेता हैं। उनके इशारे पर स्थानीय नेता ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों को धमकाते हैं और उनके काम में बाधा डालते हैं। उपाधीक्षक चोट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट बदलने, बदले में पैसे लेने, मरीजों को सर्जरी के लिए निजी क्लीनिक भेजने का दबाव बनाते हैं। उनका कहना है कि उपाधीक्षक को पद से हटाने के लिए 24 मार्च से हड़ताल पर जाने को मजबूर होंगे।

Page 3_16.12..2018 PAGE-04.qxd 23-03-2025 22:24 Page 1

एक्शन में ईडी

आठ करोड़ से अधिक की 24 संपत्तियां जब्त

नवबिहार टाइम्सा संवाददाता

पटना। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पटना रेलवे दावा न्यायाधिकरण घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आठ करोड़ से अधिक की 24 संपत्तियां जब्त कर ली हैं।

इसके साथ ही इस मामले में आरोपितों को दोषी ठहराने की मांग को लेकर कोर्ट में अभियोजन शिकायत भी दायर की है।

प्रवर्तन निदेशालय ने जिस लोगों को दोषी ठहराने की मांग की है कि उनमें एडवोकेट विद्यानंद सिंह, परमानंद सिन्हा, रिंकी सिन्हा, अर्चना सिन्हा, विजय कुमार, निर्मला कुमार और मे. हरजिग बिजनेस एंड डेवलपमेंट प्राइवेट लि. के नाम हैं।

प्रवर्तन निदेशालय ने रेलवे के अज्ञात लोक सेवकों विद्यानंद सिंह, परमानंद सिन्हा, विजय कुमार और अन्य के खिलाफ मृत्यु दावा मामलों में व्यापक पैमाने पर अनियमितता बरतने और आपराधिक मामले में सीबीआई द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर अपनी जांच शुरू की थी।

प्राथमिकी में कहा गया था कि मृत्यु से जुड़े रेलवे दावों में घपला किया गया और दावेदारों को रेलवे से मिली राशि में से केवल एक हिस्सा ही दावेदारों को दिया गया, जबकि बड़ा हिस्सा साजिशकर्ताओं ने हड़प लिया।

जांच में यह बात सामने आई कि एडवोकेट विद्यानंद सिंह और उनके वकीलों की टीम ने 900 से अधिक दावों का निपटारा किया। जिसे जज आरके मित्तल द्वारा पारित किया गया था।

ईडी ने पाया कि विद्यानंद सिंह और उनके वकीलों की टीम ने दावेदारों की जानकारी के बिना उनके बैंक खाते खोले और उनका संचालन किया। उन्होंने रेलवे से प्राप्त दावा राशि को अपने खातों में या नकद निकालने के लिए दावेदारों के हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान का इस्तेमाल किया।

दावेदारों के बैंक खाते से वकीलों के बैंक खातों में 10.27 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए। यही नहीं वकीलों की पत्नियों ने अपराध की इस आय को छिपाने के लिए एक कंपनी के नाम पर 24 अंचल संपत्तियां अर्जित की, जो पटना, नालंदा, गया और नई दिल्ली में स्थित है।

इस मामले में इसी वर्ष जनवरी महीने में प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने पटना, नालंदा में छापा मारा था। जिसमें अधिवक्ता विद्यानंद सिंह, परमानंद सिन्हा और विजय कुमार को गिरफ्तार किया गया और वर्तमान में सभी न्यायिक हिरासत में हैं।

जीविका के 22 कर्मियों को किया गया सेवा से बर्खास्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सरकार ने प्रखंड एवं जिले स्तर पर विभिन्न जीविका समूहों की आंतरिक आडिट में वित्तीय गड़बड़ियां सामने आने के बाद अनियमितता पर अंकुश लगाने को लेकर मॉनीटरिंग सख्त कर दी है।

ग्रामीण विकास विभाग के आंतरिक जांच में अभी तक 35 से अधिक जिलों में हेराफेरी की पुष्टि हुई है। ऐसे प्रकरण को लेकर शासन ने सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

सभी प्रकरण वित्तीय अनियमितता संबंधित हैं। इसमें 22 कर्मियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। शासन की कार्रवाई में जिन कर्मियों की सेवा समाप्त कर दी गई है उनमें अलग-अलग जिले एवं प्रंखड से संबंधित प्रकरण सम्मिलित है।

सेवा समाप्त किए गए कर्मियों में जिला परियोजना प्रबंधक से लेकर प्रखंड परियोजना प्रबंधक, वित्त प्रबंधक, क्षेत्री समन्वयक, लेखापाल एवं प्रशिक्षण अधिकारी तक नप गए हैं।

औरंगाबाद जिले का रफीगंज एवं राघोपुर प्रखंड भी शामिल

वहीं, 30 अलग-अलग वित्तीय अनियमितता के मामले में एफआइआर की कार्रवाई की गई है। 35 प्रकरण में जांच चल रही है। सर्वाधिक प्रकरण वित्तीय गड़बड़ी से संबंधित हैं।

औरंगाबाद जिले में दो (रफीगंज एवं राघोपुर प्रखंड), कटिहार में एक, कैमूर में दो, खगड़िया में दो, गया में दो, नालंदा में दो अलग-अलग मामले में प्राथमिकी दर्ज हुई है। इसी तरह पटना में एक, पूर्णिया में एक, पूर्वी चंपारण में एक, बेगूसराय में एक, मधेपुरा में एक, मुंगेर में एक, मुजफ्फरपुर में एक, वैशाली में एक, समस्तीपुर में एक, सहरसा में एक, सिवान में तीन, सीतामढ़ी में तीन एवं सुपौल जिले में एक प्रकरण को लेकर प्राथमिकी की कार्रवाई की गई है।

अब हाईटेक हुए शराब तस्कर

बोलेरो को बनाया शराब की सप्लाई के लिए जुगाड़ू गाड़ी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार में पूर्ण शराबबंदी के बावजूद तस्कर लगातार नए-नए हथकंडे अपनाकर शराब की तस्करी कर रहे हैं। ऐसा ही एक चौंकाने वाला मामला मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र से सामने आया है। जहां शराब तस्कर ने बोलेरो वाहन को शराब की सप्लाई के लिए एक जुगाड़ू शराब गाड़ी में तब्दील कर दिया था। इस अनोखे तरीके से तस्करी देखकर पुलिस भी चकरा गई और गाड़ी का तहखाना खोलने के लिए उसे एक मैकेनिक की मदद लेनी पड़ी।

जानकारी के मुताबिक, यह पूरा मामला साहेबगंज थाना क्षेत्र के बैद्यनाथपुर के पास का है। जहां पुलिस ने नियमित वाहन चेकिंग के दौरान एक बोलेरो को रोका। गाड़ी में बैठे दोनों सवार शुरू में जांच से बचने की कोशिश करने लगे, जिससे पुलिस को शक हुआ। जब सख्ती से पूछताछ की गई तो दोनों आरोपियों ने कबूल कर लिया कि गाड़ी के पिछले हिस्से में शराब छिपाई गई है।

पुलिस ने जब गाड़ी की गहराई से जांच की, तो सामने आया कि बोलेरो के पिछले हिस्से को काटकर एक तहखाना बनाया गया था, जिसे स्क्रू और नट से इस तरह फिट किया गया था कि ऊपर से देखने पर कुछ भी असामान्य न लगे। इस खास तहखाने में शराब की बोतलें छिपाई गई थीं। पुलिस ने बताया कि वाहन में करीब 240 लीटर शराब छिपाकर रखी गई थी, जिसे उत्तर प्रदेश से लोड कर वैशाली जिले ले जाया जा रहा था।

तहखाना इतनी सफाई से तैयार किया गया था कि पुलिस के लिए उसे खोलना किसी चुनौती से कम नहीं था। आखिरकार, स्थानीय मैकेनिक को बुलाया गया, जिसने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद तहखाने को खोलकर शराब को बाहर निकाला। पुलिस अधिकारियों ने भी माना कि इस तरह की तस्करी उन्होंने पहली बार देखी है, जिसमें गाड़ी को पूरी तरह मॉडिफाई किया गया था।

घटना के बाद पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में यह भी सामने आया कि शराब उत्तर प्रदेश से लोड कर लाई गई थी और इसे बिहार के विभिन्न हिस्सों में सप्लाई किया जाना था। अब पुलिस इस नेटवर्क के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की जांच में जुटी हुई है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि तस्करी के इस गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में विवादित जमीन का हुआ समाधान

गैर आबाद जमीन विद्यालय निर्माण कार्य के लिए रखी गयी सुरक्षित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टुण्डी। दक्षिणी टुण्डी क्षेत्र के राजाभीठा पंचायत अंतर्गत ग्राम करमाटांड़ में कई वर्षों से चली आ रही जमीन विवाद का मामला आज प्रबुद्ध व्यक्तियों के हस्तक्षेप से विवादित जमीन का मामला निपटा लिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दक्षिणी टुण्डी के राजाभीठा पंचायत अंतर्गत ग्राम करमाटांड़ मौजा,मौजा नं 144 खाता नं 120 , प्लांट नं 813, में रकवा 18 डीं एवं प्लांट नं 815 में 1.99एकड़ कुल रकवा तथा 217 एकड़ जो झारखंड सरकार की गैर आबाद प्लांट है जिसका प्लांट नं 813,815 है उक्त सभी प्लांट भूखण्ड के नाम आवंटित हैं। आज इन सभी प्लांटों को लेकर मुखिया तथा जिला परिषद इ, विद्यालय प्रबंध समिति समेत सभी जनप्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया था जिससे सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करते हुए इस गैर आबाद जमीन को महाविद्यालय एवं उच्च शिक्षा के लिए सुरक्षित रखा गया जिसे ध्वनि मत से पारित कर दिया एवं अपनी सहमति जताते हुए हस्ताक्षर किया। साथ ही प्लांट नं 815 को उत्तर दिशा नदी किनारे से 40 फीट चौड़ाई में आम रास्ता रखने का निर्णय लिया गया तथा मौजा करमाटांड़ मौजा नं 144 खाता नं 120 प्लांट नं 813 एवं 815 कुल रकवा 2.17 एकड़ को विद्यालय एवं शिक्षण संस्थानों के लिए सुरक्षित रखने पर मुखिया समेत सभी जनप्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया। मौके पर मुखिया अनिता देवी, जिला परिषद सदस्या दिव्या बास्की, पंचायत समिति सदस्य राजेश कुमार सिंह, भाजपा नेता सागर ओझा, समाजसेवी डॉ अनवर अंसारी, कांग्रेस नेता इलियास अंसारी, झामुमो युवा नेता अजीमुद्दीन उर्फ छोटू अंसारी समेत सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

एक्शन मोड में बिहार पुलिस

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सख्त निर्देशों के बाद अब बिहार में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं बची है। पुलिस अपराध के खिलाफ एक्शन मोड में आ चुकी है। बीते कुछ दिनों में राज्य के विभिन्न हिस्सों में पुलिस ने कई कुख्यात बदमाशों का एनकाउंटर किया है, वहीं दर्जनों को गिरफ्तार भी किया गया है। इसी साल जनवरी महीने में एसटीएफ की टीम ने 50-50 हजार के दो कुख्यात इनामी अपराधियों को मार गिराया। आठ नक्सलियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके अलावा अब तक कुल 227 अपराधियों को दबोचा गया है, जिसमें 29 इनामी बदमाश भी शामिल हैं। राज्य की पुलिस अब साफ कर चुकी है कि जो कानून तोड़ेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

पिछले तीन महीनों में पटना सहित कई जिलों में मुठभेड़ की चार घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें न केवल अपराधियों की धरपकड़ हुई, बल्कि उनके नेटवर्क को भी ध्वस्त किया गया है। अररिया, मुंगेर, गया, भोजपुर जैसे जिलों में भी पुलिस की कार्रवाई तेज है।

पर्यावरणविद् ने पौधारोपण व वृक्षों से रक्षाबंधन कर मनाया विश्व वानिकी दिवस

प्रकृति से अपने लिए केवल लेना ही नहीं, देना भी सीखें : डॉ कौशल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद ट्री मैन डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने शुक्रवार को छतरपुर कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यायल के छात्राओं के साथ पौधरोपण कर विश्व वानिकी दिवस मनाया। विश्व वानिकी दिवस कर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ कौशल ने पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ चंदन का पौधा लगाकर व कन्या पूजन कर किया गया। कस्तूरबा के छात्राओं को उन्होंने पर्यावरण धर्म की वृहद जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक किया। पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ दिलाई।

डॉ कौशल ने कहा कि आज से पूरी दुनिया के वृक्षों में तेजी से नए पत्ते निकलने लगते हैं। इसलिए आज का दिन वृक्षों को छठी दिवस के रूप में भी मनाया जाता है । वनराखी मूवमेंट के प्रणेता डॉ कौशल ने कहा कि लोग वनों की सुरक्षा और पौधा रोपण कर ही वानिकी दिवस मनाते हैं। इसे हर व्यक्ति अपना कर्तव्य को समझें और किसी भी कीमत में वनों को आग से बचाए तभी इस दिवस को मनाने की सार्थकता है। उन्होंने कहा कि वनों में आग लगने से वन्य प्राणियों की क्षति के साथ खनिज संपदा का भी भारी नुकसान होता है।

उन्होंने यह भी बताया को वनों में आग लगने से मिट्टी भी पक जाती है। इस पर नए पौधों का विकास उस गति से नहीं हो पाता है। कहा कि प्रकृति से केवल लेना नहीं देना भी सीखें। क्योंकि अर्थ के लिए हो रहे अनर्थ के कारण कोरोना से भी अधिक भयावह प्रदूषण को खतरा लोगों के सिर पर मंडरा रहा है। विश्व वानिकी दिवस पर उन्होंने ब्रह्माण्ड के सभी जीवों की रक्षा के लिए लोगों से पौधरोपण करने की अपील की। कार्यक्रम की अध्यक्षता रीना कुमारी व संचालन प्रतिभा शर्मा ने की। धन्यवाद ज्ञापन श्यामंता कुमार सिंह ने किया। डाली बाजार के मुखिया पूनम जायसवाल ने कहा कि लोग पौधा लगाकर अपने बच्चों की तरह देखभाल करें। मौके पर शिक्षिका बेदीका तिवारी, गौरी तिवारी, राजेंद्र कुमार यादव, मुदित टेरेसा बारला, सत्या सिंह, संतोष कुमार समेत कई लोग शामिल थे।

विधायक ने किया गोदाम का शिलान्यास, किसानों में हर्ष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टुण्डी। टुण्डी प्रखंड के दक्षिणी भाग कटनियां ओझाडीह में आज रविवार को कार्यकारी एजेंसी के तहत बनने वाली 500 मैट्रिक टन गोदाम निर्माण कार्य का झारखंड विधानसभा के मुख्य सचेतक सह सतारूढ़ दल के जुझारू विधायक मथुरा प्रसाद महतो की गरिमामयी उपस्थिति में शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ।

उन्होंने कहा कि यह गोदाम विशेषकर समेकित सहकारी विकास परियोजना कोषांग रांची के सौजन्य से निर्माण होना है। यह गोदाम किसान भाईयों के लिए अति महत्वपूर्ण और लाभदायक साबित होगा किसान अब आसानी एवं सुलभ तरीके से अपने उपजाए फसल को विक्रय कर सकेंगे। मौके पर टुण्डी अंचलाधिकारी जितेंद्र प्रसाद, ओमप्रकाश दास, कामेश्वर सिंह, विनय सिंह समेत दर्जनों किसान उपस्थित थे।

स्किल इंडिया कार्यक्रम शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के सौजन्य से पटना में स्किल इंडिया कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया, जिसके अंतर्गत बच्चों को शिक्षित करने के लिए शिक्षकों को ट्रेनिंग दी जाएगी और एक विकसित और विकासशील देश का निर्माण किया जाएगा।

कार्यक्रम का उद्घाटन आईपीएस अधिकारी विकास वैभव, मुख्य अतिथि कर्नल अनिल कुमार पोखरियाल, सीईओ सेंट टएढरउ भारत सरकार, पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शमायल अहमद, सेंट माइकल हाई स्कूल के प्राचार्या फादर क्रिस्टी, सेंट जेवियर्स हाई स्कूल के प्राचार्या फादर डोमिनिक और विशिष्ट अतिथि के रूप मे झारखंड प्रदेश सचिव तौफीक हुसैन ने दीप प्रज्वलित कर किया। मंच का संचालन एसोसिएशन की राष्ट्रीय सचिव फौजिया खान ने किया। दिल्ली से आए हुए भारत सरकार के स्किल डेवलपमेंट के सीईओ कर्नल अनिल कुमार पोखरियाल ने कहा कि बिहार पहला राज्य बना है, जहां प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन से जुड़े एक लाख शिक्षकों को स्किल ट्रेनिंग दी जाएगी।

पशुपालन विभाग की कछुआ चाल से लोगों में असंतोष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टुण्डी। पूर्वी टुंडी प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष योगेश प्रसाद रजक के पार्टी के निर्देश पर विभिन्न कार्यालयों का दौरा कर विकास कार्यों से जुड़े कई जनहित मुद्दों की जानकारी प्राप्त किया। वे सर्वप्रथम पशुपालन विभाग पहुंचे जहां भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ प्रीति सरोज खोया से मिले और गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही प्रखंड में चल रहे पशुपालन विभाग के कार्य योजना की जानकारी से रू ब रू हुए। जैसे ही रजक ने नये वित्तीय वर्ष 24-25 का वित्तीय वर्ष की कुल कार्य योजना की जानकारी मांगी मैडम ने अनभिज्ञता जाहिर जिससे श्री रजक आगबबूला हो गए।

उन्होंने कहा कि विभाग की कछुआ चाल से आज वर्तमान सरकार बदनाम हो रही है। अगर समय पर जनता का काम नहीं होगा तो कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। आपलोगों कि धीमी गति को लेकर विभागीय मंत्री से मिलकर वर्तमान वस्तु स्थिति से अवगत कराया जायेगा, इस तरह से काम नहीं चलने वाला। उन्होंने कहाकि जनता का काम नहीं होगा तो विभाग में बैठकर केवल वेतन लेने से नहीं चलेगा। सबसे आश्चर्यजनक बात है कि पशु चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा नये वित्तीय वर्ष का टारगेट मांगने पर असमर्थता जताई गई जो कि सरासर गलत है। बताया जाता है कि पूर्वी टुंडी में हो रहे विकास कार्यों में बिचौलिया हावी हो गया है जिससे कांग्रेस एक-एक को बेनकाब करने का काम करेगी। मौके पर पूर्वी टुंडी प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष योगेश प्रसाद रजक, अल्पसंख्यक मोर्चा नेता सिद्धिक अंसारी, राकेश कुमार सिन्हा, देवरंजन रजक समेत कई अन्य लोग उपस्थित थे।

शहादत दिवस पर निकली प्रभात फेरी

सैकड़ों लोग हुए शामिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की शहादत को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए शहादत समारोह समिति ने कचहरी चौक शहर में प्रभात फेरी निकाली। प्रभात फेरी महात्मा गांधी रोड होते हुए शहीद भगत सिंह चौक पर पहुंची। समिति के वरिष्ठ सदस्यों व इप्टा के कलाकारों ने श्रद्धा-सुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर समिति की वरिष्ठ सदस्य शीला श्रीवास्तव, अहिल्या गिरी, वैजयंती गुप्ता, वीणा कुमारी, शालिनी श्रीवास्तव, चंदा झा , संजू शुक्ला, शैलेंद्र कुमार, प्रेम भसीन, सुरेश सिंह, आलोक वर्मा, विजय कुमार सिंह, पंकज श्रीवास्तव, युगल पाल, शत्रुघ्न शत्रु, बृजनंदन मेहता, अभिषेक विश्वकर्मा, बृजेश शुक्ला, बबलू चावला, ललन प्रजापति, विकास कुमार पप्पू, विनय कुमार सिंह, अजीत कुमार पाठक, संजीत प्रजापति, शिव शंकर प्रसाद व उपेंद्र कुमार मिश्रा

सहित इप्टाकर्मियों व अन्य गणमान्यों ने शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित की। इप्टा के कलाकारों ने ह्यशहीदों ले लो मेरा सलाम.... व फांसी का झूला झूल गया मस्ताना भगत सिंह... जैसे देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। इप्टा के राष्ट्रीय सचिव शैलेंद्र कुमार ने भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के बलिदान को याद किया।

उन्होंने कहा कि भगत सिंह का विचार था कि धार्मिक भेदभाव को समाप्त करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को किसी धर्म विशेष के व्यक्ति के रूप में नहीं बल्कि इंसान के रूप में देखना चाहिए। शत्रुघ्न कुमार शत्रु ने कहा कि वर्तमान समय में भगत सिंह के विचार पहले से भी अधिक प्रासंगिक हैं। प्रभात फेरी में शामिल लोगों ने हाथों में तख्तियां व पोस्टर लेकर शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव अमर रहें, इंकलाब जिंदाबाद, साम्राज्यवाद का नाश हो जैसे गगनभेदी नारे लगाए। कार्यक्रम में नसीम की बैंड पार्टी व अभिषेक विश्वकर्मा के नौजवानों के दल ने जोश भरने का कार्य किया।

मौके पर अधिवक्ता रंजन कुमार सिंह, रवि शंकर उपाध्याय, अशोक निगम, गौतम कुमार, प्रो. कृष्ण कुमार मिश्रा, ललन कुमार, राजेश कुमार सिंह, संजीत कुमार दुबे, अभय कुमार वर्मा, अविनाश तिवारी सहित अन्य उपस्थित थे।

साहित्य सृजन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है पलामू : इंदर सिंह नामधारी

कुंडलिया पंचामृत का लोकार्पण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। कवि राकेश कुमार के संपादन में पलामू के पांच छांदस रचनाकारों राकेश कुमार, नीरज कुमार पाठक, रीना प्रेम दूबे, अनुज कुमार पाठक व रमेश कुमार सिंह रचित पुस्तक कुण्डलिया पंचामृत का भव्य लोकार्पण हुआ। चैनपुर के प्रखण्ड सभागार में मुख्य अतिथि झारखण्ड के प्रथम विधानसभा अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी, सभाध्यक्ष प्रो सुभाष चंद्र मिश्र, डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह, डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र, प्रेम भसीन, श्रीधर प्रसाद द्विवेदी, सुरेंद्र कुमार मिश्र, रामाधार सिंह, धन्नजय जयपुरी, विनय मामुली बुद्धि व रविशंकर पाण्डेय ने संयुक्त रूप से 'कुंडलियां पंचामृत' का लोकार्पण किया।

कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी विद्या वैभव भारद्वाज ने किया मौके पर मुख्य अतिथि इंदर सिंह नामधारी ने कहा कि पलामू चाहे विकास के क्षेत्र में अभी भी पिछड़ा हो किंतु साहित्य सृजन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। 'कुण्डलिया पंचामृत' के पांचों कवियों ने इस यात्रा को आगे बढ़ाया है। इसलिए वे बधाई व प्रशंसा के पात्र हैं।

सभाध्यक्ष प्रो. सुभाष चंद्र मिश्र ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि वर्षों पहले वे कवि राकेश कुमार में काव्य प्रतिभा को देखा था। खुशी है कि ये साहित्य के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। कहा कि पांचों कवियों की कुंडलियां संदेशपरक व पठनीय हैं। विशिष्ट अतिथि साहित्यकार व काष्ठकलाकार प्रेम भसीन ने कहा कि साहित्यकारों के बीच बैठना उन्हें आह्लादित करता है। विशिष्ट अतिथि सिद्धेश्वर सिंह ने कहा कि अच्छा लिखना साहित्य साधना के बिना संभव नहीं है। साहित्यकार सुरेन्द्र कुमार मिश्र ने कहा कि पलामू

के साहित्यकार कवि राकेश के संपादन में साझा संकलन निकाल रहे हैं जो मैथिलिशरण गुप्त व भारतेंदु हरिश्चंद्र की परंपरा की याद दिलाता है। डॉ सुरेन्द्र प्रसाद मिश्र ने कहा कि कुण्डलिया पंचामृत में विविध विषय समाहित हैं जो उत्तम शिल्प में लिखे गये हैं। इसलिए यह जीवन को सीधे स्पर्श करते हैं। इसके पहले विषय प्रवेश कराते हुए छंदशास्त्री श्रीधर प्रसाद द्विवेदी ने प्राकृत भाषा में कुण्डलिया छन्द के आरम्भ से गिरिधर कविराय से होते हुए 'कुण्डलिया पंचामृत' तक के सफर पर प्रकाश डाला। प्रखर वक्ता शिक्षाविद परशुराम तिवारी ने कहा कि यह देखना सुखद है कि कवि राकेश कुमार सहित कुण्डलिया पंचामृत के सभी कवि कुंडलियां में नया प्रयोग करने में सफल रहे हैं। राष्ट्रीय सेवा मंच के अध्यक्ष प्रियरंजन पाठक व सचिव प्रेम प्रकाश दुबे द्वारा सभी रचनाकारों को सम्मानित किया। समारोह में अनुपमा तिवारी, श्यामलाल उरांव, सरिता दुबे, नीरज कुमार, अजय पांडेय, शशि प्रसाद, विद्या सागर शर्मा, सुमन मिश्रा, आदर्श राज, शान्वी,ओम पाठक, कामेश्वर सिंह,बिमल कुमार, मधु रानी लाल, उदय भानु तिवारी, उमेश कुमार पाठक रेणु, रविशंकर पांडेय, विजय पाठक द्विज,अरविंद तिवारी, रमेश वैद्यनाथ, राम प्रवेश पंडित धन्नजय पाठक,अशोक, प्रेम प्रकाश पांडेय, राम प्यारी सहित सैकड़ों साहित्यकार व साहित्य प्रेमी मौजूद थे।

पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा पहुंची समस्तीपुर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। बेरोजगारी के खिलाफ चल रही पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा रविवार को समस्तीपुर पहुंची। इस यात्रा का नेतृत्व यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु कर रहे हैं। हालांकि यात्रा में कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार शामिल नहीं हुए, लेकिन युवाओं का जोश और सरकार के खिलाफ आक्रोश साफ देखने को मिला।

यात्रा के समस्तीपुर आगमन के अवसर पर कांग्रेस जिला कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया गया। उसमें उदय भानु ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह यात्रा सिर्फ कांग्रेस या यूथ कांग्रेस की नहीं, बल्कि उन करोड़ों बेरोजगार युवाओं की आवाज है जो आज नौकरी की तलाश में भटक रहे हैं और हताशा में जी रहे हैं। यूथ कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि देश का युवा आज बेरोजगारी की वजह से मानसिक तनाव और निराशा का शिकार है। वह बदलाव चाहता है, लेकिन केंद्र सरकार सिर्फ पूंजीपतियों की सेवा में लगी है।

नौ साल बाद नंदनगढ़ महोत्सव का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पश्चिम चंपारण। बिहार की सांस्कृतिक विरासत को एक बार फिर नई ऊर्जा मिली, जब नौ वर्षों के लंबे अंतराल के बाद लौरिया के साहुजैन स्टेडियम में नंदनगढ़ महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग तथा जिला प्रशासन पश्चिम चंपारण के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में संस्कृति, संगीत और परंपरा की झलक देखने को मिली।

कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति ने इस महोत्सव को और भी गरिमामय बना दिया। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसमें जिला पदाधिकारी दिनेश कुमार राय, बेतिया एसपी डॉ. शौर्य सुमन, बगहा एसपी सुशांत कुमार सरोज, विधान पार्षद भीष्म साहनी, लौरिया विधायक विनय बिहारी, रामनगर विधायक भागीरथी देवी, बेतिया महापौर गरिमा देवी शिकारिया, नरकटियागंज सभापति रीना देवी, लौरिया प्रमुख शंभू तिवारी और नगर अध्यक्ष सीता देवी ने संयुक्त रूप से हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत बिहार गीत से स्वागत के रूप में की गई, जिसके बाद 'जय बिहार' गीत ने मंच पर देशभक्ति और सांस्कृतिक भावना का संचार किया।

इसके बाद चंपारण के मशहूर कव्वाल अशलम चिश्ती की गजलों ने समां बांध दिया। उनकी प्रस्तुति मन को दुबारा-दुबारा ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

कार्यक्रम की खास आकर्षण रहे विधायक विनय बिहारी, जिनके गाए गीतों ने पूरी महफिल को उत्साह और ऊर्जा से भर दिया। उनके संगीत की लहरों पर लौरियावासियों ने जमकर तालियां बजाईं और झूम उठे। वहीं, मंच पर उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों का पारंपरिक रूप से शॉल और मोमेंटो देकर सम्मान किया गया। इस सम्मान समारोह के माध्यम से आयोजकों ने प्रशासन और नेतृत्व के सहयोग के प्रति आभार प्रकट किया।

सीएम का निर्देश: शिक्षक विहीन न रहे कोई स्कूल

स्कूलों में होंगे खेल के मैदान, एक अप्रैल से शुरू होगा अभियान

लखनऊ , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सरकार के पास पैसे की कोई कमी नहीं है। प्रदेश का कोई भी विद्यालय शिक्षक विहीन नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरा फोकस गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर करें। वे शनिवार को अपने सरकारी आवास पर बेसिक शिक्षा विभाग के कामकाज की समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने अधिकारियों को मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट और मुख्यमंत्री अभ्युदय कंपोजिट विद्यालयों में खेल के मैदान, ट्रेनिंग सेंटर और न्यू एज कोर्स की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। कहा, सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 925 तथा वर्ष 2024-25 में 785 शासकीय विद्यालयों को पीएमश्री योजना के तहत उच्चीकरण कराया है। इन विद्यालयों को इंटीग्रेटेड कैंपस के रूप में विकसित किया जाए। सीएम ने कहा कि एक से 15 अप्रैल तक और जुलाई में 15 दिन का स्कूल चलो अभियान चलाएं। शिक्षकों, ग्राम प्रधानों व ग्राम पंचायत सदस्यों के साथ मिलकर स्कूल चलो अभियान को एक उत्सव का रूप दिया जाए ताकि बच्चों को नया अनुभव मिले। उन्होंने कहा कि शिक्षक और प्रधानाचार्य गांवों में घर-घर जाकर बच्चों को स्कूल आने के लिए प्रेरित करें। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की व्यवस्थाओं को भी बेहतर बनाएं। कहा, शिक्षकों को अच्छे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जोड़ना होगा, ताकि लर्निंग आउटकम को और बेहतर किया जा सके। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से आरटीई के तहत 2016-17 में 10784 बच्चे लाभान्वित हुए थे, वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 4.58 लाख से अधिक हो गई है। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह, अपर मुख्य सचिव बेसिक, माध्यमिक व वित्त दीपक कुमार, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा भी शामिल हुईं।

आकांक्षात्मक जिलों में शिक्षक-छात्र अनुपात सुधारें

सीएम ने कहा कि सभी आकांक्षात्मक जिलों व ब्लॉकों में शिक्षक-छात्र का अनुपात बेहतर करें। सभी परिषदीय विद्यालयों में बालक-बालिकाओं के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इन विद्यालयों में पेयजल, अच्छे क्लास रूम, बिजली की सुविधा, बाउंड्रीवाल व अच्छे फर्नीचर उपलब्ध कराया गया है।

समर कैंप चलाएं

योगी ने कहा कि पहले चरण में 13 डायट को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जा रहा है। डायट को एक संसाधन केंद्र के रूप में विकसित कर समावेशी शिक्षा को आगे बढ़ाया जाएगा। इसलिए आईआईएम लखनऊ और बंगलुरू जैसे संस्थानों के ट्रेनिंग मॉड्यूल से इसे जोड़ा जाए। उन्होंने अधिकारियों को समर कैंप चलाने के लिए भी निर्देश दिया। बच्चों को खेल-खेल में नई चीजों को सिखाने पर जोर देते हुए उन्होंने कैंप सुबह ही चलाने के निर्देश दिए।

छात्रों की उपस्थिति बढ़ी

सीएम ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में हुए प्रयासों के परिणाम आज असर रिपोर्ट में साफ दिख रहा है। वर्ष 2024 की रिपोर्ट में प्रदेश की शिक्षा गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इससे यूपी अब टॉप परफॉर्मिंग प्रदेश बन गया है। प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति वर्ष 2010 में 57 फीसदी थी जो वर्ष 2024 में बढ़कर 71.4 प्रतिशत हो गई है। लड़कों की तुलना में बालिकाओं का नामांकन भी बढ़ा है।

संक्षिप्त समाचार

बदमाश ने सिपाही को मारी गोली..., चकमा देकर पुलिस पर की थी फायरिंग

मिर्जापुर, एजेंसी। कटरा कोतवाली, राजगढ़ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए साढ़े छह करोड़ की हेरोइन के साथ तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक आरोपी को मुठभेड़ में गोली लग गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार, कटरा कोतवाली पुलिस ने बीती रात तुलसी चौक स्थित मोहल्ले में दबिश देकर हेरोइन तस्कर नन्हे कसेरा समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया। उसके पास से साढ़े छह करोड़ की हेरोइन बरामद की गई।

गिरफ्तारी के बाद तस्कर नन्हे कसेरा ने पुलिस को और मादक पदार्थ बरामदगी के बारे में बताया। इसके बाद पुलिस उसे लेकर उसके बताए गए स्थान पर यानी राजगढ़ ले गए। वहां मादक पदार्थ तो नहीं मिला।

मादक पदार्थ के स्थान पर नन्हे कसेरा असलहा छुपा कर रखा था। उसने असलहे से फायरिंग कर भागने का प्रयास किया, जिसमें एक आरक्षी घायल हो गया। पुलिस टीम में जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली मारकर उसे पकड़ गया। घायल सिपाही व तस्कर को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

वाराणसी में तड़तड़ाई गोलियां: पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहा था बदमाश, महिला से लूटी थी चेन

वाराणसी, एजेंसी। चेन स्नेचिंग की घटना को अंजाम देने वाले स्नेचर और बड़ागांव पुलिस और क्राइम ब्रांच के बीच शनिवार की रात दल्लीपुर मोड़ के पास मुठभेड़ हुई। बदमाश के बाएं पैर में पुलिस की गोली लगी है। घायल बदमाश को गंगापुर पीएचसी में भर्ती कराया गया।

बदमाश की पहचान चोलापुर थाना क्षेत्र के चमरहा निवासी विशाल मौर्या के रूप में हुई है। हाल ही में भेलूपुर के खोजवा, बड़ागांव क्षेत्र में महिलाओं के साथ हुई चेन स्नेचिंग की घटनाओं में शामिल रहा। बड़गांव पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली कि चेन स्नेचिंग की घटनाओं को अंजाम देने वाला बदमाश बाइक से बड़ागांव क्षेत्र में किसी घटना को अंजाम देने वाला है। इस पर सक्रिय हुई पुलिस की संयुक्त टीम ने घेराबंदी की। दल्लीपुर मोड़ के पास बदमाश पुलिस टीम को देखते ही फायरिंग शुरु कर दिया। इस पर जवाबी फायरिंग में बदमाश के बाएं पैर में गोली लगी। डीसीपी गोमती प्रमोद कुमार ने बताया कि बदमाश को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी टीम में थाना प्रभारी अतुल कुमार सिंह, क्राइम ब्रांच प्रभारी मनीष मिश्रा, एसआई पंकज चौहान, संदीप पांडेय और भेलूपुर थाने की क्राइम टीम शामिल रही। आरोपी बदमाश से पुलिस की टीम पूछताछ कर रही है।

इनर रिंग रोड योजना के लिए भूमि अधिग्रहण का काम अगले माह से, 35 गांवों की भूमि आएगी जद में

प्रयागराज , एजेंसी। इनर रिंग रोड योजना के तहत पहले चरण के अगले दो फेज का काम जल्द शुरू होना है। इसके लिए भूमि अधिग्रहण का काम अप्रैल माह से शुरू होने की उम्मीद है। इस दौरान इनर रिंग रोड के प्रोजेक्ट के रास्ते में आने वाले लगभग 35 गांवों से जमीन अधिग्रहित की जानी है। इसके लिए करीब 500 करोड़ रुपये मुआवजे का अनुमान है। इनर रिंग रोड के पहले चरण के तीन फेज में 31.4 किलोमीटर सड़क का निर्माण किया जाना है।

अब तक 15 किलोमीटर का काम पूरा कर लिया गया है। बाकी 16.4 किलोमीटर का काम शुरू होना है। पहले चरण में फूलपुर से करछना में 23 किलोमीटर लंबी सड़क, 7 अंडरपास, 2 रेलवे पुल और तीन पुल का निर्माण किया जाना है। इनमें दो गंगा नदी पर बनने वाले पुलों में पहला गंगापार के झूंसी और यमुनापार के नैनी को जोड़ेगा। वहीं, दूसरा पुल भी झूंसी और नैनी के बीच प्रस्तावित है, जो रिंग रोड परियोजना का हिस्सा है। यह दोनों ही सिक्सलेन पुल हैं। इन पुलों के निर्माण से नया यमुना पुल और शास्त्री पुल पर वाहनों का दबाव कम होगा। इन दोनों पुलों का निर्माण मई और जून 2026 तक पूरा होना है। इसके अलावा यमुना नदी पर एक पुल बक्शी गांव में बनाया जाएगा। महाकुंभ से पहले इस पर काम शुरू किया गया था। अब तक 15 किलोमीटर का काम पूरा हो सका है। इनमें चार अंडर पास व एक रेलवे ओवर ब्रिज का काम पूरा हो चुका है।

प्रयागराज इनर रिंग रोड के पहले चरण में कुल 30 किलोमीटर का काम होगा, जिसे तीन चरणों में विभाजित किया गया है।

युवक की पहले हत्या...फिर डाल दिए घाव के अंदर जिंदा कारतूस

जानकर चकरा गई पुलिस; ऐसे खुला राज

आगरा , एजेंसी। जगदीशपुरा थाने के गांव लड़ामदा में होली वाले दिन युवक की हत्या की गई थी। यही नहीं हत्या को आत्महत्या दर्शाने के लिए घाव में कारतूस डाल दिया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह सनसनीखेज खुलासा हुआ। इसके बाद पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन तेज कर दी है। ताज्जुब की बात यह है कि परिजन ने तमंचे से आत्महत्या कर लेने की बात पुलिस को बताई थी।

मथुरा निवासी पुष्पेंद्र चौहान (26) के पिता चरन सिंह और दादी चंद्रवती जगदीशपुरा क्षेत्र के गांव लड़ामदा में रहते हैं। पुलिस को सूचना दी गई कि पुष्पेंद्र चौहान ने तमंचे से सीने पर गोली मारकर खुदकुशी कर ली है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर एक तमंचा मिला। सीने पर जख्म था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने भी इसे खुदकुशी का मामला माना।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला कि सीने पर दो सेंटीमीटर का जख्म था। गोली का जख्म इतना बड़ा नहीं होता। जख्म के अंदर जिंदा कारतूस (बिना फायर वाला कारतूस) मिला। रिपोर्ट में मौत की वजह गोली नहीं बल्कि धारदार वस्तु से प्रहार आया।

पुलिस ने मृतक के पिता से पूछताछ की तो उन्होंने अनभिज्ञता जताई। परिजन ने तहरीर भी नहीं दी। इस पर पुलिस ने अपनी तरफ से हत्या का केस लिखा। इंस्पेक्टर जगदीशपुरा ने बताया कि पुलिस छानबीन कर रही है। पुष्पेंद्र की पत्नी नीलम को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। हत्याकांड के पीछे कौन लोग हो सकते हैं। इसका पता लगाया जा रहा है।

निजी वाहन कंपनी को देने पर भड़के ड्राइवर

अपर नगर आयुक्त दफ्तर में घुसे, गमले तोड़े

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ नगर निगम की वाहनों को निजी कंपनी सुखमा के हवाले करने के आदेश पर 22 मार्च को सभी ड्राइवर भड़क गए। बन्नादेवी वर्कशाप पर प्रदर्शन कर जुलूस निकाल कर नगर निगम कार्यालय पहुंच गए। अपर नगर आयुक्त कार्यालय में घुस कर अभद्रता की, वहां रखे गमले तोड़ दिए। दरवाजे तोड़ने का प्रयास किया। गुस्सा भांप कर अपर नगर आयुक्त बोले- मैं तो संदेशवाहक हूं। आपकी बात नगर आयुक्त और उनकी बात आप तक पहुंचाता हूं।

दरअसल, नगर निगम ने जोन दो और चार में सफाई की जिम्मेदारी सुखमा कंपनी को सौंपी है। नगर आयुक्त के आदेश पर अपर नगर आयुक्त ने कूड़ा उठाने के लिए 125 सरकारी वाहनों सहित अन्य मशीनरी को इसी कंपनी को सौंपने का आदेश जारी किया है। इसमें 75 वाहन सौंप दिए गए हैं। इसका वर्कशॉप ड्राइवर कर्मचारी संघ जोरदार विरोध कर रहा है। पहले बन्नादेवी स्थित कार्यालय पर संघ के अध्यक्ष शेखर जीवन व महामंत्री उदय वाल्मीकि के नेतृत्व में ड्राइवरों ने प्रदर्शन किया। नगर सफाई मजदूर संघ के पूर्व व वर्तमान पदाधिकारी भी इसके समर्थन में आ गए।

नगर निगम में अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार के विरोध में प्रदर्शन के दौरान तोड़ा गया गमला

आक्रोशित कर्मचारी द्वितीय तल पर स्थित अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव के कार्यालय में दाखिल हो गए। वहां अफसरों को खरीखोटी सुनाई और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। कर्मचारी नेता अपर नगर आयुक्त पर भड़ास निकालते रहे, लेकिन उन्होंने कर्मचारियों की बातों को सुना और नगर आयुक्त को अवगत करने का आश्वासन दिया। जाते-जाते ड्राइवरों ने कार्यालय का दरवाजा तोड़ने का प्रयास किया और बाहर रखे गमलों को तोड़ दिया।

भड़के अपर नगर आयुक्त बोले..किसी की नाजायज बात नहीं सुनता

सफाई कर्मचारियों व ड्राइवरों से घिरे अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव भी बीच-बीच में थोड़ा उग्र हुए। बोले-नियमानुसार कार्य करने वाला अधिकारी हूं। नियम के विपरीत अगर कोई कार्य होता है, या कहा जाता है, तो नहीं करता। कहने वाले चाहे नगर आयुक्त हों या महापौर।

जेल में ड्रग्स और शराब के लिए तड़प रहे साहिल और मुस्कान

मेरठ, एजेंसी। ब्रह्मपुरी में पति सौरभ की हत्या करने वाली मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को जेल में तीन दिन से नींद नहीं आ रही है। वे रातभर करवटें बदलते रहते हैं। जेल में ड्रग्स व शराब न मिलने पर मुस्कान और साहिल की हालत बिगड़ गई है। बताया गया कि लंबे समय से दोनों नशा करते थे। हालत बिगड़ने पर जेल में ही डॉक्टरों ने इलाज किया और उनको दवाई भी दी। दोनों की लगातार निगरानी हो रही है।

वरिष्ठ जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा ने बताया कि दोनों बंदियों को अस्पताल में डॉक्टरों को दिखाया। डॉक्टरों ने उन्हें कुछ दवाएं दीं। बताया जा रहा है कि दोनों खाने-पीने में भी ना-नुकुर कर रहे हैं। पुलिस की पूछताछ में भी सामने आया था कि साहिल और मुस्कान नशा करते हैं। ड्रग्स, शराब और बीयर का रोजाना सेवन करना दोनों की आदत बन चुकी थी। नशा करने के बाद ही दोनों ने सौरभ के सीने में चाकू घोंपे थे और गर्दन भी अलग कर दी थी। साहिल के घर से बीयर की बोतलें भी बरामद की गई थीं।

शिमला व कसोल ले जाने वाले कैब चालक ने भी दोनों के नशा करने की बात पुलिस को बताई थी। दोनों ने रास्ते में और होटल में शराब की बोतल मंगाई थी। बीयर भी पी थी। बताया गया कि बुधवार, बृहस्पतिवार और शुक्रवार को साहिल और मुस्कान को नींद नहीं आई। दोनों रातभर अपनी-अपनी बैरक में करवटें बदलते रहे।

यह बात बंदी रक्षकों और जेल स्टाफ ने जेल वरिष्ठ अधीक्षक को बताई तो उन्होंने दोनों हत्यारोपी से बातचीत की। इसके बाद दोनों ने लंबे समय से नशा करने की बात कबूली है। दोनों में अल्कोहल विड्रॉल के लक्षण देखे गए हैं। इसके बाद दोनों को जेल अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने उन्हें रिलेक्स के लिए कुछ दवाएं दीं। यह भी सामने आया है कि अभी तक दोनों से मिलने के लिए जेल में कोई भी परिजन और रिश्तेदार या परिचित नहीं पहुंचा है।

देश में 65 फीसदी खाद्य तेल का आयात... सरसों के तेल के साथ हो रहा भेदभाव

आगरा, एजेंसी। सरसों के तेल की खपत 200 लाख टन है, लेकिन सालाना उत्पादन महज 45 लाख टन ही है। सरसों की वाजिब कीमत अगर किसान को मिले तो पैदावार के साथ उत्पादन बढ़ेगा। उद्यमियों के करोड़ों रुपये के जीएसटी रिफंड फंसे हुए हैं। उन्हें वह मिलें तो सरसों के तेल की धार देखी जा सकती है।

ताज कन्वेंशन सेंटर में शनिवार से शुरू हुए रबी तेल-तिलहन सेमिनार में दि सेंट्रल आर्गेनाइजेशन फॉर ऑयल इंडस्ट्री एवं ट्रेड (कुईट) के चेयरमैन सुरेश नागपाल ने ये मांगें रखीं। उन्होंने कहा कि देश में 65 फीसदी खाद्य तेल आयात करना पड़ रहा है। आयात कम हो, उत्पादन बढ़े, इसके लिए नीति बनाने की जरूरत है।

पाम ऑयल का आयात कम हो इसके लिए सरसों के तेल की ब्रांडिंग की जाएगी। इसके फायदे गिनाए जाएंगे। सेमिनार में पहले दिन कुमार कृष्ण गोयल, विनोद राजपूत, अनिल छतर, अजय झुनझुनवाला, गजेंद्र झा, महेश गोयल, सुनील गोयल, एसके जैन, दीपक गुप्ता, नरेश करीरा, रमन जैन, राजीव गुप्ता, मनीष अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

इन चुनौतियों से जूझ रहा उद्योग: सुरेश नागपाल ने कहा कि सरकार को जीएसटी रिफंड का प्रावधान करना चाहिए। तेल उत्पादकों को सेट ऑफ दिया जा रहा है, जबकि करोड़ों रुपये जीएसटी रिफंड में फंसे हैं। एक समान नियम बनाए जाएं। एक ब्रांड 770 ग्राम तेल का पैक दे रहा है तो दूसरा 850 तो तीसरा 910 ग्राम का। कम वजन वाले की कीमत कम है, पर ग्राहक इसे नहीं समझ पाते। एक निर्धारित मात्रा की पैकिंग के नियम बनाए जाएं। खाद्य सुरक्षा के मानकों पर भरे जा रहे नमूनों के केस उस जगह शिफ्ट किए जाएं, जहां उत्पादन हो रहा है। पूरे देश में नमूने लेकर मुकदमों को एक जगह शिफ्ट किया जाए।

सरकार से मदद की जरूरत: राष्ट्रीय संयोजक दिनेश राठौर ने कहा कि सरकार की मदद मिले तो देश को एक अच्छा खाद्य उत्पाद मिल सकता है। सरकार विदेशी तेल पाम ऑयल और सोयाबीन का उत्पादन बढ़ाने के लिए सब्सिडी देती है, लेकिन सरसों तेल के साथ भेदभाव बरता जाता है। सरसों तेल में ओमेगा-6 होता है जो बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है। खाद्य तेल में कोल्ड प्रेस्ड तेल सबसे अच्छा माना जाता है। सिर्फ सरसों तेल ही है जो इस मानक पर खरा उतरता है।

उत्पादक नहीं, पैकर्स पर हो कार्रवाई: उत्तर प्रदेश ऑयल मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा कि एफएसएसएआई की कार्रवाई की चपेट में रिटेलर और उत्पादक दोनों आ जाते हैं। सरकार से मांग की जाएगी कि पैकर्स पर कार्रवाई करें। कोई भी तेल मिलर अपने उत्पादन में मिलावट करके अपनी गुणवत्ता या नाम को खराब नहीं करता। मिलावट पैकिंग के स्तर पर होती है। मोपा के अध्यक्ष बाबूलाल ने कहा कि छह साल बाद आगरा को सेमिनार करने का मौका मिला है। खाद्य तेलों में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रविवार को मंथन किया जाएगा।

आज लोकसभा अध्यक्ष करेंगे उद्घाटन: एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय गुप्ता ने बताया कि रविवार को सेमिनार का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल सुबह 10 बजे करेंगे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष भरत भगत ने बताया कि सरकार की नीतियां बदलें तो आयात की जगह खाद्य तेल का निर्यात करने में सक्षम हो सकते हैं। संयुक्त उपाध्यक्ष कुमार कृष्ण गोयल ने बताया कि उद्योग की चुनौतियों को रखा जाएगा।

20 वर्ष के शोध में एएमयू डॉक्टरों ने खोजी ब्रेन कैंसर की नई दवा

चूहों पर शुरू होगा क्लीनिकल ट्रायल

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के इंटरडिसिप्लीनरी ब्रेन रिसर्च सेंटर के शोधकर्ताओं ने ब्रेन कैंसर की एक नई दवा खोज ली है। विवि में ब्रेन कैंसर के इलाज के लिए बनी दवा 'एआरएसएच-क्यू' को पेटेंट भी मिल गया है। वर्ष 2005 से विवि में इस पर शोध चल रहा है। अब चूहे पर क्लीनिकल ट्रायल होगा। इसके बाद मानव पर क्लीनिकल ट्रायल किया जाएगा। शोध टीम का कहना है कि यह दवा दूसरी दवाओं से काफी प्रभावी होगी।

ब्रेन कैंसर पर जारी शोध में सकारात्मक परिणाम आने पर शोध टीम के अगुआ डॉ. मेहंदी हयात शाही, सदस्य डॉ. मुशीर अहमद, आरिफ अली, मोहम्मद मुजम्मिल, बासरी और स्वालीह पी. के चेहरे खिल गए। यह दवा उन कैंसर मरीजों और लोगों के लिए संजीवनी साबित होने वाली है, जिनमें दोबारा ब्रेन कैंसर की संभावनाएं होती हैं। ब्रेन कैंसर से सर्वाधिक मौतें होती हैं। इस दवा की खोज अधिक प्रभावी उपचार विकल्पों के लिए आशा की किरण है।

शोधकर्ताओं ने बताया कि उनका मकसद ऐसी दवा खोजना था, जो कीमोथैरेपी और टेमोजोलोमाइड से अधिक प्रभावी हो। काफी शोध और प्रयासों के बाद च्व्एआरएसएच-क्यूज्ज दवा खोजी गई, जिसने प्रारंभिक परीक्षणों में असाधारण परिणाम दिए हैं। च्व्एआरएसएच-क्यूज्ज ने ब्रेन कैंसर कोशिकाओं को रोकने में असाधारण क्षमता दिखाई है। खासतौर से उन स्टेम कोशिकाओं को जो रेडिएशन और कीमोथैरेपी के प्रति प्रतिरोधक होती हैं।

अमेरिका से ब्रेन सेल मंगवाकर शुरू किया शोध: वर्ष 2005 से ब्रेन कैंसर की इस नई दवा पर शोध कर रहे हैं। अमेरिका से ब्रेन सेल (मानव ब्रेन नहीं) मंगवाकर उस पर परीक्षण शुरू किया गया था। सोनिक हेजहोग सेल सिग्नलिंग पाथवे पर कार्य किया है, जो ब्रेन कैंसर और अन्य घातक रोगों में स्टेम

कोशिकाओं की भूमिका के लिए महत्वपूर्ण है। इसके बाद च्व्एआरएसएच-क्यूज्ज दवा खोजी गई, जिसके प्रारंभिक परीक्षणों में अच्छे नतीजे आए हैं। अब चूहे पर क्लीनिकल ट्रायल होगा। उसके बाद मानव पर क्लीनिकल ट्रायल किया जाएगा।-डॉ. मेहंदी हयात शाही, शोधकर्ता, इंटरडिसिप्लीनरी ब्रेन रिसर्च सेंटर, एएमयू।

युवक नहर में कूदा, साथी छोड़कर भाग आया...परिजनों को भी किया गुमराह

अलीगढ़, एजेंसी। लापता चल रहे गांव जरैठ निवासी विजय सिंह (20) के नहर में कूदने की बात सामने आ रही है। घटना के बाद उसके साथ मौजूद युवक गांव में भाग आया और उसके परिजनों को गुमराह करता रहा। परिजनों ने उस पर विजय सिंह की हत्या करने का आरोप लगाया और 22 मार्च को दोपहर बाद करीब तीन बजे थाने के सामने जाम लगाने की कोशिश की। पुलिस गोताखोरों की मदद से कासगंज में हजारा नहर में उसकी तलाश कर रही है। विजय सिंह गांव जरैठ निवासी शिवनारायन के पुत्र थे और 20 मार्च से लापता है। बताया जा रहा है कि सुरेंद्र के कमेटी के 50 हजार रुपये विजय सिंह के पास थे और वह उनका तकादा कर रहा था, विजय रुपये नहीं लौटा रहा था। इसी विवाद में परिजन हत्या करने का आरोप लगा रहे हैं। परिजनों ने बताया कि 20 मार्च को दिन में करीब तीन बजे सुरेंद्र अपने साथ विजय को ले गया था। इसके बाद दोनों रात भर नहीं लौटे। अगली सुबह सुरेंद्र गांव में लौट आया। उन्होंने विजय के बारे में पूछा तो उसने बताया कि वह उसे कासगंज जिले के थाना सोरों के गांव खड़िया नवेनी में हजारा नहर पर उसे छोड़कर आ गया था। विजय के भाई संतोष ने इस संबंध में थाने पर गुमशुदगी दर्ज कराई थी। परिजनों ने संदेह होने पर 22 मार्च सुबह गांव में पंचायत बुलाई। इसमें सुरेंद्र को भी बुलाया गया। सुरेंद्र ने पंचायत के दबाव में बताया कि वह दोनों घटना वाले दिन गांव से थाना दादों के गांव जिरौली पहुंचे थे।

संक्षिप्त समाचार

पति की मौत का सदमा बर्दाश्त नहीं कर सकी पत्नी, तोड़ा दम, एक साथ उठीं अर्थी

घरौंडा, एजेंसी। शहर की विग कॉलोनी में बुजुर्ग महिला अपने पति की मौत का सदमा सहन नहीं कर पाई और उसने पति के शव के पास ही अपने प्राण त्याग दिए। दम्पति की मौत के बाद दोनों की शव यात्रा निकाली गई। शिवपुरी में एक ही चिता पर उनका अंतिम संस्कार किया गया।विग कॉलोनी निवासी रुकेश गुप्ता ने बताया कि उसके पिता महेंद्रपाल काफी दिनों से बीमार थे। उनकी मौत शनिवार सुबह 7 बजे हो गई। महेंद्रपाल की मौत के बाद उनके अंतिम संस्कार की तैयारी की गई। अंतिम संस्कार पर ले जाने से पहले कुछ अंतिम रस्में परिवार के लोग कर रहे थे। उसी दौरान उनकी माता शीला देवी ने उन रस्मों को निभाया। जैसे ही महेंद्र की अर्थी को उठाने लगे उसी समय शीला देवी ने भी प्राण त्याग दिए। परिजन शीला देवी की जांच करवाने के लिए अस्पताल भी लेकर गए लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कुख्यात कड़वा ने प्रॉपर्टी डीलर के घर में घुस मांगी फिरौती

जींद, एजेंसी। जींद में संगीन अपराधों में शामिल पुनीत उर्फ कड़वा ने प्रॉपर्टी डीलर से 20 लाख रुपये की फिरौती मांगी है। पैसे नहीं देने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। बता दें पुनीत उर्फ कड़वा पर हत्या, लूट, फिरौती के 17 मामले दर्ज हैं। पुलिस को दी शिकायत में मूल रूप से दालमवाला और वर्तमान में जींद के श्याम नगर में रहने वाले विकास ने बताया कि वह प्रॉपर्टी डीलर का छोटा-मोटा काम करता है। 20 मार्च की रात को साढ़े 10 बजे के करीब उसके गांव का ही पुनीत उर्फ कड़वा उसके घर आया। उसके साथ 5-7 लड़के थे। वह उसे नहीं जानता था, लेकिन आरोपी ने बताया कि वह पुनीत कड़वा है। कड़वा ने उसे पिस्तौल दिखाते हुए 20 लाख रुपए की फिरौती मांगी। आरोपी ने कहा कि 20 लाख रुपए दे दो नहीं तो तुझे और तेरे परिवार को जान से मार दूंगा। मामले में शहर थाना पुलिस ने पुनीत उर्फ कड़वा को नामजद कर अन्य के खिलाफ फिरौती मांगने, जान से मारने की धमकी देने, आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता विकास ने पुलिस से सुरक्षा की मांग की है।

मोदी सरकार की इस योजना से महिलाओं की होगी बल्ले-बल्ले

हिसार, एजेंसी। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 (पीएमएवाई-यू 2.0) के अंतर्गत 20 मार्च 2025 को केंद्रीय मंजूरी और निगरानी समिति (सीएसएमसी) की बैठक में 3.53 लाख से अधिक घरों के निर्माण के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 में शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए 2.67 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं। बता दें कि पीएम आवास योजना 2.0 के तहत लाभार्थियों को निर्माण में मदद और साझेदारी में किफायती आवास के अंतर्गत दस राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में इन आवासों के निर्माण को मंजूरी दी गई है। इसमें उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, बिहार, हरियाणा, अरुणाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, ओडिशा, पुडुचेरी, राजस्थान व तेलंगाना शामिल हैं। वहीं इस योजना के तहत अगले पांच साल में शहरी इलाके में एक करोड़ घर बनने हैं। इसके लिए 31 राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

पुलिस टीम ने मात्र 2 घंटे में गुमशुदा नाबालिग बच्चे को परिवार से मिलाया

यमुनानगर, एजेंसी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी सेवा सुरक्षा सहयोग के नारे को साकार करने में लगे हुए हैं। नियमित ड्यूटी से हटकर भी जिला पुलिस बेहतर काम कर रही है। पुलिस के प्रति जनता में विश्वास बढ़े, इसके लिए भी पुलिस 24 घंटे प्रयासरत हैं। जनता का सहयोग भी पुलिस का मनोबल बढ़ाता है। इसी कड़ी में कार्य करते हुए पुलिस चौकी फर्कपुर की पुलिस टीम ने 10 वर्षीय नाबालिग बच्चे को मात्र 2 घंटे में उसके परिवार से मिलाकर सराहनीय कार्य किया। चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ने बताया कि उनको सूचना मिली कि जवाहर नगर कॉलोनी के पास एक 10 वर्षीय नाबालिग बच्चा लावारिस हालत में घूम रहा है। यह बच्चा खेलते-खेलते रास्ता भटक कर अपने परिवार से बिछड़कर अपने घर से दूर आ गया था। जो पूछने पर कुछ भी नहीं बता रहा था।

लापता दुकानदार की हत्या में आया नया मोड़, बेटा बोला-पिता की बलि दी गई

खरखौदा, एजेंसी। लापता दुकानदार की हत्या के मामले में शनिवार को एक नया मोड़ आ गया। जब अंतिम संस्कार करने के बाद मृतक दुकानदार बालकिशन उर्फ बाले के बेटे गौरव ने पिता की बलि दिए जाने का आरोप लगाया है। गौरव का कहना है कि उसके पिता की धार्मिक स्थल के महंत राजकुमार तिवारी से कोई मेल जोल नहीं था, वह खुद उसे नहीं जानते हैं। ऐसे में उसके पिता की बलि गई है। पुलिस ने आरोपित की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की हैं।

बृहस्पतिवार की दोपहर तीन बजे शहर के वार्ड पांच के रहने वाले 67 वर्षीय दुकानदार बालकिशन उर्फ बाले घर से स्कूटी पर निकलने के बाद संदिग्ध हालत में लापता हो गए थे।

शुक्रवार को उनका शव गोपालपुर मार्ग पर स्थित बाबा केसरमल बावरी धार्मिक स्थल पर मिला था। बालकिशन के सिर पर ईंट से वार किए गए थे वहीं गले को भी भी चाकू से काटा गया था। जिसके बाद मृतक के ऊपर लाल चुनरी भी रखी हुई थी।

मृतक दुकानदार के शव का पोस्टमार्टम करवाए जाने के बाद पुलिस ने शव स्वजन के हवाले कर दिया। इसके बाद दुकानदार बालकिशन के अंतिम संस्कार के दौरान बड़े बेटे गौरव द्वारा चिता को मुखाग्नि देने के बाद कहा कि उसके पिता की बलि दी गई है।

धार्मिक स्थल पर रहने वाले राजकुमार तिवारी के साथ उसके पिता की पहले से कोई जान पहचान नहीं थी। वह खुद भी उसे नहीं जानते हैं, ऐसे में उसके पिता के साथ कैसे वारदात को अंजाम दिया गया उन्हें इसका नहीं पता, लेकिन उसके पिता के साथ वारदात को अंजाम देने के बाद लाल चुनरी ढ़की हुई थी।अभी तक मृतक की स्कूटी व मोबाइल भी नहीं मिल पाया है। पुलिस की तरफ से लगातार इनकी भी तलाश की जा रही है। पुलिस आसपास के जिलों में भी पुलिस को स्कूटी को लेकर सूचना देगी, ताकि उसका पता चल सके।

भठगांव में आरोपित नवीन ने कुलदीप के दुकान पर उसके साथ काम करने से मना करने की रंजिश में हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। वारदात के बाद कुलदीप के स्वजन ने उसे मौके पर ही पकड़ भी लिया था, लेकिन आरोपित का पिता और एक पड़ोसी उसे छुड़ा ले गए।

इसके बाद वह एक अन्य युवक के साथ बाइक पर बैठकर भाग निकला। पुलिस ने मृतक के पिता के बयान पर आरोपित नवीन, उसके पिता, पड़ोसी और अन्य के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

मृतक कुलदीप के पिता राज सिंह ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की शाम को वह अपने बेटे कुलदीप, पत्नी तारा, दूसरे बेटे की पत्नी ममता और पोते हार्दिक के साथ घर पर मौजूद थे। इसी दौरान भठगांव डुगरान का रहने वाला नवीन उनके घर आया।

उसने कहा कि कुलदीप उसके कहे अनुसान उसकी दुकान पर काम नहीं करता। जबकि उसका बेटा करीब दो महीने पहले नवीन की मनी ट्रांसफर की दुकान से काम छोड़ चुका था। कुलदीप ने कहा कि इसे समझा दो कि उसके कहे मुताबिक काम करें, वरना इसे जान से मार दूंगा।

8 महीने पहले व्यक्ति को उतारा था मौत के घाट, महिला, अब हुई गिरफ्तार, कुत्ते को लेकर हुआ था झगड़ा

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में लोहे के पाइप से 31 वर्षीय व्यक्ति को मौत के घाट उतारने वाली महिला को नवीन नगर चौकी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी महिला को शनिवार को 8 महीने बाद कानपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महिला को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

30 जून को रोशन निगर फरीदाबाद की रहने वाली रूकसाना ने पुलिस चौकी नवीन नगर (पल्ला थाना) को शिकायत दी थी, जिसमें रूकसाना ने बताया कि 29 जून की शाम को वह ड्युटी अपने घर पर पंहुची थी। जब वह सीढ़ियो से अपने कमरे की तरफ जा रही थी, तो उसके पड़ोसी भरत के कुत्ते ने उसके पैर को काट लिया।

इसको लेकर उसके पति मोहम्मद आजाद अंसारी और पड़ोसी भरत व उसकी पत्नी पिंकी का झगड़ा हो गया। झगड़े के दौरान पिंकी ने उसके पति के सिर पर लोहे के पाइप से कई वार कर चोट मार दी। रूकसाना ने बताया कि सर में चोट लगने के कारण उसके पति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद उसने पति मोहम्मद आजाद अंसारी को इलाज के लए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन 5 दिन बाद इलाज के दौरान उसके पति की मौत हो गई।

चलती कार बनी आग का गोला, बैटरी फटने से हुआ हादसा...बाल-बाल बचे कार सवार

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद शहर के तीन नंबर इलाके में आज बड़ा हादसा होते-होते टल गया। कार में अचानक बैटरी फटने से आग लग गई। कार पूरी तरह से आग का गोला बनकर धु-धु कर जलने लगी। जिससे कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। गनीमत रही कि कार में सवार लोग समय रहते बाहर निकल आए, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया।जानकारी के मुताबिक यह हादसा उस समय हुआ जब हरिओम और उनके परिजन अपनी पुरानी मारुति सुजुकी सैंट्रो कार से एक नंबर इलाके की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे तीन नंबर क्षेत्र के पास पहुंचे। कार के इंजन से तेज आवाज आई और तेज धुआं निकलने लगा। आनन-फानन में कार चला रहे दीपक ने कार रोकी और सभी लोग तुरंत बाहर निकल गए। कुछ ही सेकंड में कार के इंजन में आग भड़क गई और देखते ही देखते पूरी कार धु-धुकर आग की चपेट में आ गई। हरिओम ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी, जिसके बाद दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। कार सवार हरिओम ने बताया कि कार पुरानी जरूर थी, लेकिन अभी भी एक से डेढ़ साल तक ठीक से चलने की स्थिति में थी। अगर आग सिलेंडर तक पहुंचती तो एक बड़ा धमाका हो सकता था। लेकिन समय रहते सभी लोग बाहर निकल आए और फायर ब्रिगेड ने आग को काबू में कर लिया।

भिवानी में ईंट भट्ठे की दीवार गिरी, दो महिला मजदूरों की दबने के कारण हुई मौत

भिवानी, एजेंसी। गांव सांगा स्थित एक ईंट-भट्ठा की अचानक से दीवार गिरने के कारण दो महिला मजदूर दब गईं। हादसे में दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार दोपहर में जिला नागरिक अस्पताल में शवों का पोस्टमार्टम करवाया।

पुलिस ने फिलहाल इस संबंध में मृतकों के स्वजन के बयान पर इत्तफाकिया मौत मामले की कार्रवाई की है। मामला शनिवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे का है। पुलिस को दिए बयान में बिहार के मकसूदपुर निवासी फुलेसबर ने बताया कि वह परिवार सहित गांव सांगा के ईंट-भट्टे पर मजदूरी करता है। उनके साथ बिहार के मुजफ्फरपुर जिला के राजपुरा बाली निवासी 44 वर्षीय सुबता भी मजदूरी करती थी।शनिवार सुबह वह वह ईंट-भट्ठा पर काम कर रहा था। वहां उसकी पत्नी 40 वर्षीय सुनैना देवी और दूसरी महिला मजदूर सुबता चाय लेकर गई। भट्ठे पर करीब 50 मजदूर काम कर रहे थे। उसकी पत्नी और सुबता चिमनी के पास ही बनी दीवार के पास छांव में बैठ गई। अचानक ही दीवार उन पर गिर गई।

मजदूरों की मदद से उन्हें दीवार के नीचे से निकाल उपचार के लिए जिला नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस से जांच अधिकारी मुख्य सिपाही कृष्ण कुमार जिला नागरिक अस्पताल पहुंचे। जहां मृतकों के स्वजन के बयान पर इत्तफाकिया मौत मामले की कार्रवाई की है। मृतकों के स्वजन ने प्रशासन से आर्थिक मदद के रूप में मुआवजा देने की मांग की।

मारपीट में घायल युवक की अस्पताल में मौत, क्रिकेट मैच के दौरान हुआ था झगड़ा

फरीदाबाद, एजेंसी। थाना पल्ला क्षेत्र के अगवानपुर चौक पर क्रिकेट खेलने के दौरान हुए विवाद में मारपीट के बाद घायल हुए युवक की मौत हो गई। युवक से एक माह पहले मारपीट की गई थी। जब से वह अस्पताल में भर्ती था। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपितों की तलाश जारी है। मृतक युवक का नाम आकाश है।

पल्ला क्षेत्र में रहने वाले सुभाष ने पुलिस को दी शिकायत में कहा था कि उनका बेटा निजी फैक्ट्री में नौकरी करता था। 18 फरवरी को वह अपने दोस्तों के साथ शाम के समय अगवानपुर चौक पर दुर्गा बिल्डर के पास क्रिकेट खेल रहा था।

क्रिकेट खेलने के दौरान एक व्यक्ति को गेंद लग गई। जिसके बाद विवाद हो गया। आसपास के लोगों ने बीच-बचाव करवाकर मामला सलझा दिया।

इसके कुछ देर वहीं युवक करीब सात से आठ लोगों को अपने साथ लेकर आया। उन्होंने आकाश को पीटना शुरू कर दिया। आकाश के साथ क्रिकेट खेल रहे यवुक वहां से भाग गए। आरोपितों ने आकाश को लाठी-डंडे और हॉकी से मारा। इसके बाद वह पीड़ित को वही पर छोड़कर चले गए।

सूचना मिलने पर पहुंचे स्वजन ने आकाश को इलाज के लिए पहले बादशाह खान नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उसको सफदरजंग भेज दिया गया, लेकिन वहां पर उचित इलाज नहीं मिलने पर स्वजन ने उसको एनआइटी-तीन स्थित ईएसआइसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती करा दिया। जहां एक महीने से अधिक दिनों तक चले इलाज में आकाश ने शनिवार सुबह ही दम तोड़ दिया।

स्वजन का कहना है कि पुलिस को इस मामले में हत्या की धारा जोड़कर कार्रवाई करनी चाहिए। पल्ला थाना प्रभारी रणवीर के अनुसार इस मामले में दो मीठापुर के रहने वाले कपिल और सूरज को गिरफ्तार किया था।

दोनों आरोपित कोर्ट से जमानत लेकर आ गए। अब इस मामले में हत्या की धारा भी जोड़ दी गई थी। दोनों आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस कोर्ट में एप्लीकेशन लगाएगी। इसके बाद दोनों आरोपितों को फिर से गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

उधर, एक अन्य मामले में नवीन नगर पुलिस चौकी टीम ने हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपित को गिरफ्तार किया है। रोशन नगर में रहने वाली रुकशाना ने 30 जून 2024 को पुलिस में शिकायत देकर कहा कि शाम के समय जब वह ड्यूटी से वापस आ रही थी तो पड़ोस में रहने वाले भरत के कुत्ते ने उनका पैर काट लिया। इस दौरान वह जोर से चिल्लाई।

रुकशाना के चिल्लाने पर शिकायतकर्ता का पति और पड़ोसी भरत अपनी पत्नी पिंकी के साथ बाहर आ गया। पति मोहम्मद आजाद अंसारी ने भरत से कुत्ते को लेकर विरोध जताया तो उसने अपनी पत्नी के साथ मिलकर रुकसाना के पति को पीटना शुरू कर दिया।

भरत ने आजाद के दोनों हाथ पकड़े और पिंकी ने उसके सिर पर लोहे का पाइप मारा। जिससे वह बेहोश होकर गिर गया। आजाद को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के पांच दिन बाद रुकशाना के पति की मौत हो गई।

बिना विपक्ष के नेता का रिकॉर्ड बना दिया, डिप्टी स्पीकर मिड्ढा ने कांग्रेस पर कसा तंज

रोहतक, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा है कि विधानसभा सत्र के दौरान सभी विधायकों को अपनी बात रखने का पर्याप्त समय दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने आजादी के बाद जहां लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का रिकॉर्ड कायम किया है। वही कांग्रेस ने भी बिना विपक्ष के नेता का रिकॉर्ड बना दिया है। उन्होंने कहा कि बजट सत्र के दौरान भी कांग्रेस अपना नेता नहीं बना पाई।

डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से मुद्दाहीन हो चुकी है। भाजपा की सरकार में तेजी से विकास कार्य किया जा रहे हैं। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर शनिवार शाम को किला मोहल्ला में आयोजित 78वें वार्षिक महान यज्ञ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे।

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए डॉ. कृष्ण लाल ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बिना किसी भेदभाव के पूरे प्रदेश में विकास कार्य करवा रहे हैं। मुख्यमंत्री सैनी जनहित से जुड़े किसी भी मुद्दे पर अपनी स्वीकृति देने में देर नहीं लगाते भले ही ऐसा मुद्दा विपक्षी दल के विधायक की ओर से उठाया गया हो। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के स्पष्ट निर्देश है कि अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बजट सत्र के दौरान हर शहर में एक पुराने बाजार को 'स्मार्ट बाजार' और एक पुरानी गली को 'स्मार्ट गली' के तौर पर कायाकल्प करने को लेकर भी अपनी मुहर लगाई है।हरियाणा में बजट घोषणाओं को प्रदेश सरकार छह महीने के अंदर पूरा करेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों से कहा कि योजना बनाकर तय समय सीमा में तेज गति से कार्य करते हुए शत प्रतिशत योजनाओं को धरातल पर लेकर जाना है।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को वर्ष 2025-26 के बजट प्रस्तावों की विभागानुसार रूपरेखा को लेकर प्रशासनिक सचिवों के साथ बैठक में कहा कि छह महीनों में सभी जिला नागरिक अस्पतालों में सभी सुविधाएं पूरी होनी चाहिए।

कुंडली बॉर्डर खुला, एक साल बाद फर्राटा भर रहे वाहन; दिल्ली से पानीपत जाने वालों को बड़ी राहत

सोनीपत, एजेंसी। एक साल बाद कुंडली बॉर्डर खोल दिया गया है। इससे दिल्ली से पानीपत जाने वाले वाहन चालकों को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली से पानीपत जाने वाली सभी लेन खुलने के बाद आज से वाहन फर्राटा भर रहे हैं।वहीं, पानीपत से दिल्ली की एक लेन में कुछ मलबा बचा है, इसे भी दोपहर तक खाली कर हाईवे को खोल दिया जाएगा। कहीं-कहीं जर्जर हिस्से पर पैच लगाए जा रहे हैं।

पानीपत से दिल्ली जाने वाली एक लेन से मलबे की सफाई कराई गई है। अब दोनों फ्लाईओवरों को पूरी तरह से खोल दिया गया है और यातायात सुचारु रूप से गुजर रहा है। एक साल से हाईवे सिर्फ एक-एक लेन ही खुली थी, इससे रोजाना वाहन चालकों को जाम में फंसना पड़ता था।

दुकानदार, कारोबारी और उद्योगपतियों के साथ दैनिक नौकरीपेशा करने वाले लोग कई बार हाईवे खोलने की मांग उठा चुके थे। बता दें कि शंभू बॉर्डर खोले जाने के बाद अब कुंडली बार्डर पर हाईवे को पूरी तरह से खोल दिया है।

एनएच-44 पर कुंडली बॉर्डर पर हाईवे रविवार दोपहर को पूरी तरह से खुल गया है। शनिवार शाम तक दिल्ली से पानीपत जाने वाली सड़क की दोनों लेन से कंक्रीट के बैरिकेड्स को तोड़कर पूरी तरह से साफ किया जा चुका था। इस सड़क की सफाई की जा रही थी।

कुंडली बॉर्डर खुलने से हाईवे से गुजरने वाले करीब दो लाख वाहनों को जाम से राहत मिल जाएगी। नेशनल हाईवे-44 पर कुंडली में किसान आंदोलन के चलते पिछले एक साल से कंक्रीट के बैरिकेड्स लगे हुए थे। दो दिन में दिल्ली फ्लाईओवर पर सीमेंट बैरिकेड्स, पत्थर व लोहे के अवरोधकों को हटाने का कार्य तेजी किया गया।

माटी कला बोर्ड के चेयरमैन ईश्वर सिंह मालवाल की सड़क दुर्घटना में मौत

महम, एजेंसी। लाखन माजरा ब्लॉक के गांव बैंसी में शनिवार शाम करीब 4 बजे एक पेट्रोल पंप के पास ट्रक और कार की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में कार चालक हरियाणा में माटी कला बोर्ड के चेयरमैन ईश्वर सिंह मालवाल की मौत हो गई। चेयरमैन मालवाल गोहाना से महम की ओर आ रहे थे। अपने गनमैन और ड्राइवर के अवकाश पर होने के कारण चेयरमैन ईश्वर सिंह अपनी गाड़ी स्वयं ही चला रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसा इतना भयंकर था कि महम से गोहाना की ओर जा रहा तेज रफ्तार ट्रक ने कार को सामने से टक्कर मार दी। इससे कार का बोनट अंदर की ओर धंस गया। कार चला रहे ईश्वर सिंह को कार से निकलने का मौका ही नहीं मिल सका और वे कार के स्टियरिंग में ही फंस गया।

इसके बाद ट्रक इस कार को करीब 100 मीटर की दूरी तक घसीट कर ले गया। इससे कार उछलकर सड़क के साथ लगते गेहूं के खेतों में जा गिरी। चेयरमैन की मौके पर ही मौत हो गई। कार भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की जानकारी लाखनमाजरा पुलिस को लगी।

पुलिस मौके पर पहुंची और ईश्वर सिंह के मौके पर छानबीन करने के बाद शव को पीजीआई भेज दिया गया। यहां पर स्वजन भी पहुंचे। हादसे की सूचना मिलते ही शनिवार देर शाम हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य मंत्री रणबीर सिंह गंगवा पीजीआई के शव गृह में पहुंचे और ढांढस बंधाया। एसएचओ लाखनमाजरा पुलिस थाना एसएचओ ने बताया कि इस हादसे में एक ही व्यक्ति की जान गई है। पुलिस जांच में लगी हुई है। हादसे के कारणों का पता अभी नहीं चल पाया है। जल्द ही ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष ईश्वर सिंह मालवाल (55) 2019 में कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए थे। अप्रैल 2023 में उनको अध्यक्ष की कुर्सी मिली थी। मिलनसार होने के साथ ही उनका लोगों से जुड़ाव रहा। ढाणी खानबहादुर उनका पैतृक गांव है। वे 32 साल से हिसार में रह रहे थे। उनका गांव में आना जाना था। शनिवार शाम को मालवाल की मौत का समाचार जैसे ही गांव में पहुंचा तो शोक की लहर दौड़ गई।

उनका अंतिम संस्कार आज सुबह 11 बजे गांव में किया जाएगा। जानकारी के अनुसार ईश्वर मालवाल कांग्रेस के पूर्व विधायक रामनिवास घोड़ला के साथ रहते थे। कांग्रेस में करीब दस साल रहने के बाद 2019 में वह भाजपा में शामिल हुए। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा उनको भाजपा में लाए थे।

उसके बाद वह भाजपा में काम करते रहे और इस बार हुए विधानसभा चुनाव में गंगवा के साथ बरवाला सीट जीतने में उनकी अहम भूमिका भी रही। ईश्वर मालवाल ने अपने गांव में खुद का कार्यालय बनवाया था। वे सप्ताह में आते-जाते रहते थे। चुनाव से पहले इस कार्यालय का उद्घाटन वर्तमान कैबिनेट में मंत्री रणबीर गंगवा ने किया था।

संपादकीय

मणिपुर में टकराव के नए कारक हो रहे पैदा

मणिपुर पहले ही जातीय टकराव और हिंसा के दौर में झुलस रहा है और अब तक वहां शांति के लिए की गई तमाम कवायदों का कोई ठोस हासिल सामने नहीं आया है। करीब पौने दो वर्ष पहले वहां शुरू हुई हिंसा और उसके बाद अराजकता का माहौल आज भी कमोबेश जारी है और उसके हल का रास्ता सरकार नहीं निकाल सकी है। मणिपुर में लगातार जारी अशांति के मुख्य कारणों को संबोधित करके जहां उसका कोई समाधान निकालने के लिए सभी स्तरों पर हर संभव उपाय किए जाने चाहिए थे, वहां हालत यह है कि अब राज्य में टकराव के नए कारक पैदा हो रहे हैं, नए क्षेत्रों में हिंसा का विस्तार हो रहा है और उससे हालात और ज्यादा बिगड़ने की आशंका खड़ी हो रही है।सवाल है कि केंद्र से लेकर राज्य तक का समूचा सरकारी तंत्र वहां के ज्यादातर इलाकों में पसरी अराजकता की स्थिति को संभालने और शांति कायम करने के प्रयासों में किन वजहों से नाकाम साबित हुआ है। इसका कारण सिर्फ हालात की जटिलता है या समस्या का हल निकालने के प्रति दूरदर्शिता की कमी और उदासीनता आखिर क्या वजह है कि मणिपुर में मैतेई और कुकी-जो के अलावा दूसरी जनजातियां भी अलग मुद्दों पर आमने-सामने खड़ी हो रही हैंगौरतलब है कि राज्य के अशांत चूड़ाचांदपुर जिले में कुछ दिन पहले हमार समुदाय के एक नेता पर हमला होने के बाद जोमी समुदाय के साथ हमार समुदाय के लोगों की झड़पें शुरू हो गई थीं। हालांकि इसके बाद हमार और जोमी समुदायों के शीर्ष निकायों ने पहल की और उसके बाद दोनों पक्षों के बीच शांति के लिए समझौता हुआ। मगर यह अफसोसनाक है कि उस समझौते पर कुछ देर अमल करना भी जरूरी नहीं समझा गया और दोनों समुदायों के बीच फिर हिंसा होने लगीं, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई।इस बीच जिले के उच्च अधिकारियों और खुद कुकी-जो समुदाय के विधायकों ने शांति के लिए अपील की। मगर इन सबका कोई असर नहीं पड़ा। सवाल है कि हिंसक टकराव में शामिल दोनों पक्षों के बरक्स सरकारी तंत्र को क्या इस बात की आशंका नहीं थी कि वहां जैसा माहौल अभी बना हुआ है, उसमें एक मामूली-सी चिंगारी भी फिर से हिंसा की आग को भड़का दे सकती हैहिंसा और अराजकता को पूरी तरह रोकने और खत्म करने के प्रति सरकार की उदासीनता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक छोटे राज्य में हिंसा की शुरूआत के अब दो वर्ष होने जा रहे हैं और आज भी मुख्य समस्या के हल का कोई रास्ता सामने नजर नहीं आ रहा है। निश्चित रूप से यह स्थिति टकराव और हिंसा में शामिल समुदायों के बीच असंतोष के कायम रहने का नतीजा है, लेकिन समस्या का हल निकालने से लेकर हिंसा पर काबू पाने के सभी अधिकार हाथ में होने के बावजूद सरकार और उसका समूचा तंत्र इस मसले पर किन वजहों से पूरी तरह नाकाम दिखता हैमणिपुर में अब राष्ट्रपति शासन लागू है। मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के मसले पर मैतेई और कुकी समुदायों के बीच शुरू हुई हिंसा पर केंद्र और राज्य सरकार की ओर से उठाए गए तमाम प्रयासों और दावों के बावजूद अब तक पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है। अब अलग मुद्दों के साथ नए समुदायों के बीच जिस तरह का टकराव खड़ा हो रहा है, अगर समय रहते उसे थामने के लिए ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम नहीं किया गया तो इसके नतीजों का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है।

जब हम लोग जियोग्राफी और हिस्ट्री की पढ़ाई करते थे। वर्ल्ड ट्रेड के शुरुआती सबक सिखते थे तब स्वेज नहर के बारे में सुनते थे। इससे जुड़ी क्राइसिस के बारे में सुनते थे। 32 किलोमीटर के उस संकड़े रास्ते के बारे में सुनते थे जिस पर कोई आफत आती थी तो एशिया, अफ्रीका और यूरोप के बीच व्यापार की लागत बढ़ जाती थी। भारत की बात करें तो हमारा 20 से 25 प्रतिशत का वैश्विक व्यापार यही से होकर गुजरता है। भारत के लिए ये रास्ता उसका एनर्जी कॉरिडोर भी है। यही से उसका 60 से 65 प्रतिशत क्रूड आयल इंपोर्ट होता है। ये स्वेज कनाल जिस रेड सी को मेडिटेरेनियन सी से कनेक्ट करता है उस रेड सी की क्राइसिल से दुनिया हूतियों के हमलों से कई बार रूबरू हो चुकी है।

छोड़ आए हम वो गलियां...8 देशों के साथ मिलकर मोदी अब क्या ऐसा करने जा रहे हैं

(अभिनय आकाश)

वर्तमान समय में भारत और दुनिया के लिए स्वेज कनाल को बायपास कर एक इकोनॉमिकली सस्ते रास्ते को डेवलप करना सबसे बड़ी जरूरत है और इसी जरूरत को पूरा करने के लिए आज से दो साल पहले भारत सहित आठ देशों ने इंडिया मीडिल ईस्ट इकोनॉमिक कॉरिडोर को डेवलप करने का ऐलान किया।

जब हम लोग जियोग्राफी और हिस्ट्री की पढ़ाई करते थे। वर्ल्ड ट्रेड के शुरुआती सबक सिखते थे तब स्वेज नहर के बारे में सुनते थे। इससे जुड़ी क्राइसिस के बारे में सुनते थे। 32 किलोमीटर के उस संकड़े रास्ते के बारे में सुनते थे जिस पर कोई आफत आती थी तो एशिया, अफ्रीका और यूरोप के बीच व्यापार की लागत बढ़ जाती थी। भारत की बात करें तो हमारा 20 से 25 प्रतिशत का वैश्विक व्यापार यही से होकर गुजरता है। भारत के लिए ये रास्ता उसका एनर्जी कॉरिडोर भी है। यही से उसका 60 से 65 प्रतिशत क्रूड आयल इंपोर्ट होता है। ये स्वेज कनाल जिस रेड सी को मेडिटेरेनियन सी से कनेक्ट करता है उस रेड सी की क्राइसिल से दुनिया हूतियों के हमलों से कई बार रूबरू हो चुकी है। इस वजह से इस रूट से गुजरने वाले सभी शिपमेंट को घूमकर साउथ अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप से होकर यूरोप तक जाना पड़ता है। जिस वजह से हर राउंड में एक मिलियन का एक्सट्रा फ्यूल खपत होता है व शिपमेंट की डिलीवरी में भी देरी हो जाती है। वर्तमान समय में भारत और दुनिया के लिए स्वेज कनाल को बायपास कर एक इकोनॉमिकली सस्ते रास्ते को डेवलप करना सबसे बड़ी जरूरत है और इसी जरूरत को पूरा करने के लिए आज से दो साल पहले भारत सहित आठ देशों ने इंडिया मीडिल ईस्ट इकोनॉमिक कॉरिडोर को डेवलप करने का ऐलान किया।

ट्रंप ने बताया इतिहास का सबसे महान व्यापार मार्ग – भारत का वो हथियार जिसे चीन का मुकाबला करने के लिए साल 2023 में जी20 की प्रेसिडेंसी के दौरान शुरू किया गया था। सितंबर 2023 में नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) की योजना का अनावरण किया था। सऊदी अरब, यूरोपीय संघ, भारत, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), फ्रांस, जर्मनी, इटली और संयुक्त राज्य अमेरिका ने परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताते हुए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस परियोजना को चीन की विशाल बेल्ट एंड रोड पहल के लिए एक रणनीतिक प्रतिकार के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फरवरी में नरेंद्र मोदी की वाशिंगटन यात्रा के दौरान आईएमईसी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई थी, और इसे इतिहास का सबसे महान व्यापार मार्ग कहा था। लेकिन इजरायल और हमास की युद्ध की शुरुआत के बाद से ही भारत का ये हथियार थोड़ा सा कमजोर पड़ गया। यानी इस पर काम आगे नहीं बढ़ पाया। ऐसे में आइए जानते हैं कि आईएईसी क्या है और किस तरह से इस कॉरिडोर के माध्यम से हम चीन को काउंटर कर सकते हैं।

आईएमईसी कॉरिडोर क्या है – भारत, सऊदी अरब, यूरोपीय संघ, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), फ्रांस, जर्मनी, इटली और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रस्तावित आईएमईसी रेलमार्ग, जहाज से रेल (सड़क और समुद्र) और सड़क परिवहन मार्गों का एक नेटवर्क है जो दो गलियारों में फैला हुआ है, यानी पूर्वी गलियारा - भारत को खाड़ी से जोड़ता है और उत्तरी गलियारा - खाड़ी को यूरोप से जोड़ता है। प्रस्ताव के अनुसार, आईएमईसी भारत से संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, जॉर्डन, इजरायल और यूरोप तक तथा वापस वस्तुओं और सेवाओं के परिवहन को सक्षम बनाएगा। इसमें शामिल नेताओं ने कहा कि एक बार पूरा हो जाने पर इससे कार्यकुशलता में सुधार आएगा, लागत में कमी आएगी, आर्थिक एकता बढ़ेगी, रोजगार सृजन होगा तथा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी। जैसा कि विदेश मामलों के विशेषज्ञ रोबिंदर सचदेव ने साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट को बताया, एक बार बन जाने के बाद, आईएमईसी परिवहन समय में 40 प्रतिशत तक की कमी लाएगा, जिससे भारत को यूरोपीय बाजारों तक अधिक लागत-प्रभावी पहुंच मिलेगी। नई दिल्ली में त20 शिखर सम्मेलन में घोषणा किए जाने पर, पीएम मोदी ने आईएमईसी को सहयोग, नवाचार और साझा प्रगति का प्रतीक कहा। इस बीच, तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने इसे वास्तव में बड़ी बात करार दिया।

ग्लोबल पॉलिटिक्स का भी है अहम रोल – यह गलियारा सिर्फ़ आर्थिक एकीकरण या जैसा कि कुछ विशेषज्ञ भू-अर्थशास्त्र के बारे में कहते हैं, के बारे में नहीं है। इसके व्यापक भू-राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। कई लोगों का मानना है कि आईएमईसी चीन की बेल्ट एंड रोड को काउंटर करने का एक हथियार है क्योंकि खाड़ी और पश्चिम एशिया में बीजिंग का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार आईएमईसी परियोजना को चीन की बीआरआई के विकल्प के रूप में देखा जा सकता है, जिसका नेतृत्व भारत और अमेरिका कर रहे हैं। जानकार बताते हैं कि यह योजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का एक महत्वपूर्ण जवाब हो सकती है। अगर इसे अंतिम रूप दिया जाता है, तो यह एक गेम चेंजर साबित होगा जो भारत और पश्चिम एशिया के बीच संपर्क को मजबूत करेगा और इसका उद्देश्य बीआरआई का मुकाबला करना होगा।

कहां फंस रहा है पेंच –हालाँकि, आईएमईसी के कई फ़ायदों के बावजूद, ऐसी चुनौतियाँ हैं जो इस गलियारे को हकीकत बनने से रोक सकती हैं। सबसे पहले, भू-राजनीतिक तनाव यानी इज़राइल-गाजा युद्ध आईएमईसी की प्रगति को धीमा कर सकता है। इज़राइल के लिए, गाजा में एक स्थायी समझौता निकट भविष्य में आईएमईसी से ऊपर एक नीतिगत प्राथमिकता बनी रहेगी। इससे सऊदी-इज़राइल सामान्यीकरण की संभावनाओं को नुकसान पहुँचेगा, जिसे कुछ लोग आईएमईसी के संचालन के लिए एक आवश्यक शर्त मानते हैं। एक तथ्य यह भी है कि चूंकि इजरायल गाजा पर बमबारी जारी रखे हुए है, इसलिए कई अरब देशों के लिए यहूदी राष्ट्र के साथ एक ही मेज पर बैठना मुश्किल हो जाएगा, क्षेत्रीय एकीकरण परियोजनाओं की योजना बनाना तो दूर की बात है। वित्तपोषण का मुद्दा भी है। वर्तमान में सऊदी अरब ने आईएमईसी के लिए 20 बिलियन डॉलर देने का वादा किया है। हालाँकि, यह 2027 तक परियोजना के लिए त7 द्वारा मांगे गए 600 बिलियन डॉलर का एक छोटा सा अंश है। इसके अलावा, किसी भी सदस्य देश के पास आईएमईसी के लिए कोई वित्तीय दायित्व नहीं है, जिससे वित्तपोषण का अधिकांश दृष्टिकोण अनिश्चित है। कई भू-राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ढ्ढस्श्चष्ट में मिस्र, ओमान और तुर्की जैसे क्षेत्रीय खिलाड़ियों की अनुपस्थिति समस्याजनक हो सकती है।

इन सब से भारत को क्या फायदा होगा – लेकिन कई मुद्दों के बावजूद, विश्लेषकों का मानना है कि आईएमईसी के चालू होने के बाद यह कई मायनों में भारत के लिए बहुत फ़ायदेमंद होगा। रोबिंदर सचदेव ने साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट को बताया कि आईएमईसी भारत की कनेक्टिविटी, आर्थिक अवसरों और वैश्विक स्थिति को बढ़ाता है, साथ ही जी7 और क्षेत्रीय खिलाड़ियों के साथ साझेदारी में चीन की [बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव] के लिए एक बहुपक्षीय प्रतिसंतुलन के रूप में भी काम करता है। इससे नई दिल्ली को पश्चिमी दुनिया, खास तौर पर यूरोप के साथ संबंधों को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी अप्रत्याशितता से विश्व व्यवस्था को बदल रहे हैं।

संघ विरोधियों को नरेन्द्र मोदी का उत्तर

(मृत्युंजय दीक्षित)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर केवल तुषार गांधी ही हमला नहीं कर रहे हैं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में पूरे इंडी गठबंधन के नेता किसी न किसी बहाने संघ पर हमलवार रहे है क्योंकि संघ निरंतर हिंदू समाज को एकरस करने के लिए कार्य कर रहा है जिससे इनकी जातिवादी- क्षेत्रवादी- भाषावादी और परिवारवादी राजनीति का भविष्य दांव पर लग गया है।

अपने जन्मकाल से ही अविचलित रूप से राष्ट्र सेवा करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अब अपनी शताब्दी तक पहुंच गया है। माँ भारती और हिन्दू समाज की इस अहर्निश सेवा यात्रा में संघ पर नियमित रूप से राजनैतिक हमले भी होते रहे किन्तु संघ न डरा न डिगा वरन सतत संकल्पवान होकर भारत माँ की सेवा में तत्पर रहा। संभवतः संघ का यह निष्कंप समर्पण ही उसके विरोधियों को भयग्रस्त करता है और उन्हें तर्कहीन बातें कहने को बाध्य करता है।

संघ पर हमले का एक उदहारण महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी के बयान के रूप में सामने आया है। 12 मार्च 2025 को केरल के तिरुअनंतपुरम में गांधीवादी नेता पी गोपीनाथन नायर की प्रतिमा का अनावरण करते हुए तुषार गांधी ने कहा, राष्ट्र की आत्मा कैंसर से पीड़ित है और संघ परिवार इसे फैला रहा है। यही नहीं उन्होंने भाजपा और संघ को केरल में प्रवेश करने वाला एक कपटी शत्रु बताया। तुषार ने संघ को जहर भी कहा। इस वक्तव्य के बाद से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के कार्यकर्ता केरल में तुषार गांधी से मांफी मांगने व उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके प्रति उत्तर में तुषार गांधी ने कहा कि वह अपनी बातों से पीछे हटने या उनके लिए माफी मांगने में विश्वास नहीं करते। वह संघ के प्रति नफरत से इस सीमा तक भरे हुए हैं कि कहते हैं कि अब हमारा एक साझा दुश्मन है और वह है संघ। भाजपा ने तुषार गांधी पर पलटवार करते हुए कहा कि तुषार गांधी कई वर्षां से महात्मा गांधी के नाम को आर्थिक लाभ के लिए भुनाने का प्रयास कर रहे हैं।

आज महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी संघ को कैंसर बता रहे जबकि स्वयं महात्मा गांधी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर में गये थे और अपने अनुभव साझा करते हुए लिखा था कि, कुछ वर्ष पहले जब संघ के संस्थापक जीवित थे आपके शिविर में गया था। वहां पर आपके अनुशासन, अस्पृश्यता का पूर्णरूप से अभाव और कठोर सादगीपूर्ण जीवन देखकर काफी प्रभावित हुआ। सेवा और स्वार्थ त्याग के उच्च आदर्श से प्रेरित कोई भी संगठन दिन प्रतिदिन अधिक शक्तिवान हुए बिना नही रहेगा।

किन्तु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर केवल तुषार गांधी ही हमला नहीं कर रहे हैं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में पूरे इंडी गठबंधन के नेता किसी न किसी बहाने संघ पर हमलवार रहे है क्योंकि संघ निरंतर हिंदू समाज को एकरस करने के लिए कार्य कर रहा है जिससे इनकी जातिवादी- क्षेत्रवादी- भाषावादी और परिवारवादी राजनीति का भविष्य दांव पर लग गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के पूरे प्रपंच को एक बार में ही ध्वस्त कर दिया है और पूरे विश्व को संघ शक्ति का परिचय दे दिया है। अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन को दिये एक लंबे साक्षात्कार में संघ के समर्पित स्वयंसेवक नरेन्द्र मोदी ने संघ के विरोधियों का मुंह बंद करते हुए संघ के विरुद्ध जो नफरत भरा वातावरण तैयार किया जा रहा था उसे ध्वस्त करने का सार्थक प्रयास किया है। प्रधानमंत्री मोदी का यह पॉडकास्ट पूरी दुनिया में चर्चा का केंद्र बिंदु बन चुका है। इस पॉडकास्ट को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपने निजी सोशल मीडिया अकाउंट पर भी साझा किया है जिसे करोड़ों लोग देख रहे हैं। पॉडकास्ट हिंदी तथा अंग्रेजी सहित कई प्रमुख भाषाओं में सुना जा सकता है।

पॉडकास्ट में संघ से उनके संबंधों को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में प्रधानमंत्री जी ने अपने बचपन को स्मरण करते हुए संघ के विषय में बात की। वो कैसे शाखा में गए, उन्होंने क्या देखा, किस बात ने उनको प्रभावित किया इत्यादि। इसके बाद उन्होंने कहा कि संघ एक बहुत बड़ा संगठन है। अब संघ 100 वर्ष का है। दुनिया में इतना बड़ा कोई और ,संगठन होगा मैंने नहीं सुना है। करोड़ों लोग उसके साथ जुड़े हैं। संघ को समझना इतना सरल नहीं हैं। संघ के काम को समझने का प्रयास करना चाहिए।

नफरत, असमानता एवं नस्लीय भेदभाव से लड़ें

(ललित गर्ग)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत में नस्लीय भेदभावमुक्त समाज को निर्मित करने के लिये प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार चाहती है कि नस्लवाद किसी भी स्थिति में और अवश्य ही समाप्त होना चाहिए। और हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हर नस्ल, जाति, रंग, लिंग, पंथ में रुचि रखने वाले लोग एक-दूसरे से सुरक्षित और आपस में संबंधित है, जिससे कि हमारा आने वाला कल सौहार्दपूर्ण तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाला हो।

किसी व्यक्ति के साथ उसकी त्वचा के रंग, नस्ल, जातीय मूल या जन्म के देश के आधार पर भेदभाव करना नस्लीय भेदभाव कहलाता है। नस्लीय भेदभाव के ज़रिए लोगों को समान अवसरों से वंचित किया जाता है या उनका अपमान किया जाता है।

नस्लवाद मानवता के माथे पर एक बदनुमा दाग है, यह सिर्फ़ उन लोगों के जीवन को ही नुकसान नहीं पहुंचाता जो इसे झेलते हैं, बल्कि पूरे समाज को भी नुकसान पहुंचाता है। हम सभी भेदभाव, विभाजन, अविश्वास, असहिष्णुता, घृणा और नफ़रत से भरे समाज में जीतते नहीं, बल्कि हारते हैं। नस्लवाद के खिलाफ़ लड़ाई हर किसी की लड़ाई है। नस्लवाद से परे एक दुनिया बनाने में हम सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी उद्देश्य से जनजागृति का माहौल बनाने के लिये प्रतिवर्ष 21 मार्च को विश्व स्तर पर नस्लवाद के खिलाफ़ उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाते हैं और दक्षिण अफ्रीका में 1960 के शार्पविले नरसंहार के पीड़ितों को याद करते हैं। हम उन लोगों की आवाज़ एवं दर्द सुनते हैं जो नस्लवाद के खिलाफ़ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों में शामिल थे। यह दिवस नस्लीय भेदभाव को खत्म करने और समानता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और नस्लवादी विचारों और प्रथाओं के खिलाफ चल रही लड़ाई को रेखांकित करता है, ताकि नस्लीय अलगाव से मुक्त वैश्विक समझ और एकता को बढ़ावा देते हुए नस्लमुक्त आदर्श एवं समानतामूलक दुनिया का निर्माण किया जा सके।

किसी व्यक्ति के साथ उसकी त्वचा के रंग, नस्ल, जातीय मूल या जन्म के देश के आधार पर भेदभाव करना नस्लीय भेदभाव कहलाता है। नस्लीय भेदभाव के ज़रिए लोगों को समान अवसरों से वंचित किया जाता है या उनका अपमान किया जाता है। नस्लवाद, विदेशी लोगों के प्रति घृणा और उससे संबंधित भेदभाव और असहिष्णुता सभी समाजों में, हर जगह मौजूद हैं। 21 दिसंबर, 1965 को, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने संकल्प 2106 (एक्सएक्स) के माध्यम से सभी प्रकार के नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को अपनाया, जो नस्लवाद को मिटाने के वैश्विक प्रयास में एक महत्वपूर्ण कदम था। इस वर्ष सभी प्रकार के नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की 60वीं वर्षगांठ है। संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संधियों में से पहली के रूप में, नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ने भविष्य के मानवाधिकारों की उन्नति के लिए मंच तैयार किया। 60वीं वर्षगांठ नस्लीय भेदभाव के खिलाफ की गई प्रगति पर चिंतन करने और मौजूदा चुनौतियों पर प्रकाश डालने का आह्वान करती है। यह समानता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने और नस्लवाद को खत्म करने के प्रयासों को जारी रखने का समय है, ताकि सभी व्यक्तियों, समाजों के लिए समान व्यवहार एवं समानतामूलक विश्व की संरचना सुनिश्चित हो सके।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत में नस्लीय भेदभावमुक्त समाज को निर्मित करने के लिये प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार चाहती है कि नस्लवाद किसी भी स्थिति में और अवश्य ही समाप्त होना चाहिए। और हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हर नस्ल, जाति, रंग, लिंग, पंथ में रुचि रखने वाले लोग एक-दूसरे से सुरक्षित और आपस में संबंधित है, जिससे कि हमारा आने वाला कल सौहार्दपूर्ण तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाला हो। बावजूद इसके पूर्वोत्तर राज्यों एवं अन्य समाजों में नस्लीय भेदभाव पसरा है। नस्ल प्रभावित लोगों के खिलाफ बढ़ रही आपराधिक घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। ये घटनाएं न सिर्फ राजधानी में इन राज्यों के लोगों के प्रति बढ़ती असहिष्णुता की स्थिति को दर्शाती हैं, बल्कि यहां कानून-व्यवस्था के हालात पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं। विगत एक वर्ष में दिल्ली में पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों के खिलाफ विभिन्न थानों में बड़ी संख्या में मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें जहां हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण जैसे गंभीर आपराधिक मामले बड़ी संख्या में हैं, वहीं महिलाओं के खिलाफ दुष्कर्म, दुष्कर्म के प्रयास, छेड़छाड़, फोन पर फब्तियां कसने व घूरने जैसी घटनाओं को लेकर दर्ज किए गए, मामलों की संख्या भी कम नहीं है। यही नहीं, दिल्ली पुलिस की साइबर सेल के पास सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर नस्लीय टिप्पणियां किए जाने संबंधी मामले भी आ रहे हैं। इस तरह तेजी से बढ़ती आपराधिक घटनाएं राजधानी में पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों में असुरक्षा का भाव पैदा कर रही हैं जो गंभीर चिंता का विषय है। ये स्थितियां भारत के नस्लीय भेदभाव के विरोध और अश्वेतों को समान अधिकार और प्रतिष्ठा दिए जाने की वकालत को भी धुंधलाती है। क्या कारण है कि देश के भीतर के सामाजिक विभाजन एवं नस्लीय भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने के बावजूद उसे मिटा नहीं रहे हैं। भले ही ऐसी वारदातें पुलिस की नजर में छोटी हों लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता एवं गौरवपूर्ण संस्कृति के लिये चिन्ताजनक है। तेजी से बढ़ता नस्लीय हिंसक दौर किसी एक प्रान्त का दर्द नहीं रहा। इसने हर भारतीय दिल एवं भारत की आत्मा को जख्मी बनाया है। अब इन हिंसक होती स्थितियों को रोकने के लिये प्रतीक्षा नहीं, प्रक्रिया आवश्यक है।

देश में कई विसंगतिपूर्ण एवं भेदभावपूर्ण धाराएं बलशाली हो रही हैं, जिन्होंने जोड़ने की जगह तोड़ने को महिमामंडित किया हैं, प्रेम, आपसी भाईचारे और सौहार्द की जगह नफरत, द्वेष एवं विघटन को हवा दी। शायद यही वजह है कि भारत में अब भी लोग हर तरह के वर्ग और समुदाय के साथ घुल-मिलकर रहना सीख नहीं पाए हैं। उनके अचेतन में बिठा दिए गए पूर्वाग्रह समय-समय पर खतरनाक ढंग से सामने आते रहते हैं। एक आधुनिक और सभ्य समाज का लक्षण यह है कि वह अलग-अलग धाराओं से आने वाले लोगों और विचारों को खुले मन से स्वीकारें। आज राजनेता अपने स्वार्थों की चादर ताने खड़े हैं अपने आपको तेज धूप से बचाने के लिये या सत्ता के करीब पहुंचने के लिये। सबके सामने एक ही अहम सवाल आ खड़ा है कि 'जो हम नहीं कर सकते वो तुम कैसे करोगे' लगता है इसी स्वार्थी सोच ने, आग्रही पकड़ ने, राजनीतिक स्वार्थ की मनोवृत्ति ने देश को इंसानों को नस्ल, भाषा, रंग, धर्म के भेदभावों की आग में झोंक रखा है।

इक्कीसवी सदी का आदमी हवा में उड़ने लगा है, चांद पर चहलकदमी करने लगा है, ग्रह-नक्षत्रों की दुनिया में झांकने लगा है, यंत्र मानव का निर्माण करने लगा है, अपनी अधिकांश समस्याओं का समाधान कम्प्यूटर-कृत्रिम बुद्धिमता (एआइ) से पाने लगा है, लेकिन इंसान इंसान के बीच के भेदभाव को मिटाने की दिशा में अभी भी यथोचित सफलता नहीं मिली है। यही कारण है कि नस्लीय, लैंगिक, जातीय, भाषायी भेदभाव खड़े हैं। नस्लीय भेदभाव एक गहरा मुद्दा बना हुआ है जो अल्पसंख्यक समूहों को प्रभावित करता है। रूढ़िवादिता, पूर्वाग्रह और प्रणालीगत नस्लवाद असमान अवसरों, संसाधनों तक सीमित पहुंच और शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में व्यापक असमानताओं का बड़ा कारण हैं। नस्लीय भेदभाव के दुष्परिणाम व्यक्तिगत अनुभवों से कहीं आगे तक फैले हुए हैं, जो पूरे समुदाय को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं।

बेल के कीट - रोग

बेल के ऐसे फल जो तोड़ते समय गिर जाते हैं, उन फलों की बाह्य त्वचा में हल्की फटन हो जाती है तथा ऐसे फल तेजी से सड़ने लगते हैं। ऐसे फलों के अंदर एस्परजिलस फंफूद विकसित होती है। तथा अंदर का गूदा अधिक मुलायम व तीक्ष्ण गंध वाला हो जाता है।

प्रमुख रोग-

बेल का केंकर – यह रोग जैन्थोमोनास बिल्वी नामक जीवाणु द्वारा होता है। प्रभावित भागों पर जलासिक्त धब्बे बन जाते हैं। जो बाद में आपस में मिलकर बड़े एवं भूरे रंग के हो जाते हैं। रोग की तीव्रता बढ़ने पर रोगग्रसित भाग का ऊतक नष्ट होकर पत्तियों पर छिद्र बन जाते है।

प्रबंधन

- रोग की रोकथाम हेतु निम्न प्रबंधन उपाय अपनायें।
- पौधे लगाने हेतु केंकर रहित नर्सरी से पौधों का चयन करें।
- केंकर प्रभावित भागों को मानसून से पूर्व कटाई–छटाई कर जला दें।
- तांब्रयुक्त जीवाणुनाशक जैसे– बोर्डो मिक्शचर इत्यादि का प्रयोग करें।
- स्ट्रेप्टोसाक्लिन (200 पीपीएम) को पानी में घोलकर छिड़काव करें आवश्यकतानुसार छिड़काव पुनः दोहरावें।

छोटे फलों का गिरना– यह रोग फ्यूजेरियम नामक फफूंद द्वारा होता है। इस रोग में बेल के छोटे–छोटे फल (5–8 सेमी) गिरने लगते हैं। इस रोग का संक्रमण सर्वप्रथम डंठल पर होता हैं। तथा छोटे–भूरे रंग के घेरे फल के ऊपरी हिस्से पर बनने लगते है। फल के डंठल व फल के मध्य संक्रमण होने से फल का डंठल से लगा भाग कमजोर हो जाता है जिससे डंठल फल का भार सहन नहीं कर पाते हैं और फल पूर्ण रुप से बढ़वार न लेकर समय से पूर्व ही गिर जाते हैं।

प्रबंधन–

- संक्रमित फलों को इकट्ठा कर जला दें।
- अब फल छोटे हो तब कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत का कम छिड़काव करें।
- **डाईबैक**– इस रोग का प्रकोप लेसियोडिप्लोडिया नामक फंफूद द्वारा होता है। इस रोग में रोगग्रसित टहनियां ऊपर से नीचे की तरफ सूखने लगती हैं। टहनियों व पत्तियों पर भूरे धब्बे दिखाई देते हैं। एवं रोग की तीव्रता बढ़ने से पौधे की पत्तियां गिरने लगती हैं।

प्रबंधन–

- **संक्रमित टहनियों की कटाई**– छंटाई कर इन्हें नष्ट कर दें।
- कॉपर आक्सीक्लोराइड का (0.3 प्रतिशत) छिड़काव करें तथा आवश्यकता पड़ने पर 10–15 के अंतराल पर छिड़काव पुनः दोहरायें।
- **फलों का गिरना/ आंतरिक विगलन**– बेल के बड़े फल अप्रैल–मई में बहुतायत से गिरते हैं। गिरे बेलों में आंतरिक विगलन के लक्षण पाये जाते हैं। साथ ही बाह्य त्वचा में फटन भी पाई जाती है।

प्रबंधन– इस रोग के नियंत्रण के लिए बोरेक्स 300 ग्राम प्रति वृक्ष के हिसाब से प्रयोग करें। साथ ही 1 प्रतिशत बोरेक्स का 2 बार छिड़काव 15 दिनों के अंतराल पर फलों पर छोटी अवस्था में करें।

फल सड़न– बेल के ऐसे फल जो तोड़ते समय गिर जाते हैं, उन फलों की बाह्य त्वचा में हल्की फटन हो जाती है तथा ऐसे फल तेजी से सड़ने लगते हैं। ऐसे फलों के अंदर एस्परजिलस फंफूद विकसित होती है। तथा अंदर का गूदा अधिक मुलायम व तीक्ष्ण गंध वाला हो जाता है।

प्रबंधन– इसके नियंत्रण हेतु फलों को सावधानी से तोड़े जिससे फल जमीन पर न गिरे एवं फलों की त्वचा पर फटन न होने पाये साथ ही ऐसे फल मृदा के संपर्क में भी नहीं आयें।

पत्तियों का काला धब्बा– बेल की पत्तियों की दोनों सतहों पर काले धब्बे बन जाते है जिनका आकार आमतौर पर 2–3 मिमी का होता है। इन धब्बों पर काली फफूंदी नजर आती है। जिसे इजेरिआप्सिस कहते हैं।

प्रबंधन– इसकी रोकथाम के लिए जब नई पत्तियां निकल रही हो तब बाविस्टीन (0.1 प्रतिशत) या डाईफोलेटान (2 प्रतिशत) का 2 से 3 छिड़काव 15 दिनों के अंतर पर करें।

प्रमुख कीट–

झंडा तितली– पेपीलिओ डिमोलस के लार्वा की प्रारंभिक अवस्थाएं नई पत्तियों को खाते हैं तथा लार्वा के बाद की अवस्थाएं, परिपक्व पत्तियों को नुकसान पहुंचाती है। पौधों की नर्सरी अवस्था में ही सारी पत्तियां झड़ जाती हैं।

प्रबंधन– लार्वा को एकत्रित कर नष्ट करें तथा डाइमिथिएट 2 मिली/ ली. के हिसाब से स्प्रे प्रभावी रहेगा।

फल मक्खी– बेक्ट्रोसीरा जोनाटा लगे फल परिपक्व होने से पहले ही झड़ जाते हैं फल का सड़ना व फटना भी कीट लगे फल में देखा जा सकता है। कुछ दिनों बाद गिरे हुए फल से प्रभावी मेगट पूपेशन के लिए बाहर आता है। 40–50 लार्वा एक फल में देखे जा सकते हैं। फलों का गिरना पिछेती फसल पर अधिक होगा।

प्रबंधन– गिरे हुए फलां को एकत्रित कर नष्ट कर दें। गर्मियों में प्यूपा को नष्ट करने के लिए पेड़ के तने के चारों ओर की मिट्टी को खुला छोड़ दें। मेलाथियान 50 ग्राम+गुड़ 500 ग्राम+पानी 50 लीटर के मिश्रण का स्प्रे करने पर व्यस्क कीटों को नियंत्रित किया जा सकता है।

पशु पालन में हरे चारे की उपयोगिता

अपने प्रति पशु से अधिक दूध प्राप्त करना, दुग्ध उत्पादकता बढ़ाकर अपने दुग्ध डेयरी व्यवसाय को लाभदायक बनाना हम सभी का लक्ष्य है। प्रति पशु दुग्ध उत्पादकता बढ़ाने के लिये पशु के चारे में प्रोटीन, खनिज व विटामिन से भरपूर, स्वादिष्ट, रसीले व मीठे और अधिक पाचक हरे चारे की 60% से 70% तक मात्रा होनी चाहिये।

पशुओं को पौष्टिक एवं अधिक पाचक हरा चारा उपलब्ध कराने के लिये यूपीएल एड्वांटा ने तीन आधुनिक हायब्रिड चारा बीज भारत में उपलब्ध करवाये हैं।

यूपीएल कृषि रसायन के क्षेत्र में सबसे बड़ी भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी है जिसके कई कृषि रसायन में पेटेंट हैं। यूपीएल पूरी दुनिया के किसानों को किफायती एवं उत्कृष्ट कृषि समाधान उपलब्ध कराती है। एड्वांटा जो कि यूपीएल का ही हिस्सा है, दुनियां की सर्वश्रेष्ठ बीज कम्पनियों में से एक है और लगभग 25 देशों में अपने श्रेष्ठतम बीजों का व्यवसाय करती है।

यूपीएल एड्वांटा की तीन आधुनिक हायब्रिड चारा फसलें हैं–

(1) न्यूट्रीफीड (2) शुगरग्रेज

(3) मक्खनग्रास

➔ **न्यूट्रीफीड एवं शुगरग्रेज की बुआई का उपयुक्त समय**–फरवरी से अगस्त।

➔**मक्खनग्रास की बुआई** – सितम्बर अंतिम सप्ताह से दिसम्बर प्रथम सप्ताह तक।

न्यूट्रीफीड की विशेषताएं –

➔ अधिक संख्या में (4–6 बार)चारा कटाई– हर समय भरपूर हरा चारा उपलब्ध।

➔प्रति एकड़ (18 टन तक) प्रति कटाई हरा चारा उपलब्ध– कम खेत से पशुओं को अधिक चारा

➔ मीठा, नरम व स्वादिष्ट चारा–पशु चाव से खाते हैं

➔ 16% तक प्रोटीन–पशु का बेहतर स्वास्थ, अधिक दूध व फेट।

➔ 68% से अधिक पाचन योग्य हरा चारा– अधिक दूध उत्पादन के लिये।

➔ अन्य चारा फसलों की तुलना में कम पानी की आवश्यकता।

➔ कीटों का प्रकोप न के बराबर

न्यूट्रीफीड की बुआई, देखरेख व कटाई –

बीज दर – 3 किलो प्रति एकड़।

अच्छी नमी वाले खेत में महीन जुताई के उपरांत बोना चाहिये पानी न ठहरने वाले खेत उपयुक्त होते हैं।

खाद की मात्रा – एनः पीः के – 30:20: 00

➔गर्मियों में आवश्यकतानुसार समय – समय पर सिंचाई करते रहें

➔ पहली कटाई 45 –50 दिनों में जब न्यूट्रीफीड का पौधा लगभग एक से सवा मीटर लम्बा हो।

➔ दूसरी एवं अगली कटाईयां हरेक 25–35 दिन में करते रहना चाहिये। प्रत्येक कटाई के बाद हल्की सिंचाई के साथ 25 किलो प्रति एकड़ नत्रजन का प्रयोग करें।

हाल ही बरसे मावठे के पानी के साथ पहाड़ों पर बसने वाले काला, भूरा एवं पीला गेरूआ की कवक भी बरस चुकी है। और मैदानों में पनपते गेहूं विशेषकर स्थानीय किस्म एवं जौ,गेहूं नदी किनारों के खेतों में बढ़ रहा पर गेरूआ के धब्बे अवश्य ही 10 से 14

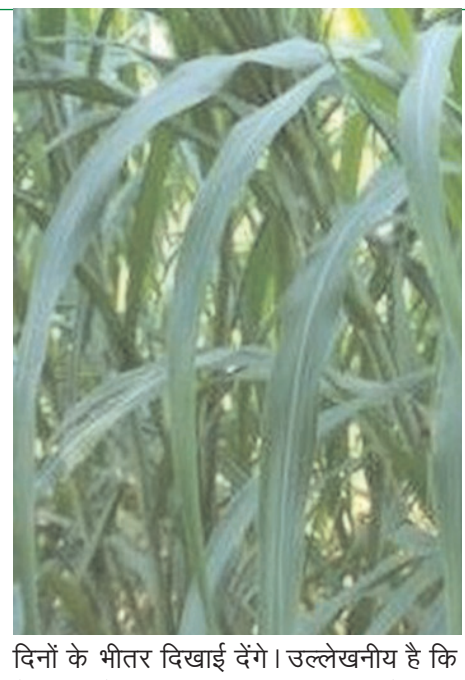

दिनों के भीतर दिखाई देंगे। उल्लेखनीय है कि गेहूं किस्में डब्ल्यू.एच. 147 तथा लोक 1 आज भी कृषकों ने अपना रखी हैं। इन जातियों पर भी गेरूआ आने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है।

वर्तमान की स्थिति में काला गेरूआ के प्रकोप पर गेहूं कि विकसित जातियों ने जो वर्तमान में खेतों पर है पर प्रायः रोक लगा दी है। वे काले गेरूए के प्रतिरोधक किस्में हैं। भूरा गेरूआ अवश्य अपने पैर पसार सकता है, पीला गेरूआ के लिये उपयुक्त तापमान हमारे प्रदेश में नहीं मिल पाता है पीला गेरूआ का आक्रमण अब प्रदेश में इतिहास बनकर रह गया कारण केवल उचित तापमान है। वर्षो पहले यह गेरूआ प्रदेश के उज्जैन तथा जबलपुर में आंशिक क्षेत्रों में देखा गया था। हमारी सलाह है कि खेतों में पत्तियों पर संतरे के छिलके के रंग के उभरे धब्बे जिनको हाथ से छूने पर रोरी हाथ में लगे उन पर यथाशीघ्र एक छिड़काव डाईथेन एम 45 दो ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर किया जाये।

यह छिड़काव स्थानीय किस्मों पर जल्द से जल्द किया जाये अन्यथा ऐसे स्थान पर गेरूआ पनपेगा और हवा से स्थानान्तरित होकर उसका विस्तार होता जायेगा इस प्रकार का छिड़काव डब्ल्यू एच 147 एवं लोक 1 किस्मों पर भी अनिवार्य रूप से किया जाये। मावठे का लाभ भी उठाये असिंचित गेहूं की फसल में जल्द से जल्द 25 से 50 किलो यूरिया प्रति हेक्टर की दर से भुरकाव भी करें और अतिरिक्त उत्पादन प्राप्त करें।

महारत्न कंपनी आरईसी लिमिटेड लगातार दूसरे कंपनी ट्रेड करने जा रही है पूर्व लाभांश

नई दिल्ली, एजेंसी। महारत्न कंपनी आरईसी लिमिटेड ने एक बार फिर से डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी 40वीं बार एक्स-डिविडेंड ट्रेड करने जा रही है। कंपनी इसी हफ्ते फिर से एक्स-डिविडेंड ट्रेड करने जा रही हैं। बता दें, शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव 428.85 रुपये के लेवल पर था।

2 दिन के बाद कंपनी करेगी एक्स-डिविडेंड ट्रेड- सरकारी कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि एक शेयर पर 3.60 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 26 मार्च की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। कंपनी इससे पहले 14 फरवरी को एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 4.30 रुपये का डिविडेंड कंपनी ने दिया था। बता दें, 2024 में कंपनी 4 बार एक्स-डिविडेंड ट्रेड किया था।

2 बार कंपनी ने दिया था बोनस शेयर- कंपनी ने पहली बार बोनस शेयर 2016 में दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया था। दूसरी बार कंपनी 2022 में एक्स-बोनस ट्रेड किया था। तब कंपनी ने 3 शेयर पर 1 बोनस दिया था।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा है- बीते एक हफ्ते में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, इसके बाद 2025 में भी कंपनी के शेयरों का भाव 15

1700 के पार जाएगा वोल्टास लिमिटेड का शेयर! गर्मी के मौसम बढ़ सकती है चमक

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार में तूफानी तेजी के बीच बीते शुक्रवार को कुछ कंपनियों के शेयर सुस्त नजर आए। ऐसा ही एक शेयर टाटा ग्रुप की कंपनी- वोल्टास लिमिटेड का था। हालांकि, गर्मी के मौसम को देखते हुए वोल्टास लिमिटेड के शेयर को लेकर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। आइए शेयर का टारगेट प्राइस जान लेते हैं।

शेयर का टारगेट प्राइस- घरेलू ब्रोकरेज मोतीलाल ओसवाल ने वोल्टास के शेयर के लिए 1,710 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। इसके साथ ही खरीदें रेटिंग दी है। इस शेयर के लिए नुवामा ने 1810 रुपये 1779 रुपये का टारगेट प्राइस तय किया है। इसके अलावा प्रभुदास लीलाधर ने वोल्टास के शेयर का टारगेट प्राइस 1593 रुपये पर बरकरार रखा है।

बता दें कि शुक्रवार को इस कंपनी का शेयर 1429.70 रुपये पर था। मार्च 2024 में यह शेयर 1,048.70 रुपये पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। सितंबर 2024 में शेयर की कीमत 1,946.20 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है।

दिसंबर तिमाही में वोल्टास का नेट प्रॉफिट 130.8 करोड़ रहा। परिचालन से राजस्व 18.3 प्रतिशत बढ़कर 3105 करोड़ हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 2625 करोड़ था।

ट्रंप के टैरिफ से अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता बढ़ी

टैरिफ के कारण निवेश में कमी और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ (शुल्क) को लेकर आक्रामक आर्थिक नीति कई विरोधाभासी विचारों से भरी है। उनके सलाहकार भी अलग-अलग बातें कर रहे हैं। एक तरफ, उनका कहना है कि दूसरे देश अमेरिका को लूट रहे हैं और उन्हें रोकना जरूरी है। दूसरी तरफ, वे कनाडा, मेक्सिको और चीन के साथ ड्रग्स की लड़ाई की बात कर रहे हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि टैरिफ से देश के 36 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज को कम करने में मदद मिलेगी। लेकिन, इन सब बातों के बीच अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ट्रंप के टैरिफ का असर दिख रहा है। कनाडा, मेक्सिको और चीन से आने वाले सामानों पर भारी शुल्क लगाने से अनिश्चितता बढ़ गई है। इससे व्यापार में निवेश और लोगों का भरोसा कम हुआ है। शेयर बाजार में भी लगातार उतार-चढ़ाव हो रहा है। इस वजह से फेडरल रिजर्व (अमेरिकी केंद्रीय बैंक) भी ब्याज दरों को कम करने से हिचकिचा रहा है। वह इंतजार कर रहा है कि ट्रंप आगे क्या कदम उठाते हैं और उसका अर्थव्यवस्था पर क्या असर होता है।

मंदी के लिए भी रेडी

वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने सीबीएस न्यूज से कहा कि ट्रंप के टैरिफ इतने महत्वपूर्ण हैं कि अगर इससे अमेरिका में मंदी भी आ जाए तो भी यह इसके लायक है। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भी मंदी की संभावना से इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि अगर दूसरे देश अपनी व्यापार बाधाओं को कम करते हैं तो कुछ टैरिफ को कम किया जा सकता है।

ट्रंप और उनके सलाहकार अपनी आर्थिक रणनीति को स्पष्ट करने के बजाय अनिश्चितता को ही अपनी नीति का हिस्सा मान रहे हैं। व्हाइट हाउस के नेशनल इकोनॉमिक काउंसिल के डायरेक्टर केविन हैसेट ने सीएनबीसी पर कहा कि 2 अप्रैल तक कुछ अनिश्चितता रहेगी। ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या वह कारोबारियों को अपनी नीति के बारे में स्पष्ट जानकारी देंगे तो उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि कंपनियों को निश्चितता की जरूरत है। उन्होंने फॉक्स न्यूज पर मारिया बार्टिरोमो को बताया कि वह ऐसा कहते हैं, यह कहना अच्छा लगता है। लेकिन, सालों से बड़े वैश्विक खिलाड़ी अमेरिका को लूट रहे हैं। वे अमेरिका से पैसा निकाल रहे हैं। हम सिर्फ कुछ पैसा वापस ले रहे हैं। हम अपने देश के साथ न्याय करेंगे।

मंदी की आशंका से नहीं कयिा जा रहा इनकार- ट्रंप ने मंदी की संभावना से भी इनकार नहीं किया है। अर्थशास्त्रियों और विश्लेषकों का कहना है कि इस अनिश्चितता के कारण मंदी की आशंका बढ़ सकती है। फेडरल रिजर्व ने भी इस अनिश्चितता पर ध्यान दिया है। उसने ब्याज दरों को स्थिर रखा है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था के लिए ज्यादा महंगाई और धीमी ग्रोथ का अनुमान लगाया है। फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा कि अनिश्चितता बहुत ज्यादा है। रेटिंग एजेंसी फिच ने चेतावनी दी है कि ट्रंप की ओर से शुरू किए गए वैश्विक व्यापार युद्ध से वैश्विक विकास कम होगा। अमेरिकी उत्पादन धीमा होगा। साथ ही, कीमतें बढ़ेंगी और फेडरल रिजर्व की ब्याज दर में कटौती में देरी होगी।

अप्रत्याशित बने रहना चाहते हैं ट्रंप

इस अनिश्चितता का मुख्य कारण यह है कि ट्रंप टैरिफ को व्यापार में सुधार के बजाय नीतिगत मुद्दों को सुलझाने के लिए एक हथियार के रूप में देखते हैं। वह अपनी सौदेबाजी की ताकत बढ़ाने के लिए अप्रत्याशित बने रहना चाहते हैं। सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के आर्थिक सुरक्षा और प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष नवीन गिरिशंकर ने कहा कि ट्रंप 2.0 की शुरुआत में रणनीतिक तालमेल और प्रभावी समन्वय की कमी है। इस वजह से नीति में अस्थिरता आ रही है, जिसका असर वित्तीय बाजारों और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। इन्वेस्टमेंट फर्म वेदा पार्टनर्स की आर्थिक नीति निदेशक हेनरिटा ट्रेज ने कहा कि सांसदों को उम्मीद है कि टैरिफ सिर्फ एक बातचीत की रणनीति है। जब इस बारे में निश्चितता होगी तो बाजार शांत हो जाएंगे। हालांकि, निवेशकों को अभी भी डर लग रहा है। कैपिटल हिल पर यह राय बन रही है कि 1 अप्रैल के बाद निश्चितता आ जाएगी और बाजार शांत हो जाएंगे। लेकिन, ज्यादातर निवेशकों को ऐसा नहीं लगता। वे मानते हैं कि अनिश्चितता से निकट भविष्य में अस्थिरता आएगी। इसका अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा। ट्रंप ने अपनी बातचीत की रणनीति के तहत टैरिफ को कम करने या हटाने की इच्छा दिखाई है। लेकिन, यह स्पष्ट नहीं है कि बाजार की प्रतिक्रिया से उनके फैसलों पर कोई असर पड़ा है। उनके शीर्ष आर्थिक सलाहकार भी उनकी नीतियों को बदलने के लिए तैयार नहीं दिखते हैं।

डीएमके सरकार के आरोपों के बीच, वित्त मंत्री का बयान- पीएलआई योजना के तहत तमिलनाडु को मिला बड़ा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु की डीएमके सरकार तीन भाषा नीति और परिसीमन के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर हमलावर है। डीएमके सरकार का कहना है कि केंद्र द्वारा राज्य की अनदेखी की जा रही है। इस बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बड़ा बयान सामने आया है। वित्त मंत्री ने बताया है कि केंद्र सरकार की पीएलआई योजना के तहत तमिलनाडु को बड़ा फायदा मिला है और इलेक्ट्रोनिक्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर के बड़े प्रोजेक्ट राज्य को मिले हैं। चेन्नई में शनिवार की शाम को चेन्नई सिटिजन फोरम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने तमिलनाडु सरकार द्वारा केंद्र सरकार पर फंडिंग के मामले में राज्य की अनदेखी करने के आरोपों पर कहा कि तमिलनाडु, पीएलआई योजना के सबसे बड़े लाभार्थी राज्यों में से एक है। केंद्र सरकार ने पीएलआई योजना के तहत इलेक्ट्रोनिक्स पार्ट्स बनाने वाली और ऑटोमोबाइल सेक्टर की 27 कंपनियों को मंजूरी दी थी, इनमें से सात कंपनियां तमिलनाडु की हैं।

वित्त मंत्री ने बिना किसी का नाम लिए राज्य सरकार के उन दावों को खारिज कर दिया कि उन्हें केंद्र से केंद्रीय कर में बेहद कम हिस्सा मिला है। वित्त मंत्री ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि राज्य सरकार ने किस गणना के आधार पर यह बात कही है, लेकिन मैं इतना कह सकती हूं कि बीते 10 वर्षों में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से राज्य को काफी फायदा हुआ है।

शेयर मार्केट में रिस्क बढ़ा है... सेबी चेयरमैन ने ट्रेडर्स को किया अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार को रेग्युलेट करने वाले संस्था सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने निवेशकों को अलर्ट किया है। उन्होंने कहा कि ग्लोबली कुछ कारण हैं जिनकी वजह से बाजार में जोखिम बढ़ गया है। तुहिन कांत पांडे पांडे ने कहा- जहां तक जोखिम का सवाल है, मुझे लगता है कि यह सामान्य बाजार जोखिम है। निश्चित रूप से वैश्विक, भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक कारणों से जोखिम बढ़ा हुआ है। उन्होंने मौजूदा बाजार अनिश्चितताओं की उत्पत्ति को कोविड-19 महामारी से जोड़कर देखा। उन्होंने निवेशकों को सलाह देते हुए कहा कि आपको ऋण और इक्विटी आदि के बीच संतुलन बनाना होगा। सेबी चेयरपर्सन ने भारत के पूंजी बाजार के इंफ्रा में विश्वास व्यक्त किया और इसे दुनिया में सर्वश्रेष्ठ में से एक बताया। इन चुनौतियों के बावजूद पांडे ने कहा कि देश इन मुद्दों को कम करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। उन्होंने वैश्विक अनिश्चितता के लिए रणनीतिक प्रतिक्रियाओं के उदाहरणों के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौतों पर बातचीत करने और विभिन्न अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को आगे बढ़ाने के भारत के प्रयासों की ओर इशारा किया।

केंद्र सरकार ने प्याज निर्यात पर 20 प्रतिशत शुल्क वापस लिया, आदेश 1 अप्रैल से होगा प्रभावी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने शनिवार को प्याज निर्यात पर लगाए गए 20 फीसदी शुल्क को हटाने का फैसला किया। यह शुल्क सितंबर 2024 में लगाया गया था। यह निर्णय एक अप्रैल 2025 से प्रभावी होगा। उपभोक्ता मामलों के विभाग के अनुरोध पर राजस्व विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने 8 दिसंबर 2023 से 3 मई 2024 तक लगभग पांच महीने तक निर्यात पर नियंत्रण रखा था। इस दौरान निर्यात शुल्क, न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) और निर्यात प्रतिबंध जैसी नीतियों को लागू किया गया था।

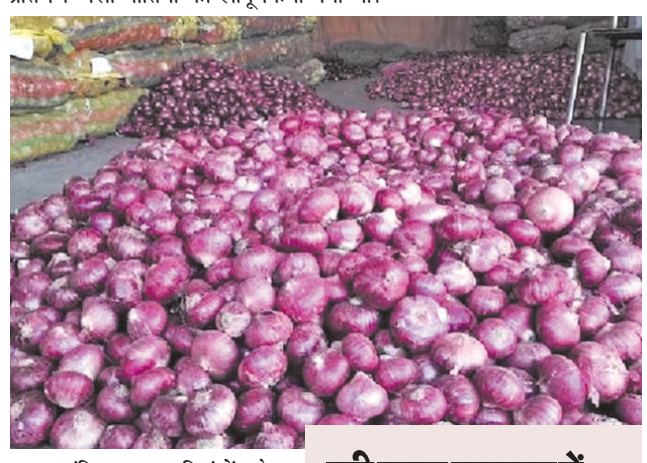

हालांकि, इन प्रतिबंधों के बावजूद 2023-24 में कुल 17.17 लाख टन और 2024-25 (18 मार्च तक) में 11.65 लाख टन प्याज का निर्यात हुआ। सितंबर 2024 में निर्यात मात्रा 0.72 लाख टन थी, जो जनवरी 2025 तक बढ़कर 1.85 लाख टन हो गई। सरकार ने कहा, यह निर्णय सरकार की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें किसानों को लाभकारी मूल्य दिलाने और उपभोक्ताओं के लिए प्याज को सुलभ बनाए रखने का संतुलन रखा गया है। रबी फसल की अच्छी आवक के चलते मंडी और खुदरा कीमतों में नरमी आई है। हालांकि, मौजूदा मंडी कीमतें पिछले वर्षों की इसी अवधि के स्तर से ऊपर हैं, फिर भी अखिल भारतीय भारित औसत मॉडल कीमतों में 39 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। इसी तरह, पिछले एक महीने में अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमतों में 10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

रबी प्याज उत्पादन में 18 प्रतिशत की वृद्धि

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अनुमान के मुताबिक, इस साल रबी उत्पादन 227 लाख मीट्रिक टन रहेगा, जो पिछले साल के 192 लाख टन से 18 प्रतिशत अधिक है। रबी प्याज भारत के कुल उत्पादन का 70-75 प्रतिशत होता है, जो अक्टूबर-नवंबर में खरीफ फसल आने तक कीमतों को स्थिर बनाए रखने में मदद करता है। खाद्य मंत्रालय ने कहा कि इस वर्ष अनुमानित उच्च उत्पादन से आने वाले महीनों में बाजार मूल्य और घटने की संभावना है।

प्याज की कीमतों में गिरावट

अखिल भारतीय औसत मॉडल कीमतों में 39 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले एक महीने में खुदरा प्याज कीमतों में 10 प्रतिशत की कमी आई है।

धर्मार्थ ट्रस्ट के सदस्यों पर लगे वित्तीय अनियमितता के आरोप, अदालत ने नियुक्त किए 11 नए ट्रस्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। ठाणे के एक धर्मार्थ ट्रस्ट के पुराने ट्रस्टियों पर ट्रस्ट में वित्तीय अनियमितता करने और प्रशासनिक खामियां करने का आरोप लगा है। इसके बाद ठाणे की एक अदालत ने पिछले ट्रस्टियों को फिर से नियुक्त करने से इनकार कर दिया और 11 नए ट्रस्टियों को नियुक्त किया है।

भिवंडी के जिला न्यायाधीश एनके करांडे ने कहा कि ट्रस्ट के प्रशासन और विकास के लिए भीमेश्वर सदगुरु नित्यानंद संस्था के नए ट्रस्टियों की नियुक्ति जरूरी है। अदालत ने फैसला सुनाया कि मौजूदा ट्रस्टियों के खिलाफ जांच चल रही है और उन्होंने प्रशासनिक खामियां की हैं। भीमेश्वर सदगुरु नित्यानंद संस्था गणेशपुरी बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट अधिनियम, 1950 के तहत एक पंजीकृत धर्मार्थ ट्रस्ट है। यहां ट्रस्टियों को पांच साल के लिए नियुक्त किया जाता है। कार्यकाल समाप्त होने पर जिला न्यायालय द्वारा नई नियुक्तियां की जाती हैं।

पिछले ट्रस्टियों को 2016 में पांच साल के कार्यकाल के लिए नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 16 नवंबर 2021 को समाप्त हो गया। नियुक्ति प्रक्रिया में देरी और वित्तीय अनियमितताओं के कई आरोपों के कारण मुकदमेबाजी चलने से नए सदस्यों की नियुक्ति नहीं हो सकी। कई ट्रस्टियों के खिलाफ वित्तीय कुप्रबंधन समेत कई शिकायतें मिलीं। चैरिटी कमिश्नर की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ ट्रस्टियों के खिलाफ चल रही अनियमितता, अनादर, कदाचार की शिकायतों की जांच चल रही है। वहीं ग्रामीणों, ट्रस्ट कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों ने भी ट्रस्ट प्रशासन और आर्थिक लेन-देन पर चिंता जताई थी। कई ट्रस्टी वर्ष 2019-2020 और 2020-21 के लिए ऑडिट रिपोर्ट और वित्तीय खाते जमा करने में भी विफल रहे। इसके बाद कोर्ट ने माना कि ट्रस्ट के प्रभावी प्रशासन और विकास के लिए नए ट्रस्टियों की नियुक्ति की आवश्यकता है। कोर्ट ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी करके ट्रस्टी बनने के लिए आवेदन मांगे।

जिसने देखा देखता रह गया... 46,000 रुपये में बिका अंडा

नई दिल्ली, एजेंसी। अंडे के शौकीनों के लिए दिलचस्प खबर है। हाल ही में नीलामी में एक अंडा 420 पाउंड (लगभग 46,000 रुपये) में बिका। इसकी खासियत है कि यह बिलकुल गोल अंडा है। इंग्लैंड में समरसेट और डेवोन सीमा के पास फेंटन फार्म में एक एग हैंडलर एलिसन ग्रीन को पिछले साल दिसंबर में एक अनोखा अंडा मिला। अपने करियर में 4.2 करोड़ से ज्यादा अंडे संभालने के बाद उन्होंने कभी भी ऐसा गोलाकार अंडा नहीं देखा था। बीबीसी के अनुसार, इस अंडे की नीलामी की गई और इससे मिली रकम एक चैरिटी को दी गई।

एलिसन ग्रीन को यह अंडा फेंटन फार्म में मिला। उन्होंने अपने करियर में पहली बार ऐसा अंडा देखा था। यह अंडा बिलकुल गोल था। बीबीसी के अनुसार, इस अंडे को नीलामी में 420 पाउंड में बेचा गया। नीलामी से मिली रकम डेवोन रेप क्राइसिस को दान कर दी गई। यह संस्था यौन हिंसा और दुर्व्यवहार से पीड़ित लोगों की मदद करती है।

एलिसन ग्रीन ने द गार्जियन को दिए इंटरव्यू में कहा, यह बहुत आश्चर्यजनक था क्योंकि अंडे एक खास तरीके से लुढ़कते हैं और यह अंडा बिलकुल अलग था - यह बस अलग दिख रहा था। अब यह ऐसी चीज है जो किसी और के पास नहीं है।

शौक बड़ी चीज है... फूलों से प्यार करती है मणिपुर की महिला खुन्द्रकपम रानी , कर रही लाखों रुपये की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। शौक बड़ी चीज है। इस बात को हम कई बार सुन और पढ़ चुके हैं। लेकिन किसी शौक को अगर कारोबार में बदल दें तो सोने पर सुहागा हो जाता है। ऐसा ही कुछ किया है मणिपुर की रहने वाली खुन्द्रकपम रानी ने। खुन्द्रकपम को फूलों से काफी प्यार था। उन्होंने उसे ही अपना पेशा बना लिया। आज वह अपने इस कारोबार से लाखों रुपये महीने कमाती हैं।

मणिपुर में कई तरह के फूल पाए जाते हैं। यहां गोम्फ्रेना से लेकर गुलाब तक कई सुंदर फूल हैं। ये फूल न केवल इस जगह की सुंदरता बढ़ाते हैं बल्कि यहां के लोगों की रोजी-रोटी में भी मदद करते हैं। ऐसी ही एक उद्यमी हैं 27 साल की खुन्द्रकपम रानी। वह इंफाल पश्चिम जिले के तेरा लुकरम लीराक की रहने वाली हैं। उन्होंने फूलों के प्रति अपने शौक को एक सफल व्यवसाय में बदल दिया है।

फूलों से बेहद लगाव- रानी फूलों के बीच पली-बढ़ी हैं। इसलिए उन्हें फूलों से बहुत प्यार है। खासकर उनके परिवार के बगीचे में लगे फूलों से। रानी याद करते हुए कहती हैं, मुझे हमेशा से फूल पसंद थे। हमारे बगीचे में बहुत सारे सुंदर फूल थे। ताजे फूलों को देखकर मुझे बहुत खुशी होती थी, लेकिन उन्हें तोड़ने के बाद मुरझाते हुए देखकर मुझे दुख होता था। फूलों के प्रति बचपन के इस आकर्षण और उनकी मां के बागवानी के शौक ने उनके व्यवसाय की नींव रखी।

कैसे शुरू किया कारोबार- रानी की मां खुन्द्रकपम नंदरानी बताती हैं कि उन्होंने साथ मिलकर कई तरह के फूल उगाए। उनके बगीचे में गोम्फ्रेना, डहलिया, गुलाब, सेलोसिया, हेलिक्रीसम, गुलदाउदी और पोर्टुलाका जैसे फूल थे। नंदरानी बताती हैं, हम घंटों फूलों की देखभाल करते थे। मैं अपनी बेटी को उनकी सुंदरता पर मोहित होते हुए देखती थी। रानी ने मणिपुर विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान में मास्टर डिग्री हासिल की। फूलों के प्रति उनके प्यार ने उन्हें पौधों के बारे में और जानने की इच्छा पैदा की।

शुरू किया अपना ब्रांड- लॉकडाउन लगने के कारण उनके पास करने के लिए कुछ खास नहीं था। इसलिए वह ज्यादातर समय सोशल मीडिया पर बिताती थीं। उन्होंने देखा कि कई लोग अपने शौक को सफल व्यवसाय में बदल रहे हैं। इससे उन्हें भी कुछ करने की प्रेरणा मिली। वह कहती हैं, मैंने सोचा कि क्यों न मैं अपने प्यारे जंगली फूलों का इस्तेमाल करके कुछ सुंदर और टिकाऊ बनाऊं इस तरह दिसंबर 2020 में ड्राई ब्लूम नाम से उन्होंने अपना ब्रांड शुरू किया। इनका यह ब्रांड कई तरह के बुके समेत फूलों के कई प्रोडक्ट बेचता

सालाना कितनी है कमाई

शुरुआती वर्षों में अपनी मास्टर डिग्री के तीसरे वर्ष के साथ-साथ अपने व्यवसाय को संभालते हुए रानी ने कभी नहीं सोचा था कि वह इतनी दूर तक आएंगी। आज मणिपुर में हाल ही में हुई अशांति के कारण हुई बाधाओं के बावजूद ड्राई ब्लूम का सालाना रेवेन्यू करीब 24 लाख रुपये है।

रानी बताती हैं, हमें अशांति के दौरान भारी नुकसान हुआ, जिससे कमाई 50,000 रुपये तक गिर गई। लेकिन हम धीरे-धीरे अपने पैरों पर वापस आ रहे हैं। जैसे-जैसे व्यवसाय फला-फूला, ड्राई ब्लूम मणिपुर से आगे बढ़कर पूरे भारत में प्रोडक्ट की शिपिंग करने लगा। 5 साल पहले स्थानीय लोगों के लिए एक छोटे से उद्यम के रूप में शुरू हुआ यह व्यवसाय अब दिल्ली, बेंगलुरु, मेघालय, नागालैंड और आंध्र प्रदेश में ग्राहकों तक पहुंच गया है।

यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म टॉक्सिक को लेकर सामने आई बड़ी अपडेट

'केजीएफ' स्टार यश की आगामी फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। फैंस यश की फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, इसलिए फिल्म से जुड़े हर एक अपडेट को जानने के लिए काफी उत्सुक रहते हैं। अब मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी एक बड़ी जानकारी साझा की है। ये खबर फिल्म का इंतजार कर रहे लोगों को झटका देने वाली है, क्योंकि फिल्म की रिलीज लगभग एक साल के लिए टाल दी गई है। खुद एक्टर यश ने फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा की है।

यश ने इंस्टाग्राम पर बताई नई रिलीज डेट

'टॉक्सिक' के मेकर्स फिल्म को काफी बड़े स्तर पर बना रहे हैं। फिल्म अभी बन ही रही है, यही कारण है कि मेकर्स ने फिल्म की रिलीज को एक साल के लिए टाल दिया है। फिल्म के लीड एक्टर यश ने खुद फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में की है। इंस्टाग्राम पर फिल्म से जुड़ा एक नया पोस्टर शेयर करते हुए अभिनेता यश ने 'टॉक्सिक' की नई रिलीज डेट जारी की है। फिल्म अब 19 मार्च 2026 में रिलीज होगी। फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए यश ने कैप्शन में सिर्फ 19.03.26 लिखा है।

10 अप्रैल को रिलीज होनी थी फिल्म

बता दें कि इससे पहले इस एक्शन थ्रिलर फिल्म को 10 अप्रैल 2025 को रिलीज होना था। लेकिन अब फिल्म की रिलीज को टाल दिया गया है।

कियारा आडवाणी होंगी प्रमुख अभिनेत्री

टॉक्सिक की कहानी गोवा में एक ड्रग कार्टेल के इर्द-गिर्द घूमती है, जो शक्ति और नैतिकता के विषयों की खोज करती है। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म में यश मुख्य भूमिका में हैं। कियारा आडवाणी यश की प्रेमिका के रूप में हैं, जबकि नयनतारा उनकी बहन की भूमिका में हैं। इसके अलावा फिल्म में हुमा कुरैशी और अक्षय ओबेरॉय भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

सलमान खान के साथ किक के सीक्वल को लेकर जैकलिन ने दिया अपडेट

जैकलिन फर्नांडीस साल 2014 में आई फिल्म किक के दूसरे पार्ट का हिस्सा बनने की उम्मीद जताई है। उनके मुताबिक फिल्म ने उनकी जिंदगी बदल दी थी। यह फिल्म साल 2009 में आई तेलुगु फिल्म किक की रीमेक थी। फिल्म में सलमान खान, जैकलिन फर्नांडीस के अलावा नवाजुद्दीन सिद्दीकी और रणदीप हुड्डा भी थे। जैकलिन ने कहा मैं इस फ्रेंचाइज को लेकर बहुत उत्साहित हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अगर साजिद नाडियाडवाला या सलमान खान इसकी तस्दीक करें तो ज्यादा अच्छा होगा। मैं उम्मीद करती हूं कि ये फिल्म जल्दी बने क्योंकि किक को लोगों से खूब प्यार मिला था। इस फिल्म ने मेरी जिंदगी बदल दी थी। जैकलिन ने मीडिया से मुखातिब होते हुए जी सिने अवॉर्ड के प्रेस कांफ्रेंस में ये बातें कहीं।

इस साल जैकलिन की रिलीज होंगी कई फिल्में

जैकलिन ने मर्डर 2, रेस 3 और ढिशूम जैसी फिल्मों में काम किया है। साल 2025 में उनकी कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं। इससे वह काफी उत्साहित हैं। वह जल्द ही वेलकम और हाउसफुल 5 में नजर आने वाली हैं। जैकलिन के मुताबिक यह बहुत ही अच्छा साल होने वाला है। क्योंकि मेरी कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं। मैं हाउसफुल में दोबारा वापसी कर रही हूं। हम इस वक्त हाउसफुल 5 में हैं।

वेलकम टू द जंगल के लिए उत्साहित हैं जैकलिन

जैकलिन की फिल्म वेलकम टू द जंगल बहुत कॉमेडी फिल्म होने वाली है। उन्होंने बताया यह मेरे लिए बहुत नया है। शूटिंग के वक्त हमने बहुत अच्छा वक्त गुजारा है। मुझे उम्मीद है दर्शक इसे खूब प्यार देंगे। मैं इसे लेकर उत्साहित हूं। मैं मैदान वेब सीरीज के लिए भी बहुत उत्साहित हूं। यह अप्रैल में रिलीज होने वाली है।

महंगी अभिनेत्रियों में शामिल हुई कियारा आडवाणी टॉक्सिक के लिए ली इतनी फीस

दक्षिण भारतीय निर्माता अपनी फिल्मों को उत्तर भारत में सफलता दिलाने के लिए फिल्म में हिन्दी नायक-नायिकाओं को लेकर निर्माण कर रहे हैं। बॉबी देओल एनिमल के बाद दक्षिण भारत में पसन्दीदा खलनायकों में शामिल हो गए हैं। उन्हें वहाँ से लगातार फिल्में मिल रही हैं, जो दक्षिण के साथ-साथ उत्तर भारत में भी अच्छा कारोबार कर रही हैं। सनी जाट नामक फिल्म ला रहे हैं जिसका निर्माण व निर्देशन दक्षिण भारतीय फिल्मकारों का है। साउथ वाले हिंदी सिनेमा की हीरोइन्स को बॉलीवुड वालों से ज्यादा और अच्छी फीस दे रहे हैं। बीते दिनों खबर आई थी कि 1000 करोड़ के बजट में बन रही SSMB29 के लिए मेकर्स ने प्रियंका चोपड़ा को 30 करोड़ की मोटी रकम फीस के तौर पर दी है। इस फिल्म में महेश बाबू लीड रोल में हैं और एसएस राजामौली इसे डायरेक्ट कर रहे हैं। इसी बीच अब ये खबरें आ रही हैं कि कियारा आडवाणी को टॉक्सिकके लिए काफी मोटी रकम दी गई है। कियारा आडवाणी और यश की बड़े बजट की पैन-वर्ल्ड फिल्म 'टॉक्सिक' लंबे वक्त से सुर्खियों में हैं। फिल्म से जुड़े अपडेट्स पर फैन्स की निगाहें जमी रहती हैं। कियारा ने इंडस्ट्री में कई हिट फ़िल्में दी हैं, लेकिन उनकी पिछली फ़िल्म गेम चेंजर ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। वहीं मां बनने की खबर सभी के साथ शेयर करने के बाद कियारा ने फरहान अख़्तर की 'डॉन 3' भी छोड़ दी है। इसके बावजूद, कियारा मेकर्स की भरोसेमंद पसंद बनी हुई हैं। रिपोर्ट की मानें तो 'टॉक्सिक' के लिए कियारा आडवाणी को 15 करोड़ फीस मिल रही है। हालांकि इस खबर में कितनी सच्चाई है ये कह पाना मुश्किल है। लेकिन अगर ये खबरें सही साबित होती हैं तो कियारा भी बॉलीवुड की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल हो जाएंगी।

आठ साल बाद लौटे आदर्श गौरव को लगा झटका, हिंदी में दाल न गलने के बाद शुरू की ये तेलुगु फिल्म

फिल्म 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' के लीड हीरो के तौर पर खुद को प्रचारित करते रहे अभिनेता आदर्श गौरव को इस फिल्म के फ्लॉप होने का बड़ा सदमा लगा है। हिंदी सिनेमा में उनके पास अब कोई फिल्म भी नहीं हैं। आदर्श की बड़े परदे पर इससे पहले फिल्म 'मॉम' साल 2017 में रिलीज हुई थी। आठ साल बाद हुई वापसी के विफल रहने के बाद आदर्श ने अपने करियर को नए सिरे से स्थापित करने का फैसला किया है, और इसके लिए वह साउथ सिनेमा की तरफ चल पड़े हैं। आदर्श गौरव बात-बात में खुद के बाफ्टा नामित अभिनेता होने की दुहाई तो देते ही हैं, मुंबई आने के बाद अपनी गरीबी का मजाक उड़ाए जाने का रोना भी अक्सर रोते दिखते हैं। फिल्म 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' की रिलीज से पहले खुद को मालेगांव में रहने वालों जैसा ही दिखाने के लिए उन्होंने जोश टाक्स का एक लंबा वीडियो भी अटक अटककर रिकॉर्ड किया, लेकिन इसका कोई भी फायदा फिल्म को मिला ही नहीं। फिल्म 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' की मार्केटिंग टीम ने इस फिल्म का हीरो उन्हें ही बनाया लेकिन फिल्म का पीआर इतना बिखरा बिखरा सा रहा कि इसके एक इंटरव्यू शेड्यूल में तो आधा दर्जन पत्रकारों को एक ही समय पर बुला लिया गया।

फिल्म 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' ने एक्सेल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी की फ्लॉप फिल्मों की लिस्ट में एक नाम और जोड़ा है, वहीं आदर्श गौरव ने अब अपना ध्यान ही हिंदी सिनेमा से हटा लिया है। पता चला है कि इन दिनों वह हैदराबाद में अपनी नई फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म 'आरआरआर' बनाने वाले डी.वी.वी. दानय्या की बेटी जान्हवी के निर्देशन में वह जिस फिल्म के हीरो बने हैं, वह क्या है, इसे बताने में भी आदर्श फिलहाल हिचक रहे हैं। आदर्श कहते हैं, यह फिल्म मेरे लिए बेहद खास है-सिर्फ एक अभिनेता के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे इंसान के रूप में भी जिसने हमेशा अपनी जड़ों से एक गहरा भावनात्मक रिश्ता महसूस किया है। तेलुगु मेरी मातृभाषा है, लेकिन अब तक मुझे इस भाषा में अपनी कला दिखाने का मौका नहीं मिला। मैं एक ऐसे परिवार से आता हूं, जो तेलुगु सिनेमा को बहुत प्यार करता है, इसलिए यह अनुभव मेरे लिए घर वापसी जैसा लग रहा है।

तमन्ना भाटिया की ओडेला 2 की रिलीज डेट से उठा पर्दा

तमन्ना भाटिया इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ओडेला 2 को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। फिल्म का टीजर और पोस्टर पहले ही रिलीज हो चुके हैं, जिसने दर्शकों का उत्साह बढ़ाया था। वहीं, अब निर्माताओं ने दर्शकों को खास तोहफा देते हुए आखिरकार फिल्म की रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठा दिया है।

फिल्म की रिलीज डेट का एलान

फिल्म के निर्माताओं ने ओडेला 2 का नया पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज डेट का खुलासा किया। तमन्ना भाटिया की फिल्म 17 अप्रैल को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं, फिल्म का थिएट्रिकल ट्रेलर अप्रैल के पहले सप्ताह में रिलीज होने की उम्मीद है। अशोक तेजा के निर्देशन में बनी इस फिल्म को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा।

वहीं, फिल्म के नए पोस्टर की बात करें तो इसमें तमन्ना का नया भयंकर रूप देखने को मिला। तमन्ना के चेहरे पर गहरे घाव और खून के निशान हैं। इसके साथ ही उनका लुक काफी गंभीर नजर आ रहा है। बैकग्राउंड में पवित्र शहर वाराणसी को भी दिखाया गया है। पोस्टर में भी रहस्य बना हुआ है। वहीं, फिल्म के ट्रेलर के बारे में अधिकारी जानकारी जल्द ही सामने आएगी।

अशोक तेजा द्वारा निर्देशित ओडेला 2 का निर्माण डी मधु ने अपने मधु क्रिएशन्स बैनर के तहत संपत नंदी टीमवर्क्स के सहयोग से किया है। हेबाह पटेल और वशिष्ठ एन सिम्हा ने फिल्म में मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। अजनीश लोकनाथ ने संगीत तैयार किया है।

जुनैद इंटरव्यू देने के मामले में अच्छा नहीं है, बेटे के लिए असफलता को भी जरूरी बताया

आमिर खान के बेटे जुनैद खान भी फिल्मों का हिस्सा बन चुके हैं। हाल ही में उनकी पहली फिल्म 'लवयापा' थिएटर में रिलीज हुई। इससे पहले वह एक ओटीटी फिल्म 'महाराज' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रख चुके थे। लेकिन सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'लवयापा' को सफलता नहीं मिली। जुनैद की इस असफलता पर हाल ही में आमिर खान ने बात की।

असफलता जुनैद को मजबूत बनाएगी

हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड को दिए गए इंटरव्यू में आमिर खान कहते हैं, 'जुनैद ने शुरुआत अच्छी की थी। उसने काफी अच्छा काम किया, यह बात बस मायने रखती है। उसकी एक अभिनेता के तौर पर सबसे बड़ी ताकत है कि वो अपने किरदारों में ढल जाता है। वह एक अच्छा एक्टर है। लेकिन उसकी कुछ कमजोरी भी है। जुनैद इंटरव्यू देने के मामले में अच्छा नहीं है। जब वह इंटरव्यू देता है तो अजीब से जवाब देता है। लेकिन वह सीख रहा है। मुझे उसकी एक आदत पसंद है कि वह अपने लिए रास्ते खुद बना लेता है। अपनी गलतियों से सीखता है, वह बहुत अच्छा लड़का है।'

जुनैद से आमिर खान का रिश्ता

जुनैद और आमिर के रिश्ते की बात करें तो पिता-बेटे से ज्यादा वे अच्छे दोस्त हैं। जुनैद ने कई इंटरव्यूज में कहा है कि पिता आमिर खान ने उन्हें जिंदगी के गहरे सबक दिए हैं, साथ ही एक्टिंग से जुड़ी बारिकियां भी बताई हैं। यह सभी बातें जुनैद के बहुत काम आ रही हैं।

इस फिल्म को लेकर उत्साहित आमिर

आमिर खान की आने वाली फिल्म की बात की जाए तो वह 'सितारे जमीं पर' को लेकर उत्साहित हैं। यह फिल्म 'तारे जमीं पर' की अगली कड़ी है। यह फिल्म इस साल रिलीज हो सकती है।

क्यों ट्रोल हो रहे हैं अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य

हाल ही में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा अपने एक पुराने इंटरव्यू के कारण सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे हैं। अगस्त्य नंदा अमिताभ बच्चन की बेटी श्वेता के बेटे हैं। अनुपमा चोपड़ा के शो पर अगस्त्य नंदा ने कहा था कि उन्हें बिना एक्टिंग स्कूल जाए ही फिल्मों में काम करने का मौका मिल गया। जबकि वह इस मौके के हकदार नहीं थे। इस बात को लेकर ही सोशल मीडिया पर अगस्त्य नंदा को ट्रोल होना पड़ रहा है। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि ये स्टार किड्स अलग से कोई नेपोवुड क्यों नहीं बना लेते हैं। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने अगस्त्य नंदा की तुलना उनके मामा अभिषेक बच्चन से भी की। अभिषेक को भी स्टार किड होने का फायदा शुरुआती फिल्मों में मिला था। अगस्त्य नंदा की बात करें तो उनकी पहली फिल्म 'आर्चीज' ओटीटी पर रिलीज हुई। इसमें उनके साथ सुहाना खान भी नजर आईं। पर्सनल लाइफ की बात करें तो अगस्त्य और सुहाना खान इन दिनों डेट कर रहे हैं। दोनों को अकसर साथ देखा जाता है। लेकिन अब तक इस जोड़े ने अपने रिश्ते को पब्लिकली स्वीकार नहीं किया है।

सुनील नरेन ने पहले ही मैच में केकेआर के लिए पूरा कर लिया शतक, खास क्लब में हुए शामिल

● केकेआर के लिए दो ही खिलाड़ियों ने जमाए शतक - केकेआर के लिए सबसे ज्यादा छक्के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल के नाम हैं। उन्होंने 206 छक्के लगाए हैं। वहीं केकेआर के कप्तान रह चुके नितीश राणा के नाम 107 छक्के हैं। नरेन तीसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने केकेआर के लिए 100 छक्के लगाए हैं। रॉबिन उथप्पा और यूसुफ पठान इस फ्रैंचाइजी के लिए खेलते हुए 85-85 छक्के लगा चुके हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 सीजन के पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स का आरसीबी से सामना हुआ। आरसीबी ने यह मैच अपने नाम किए लेकिन केकेआर के सुनील नरेन के लिए यह मुकाबला खास साबित हुआ। उन्होंने इस मुकाबले में अपने आईपीएल करियर का अहम शतक लगाया और एलीट क्लब में शामिल हो गए।

सुनील नरेन की शानदार पारी

सुनील नरेन ने केकेआर के लिए 26 गेंदों में 44 रन बनाए। उन्होंने रहाणे के साथ साथ दूसरे विकेट के लिए 10 रन प्रति ओवर से अधिक की गति से 55 गेंद में 103 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। इस पारी में तीन छक्के और पांच चौके जमाए। इन तीन छक्कों के साथ नरेन के लिए केकेआर के लिए 100 छक्के भी पूरे हो गए। अपने इस प्रदर्शन के साथ वह टीम के खास क्लब में शामिल हो गए।

मैं गिनीज बुक में तेरी एंट्री करवा दूंगा...

वीरेंद्र सहवाग पर क्यों भड़क गए शोएब अख्तर

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया पर पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शोएब अख्तर का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में शोएब अख्तर पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग के बारे में बात कर रहे हैं. शोएब अख्तर कह रहे हैं कि हां जी, एक वीडियो देखा है वीरू पाजी का. यार तंग आ गया हूं उसकी बातें सुन-सुन कर. एक ही टेप 20 साल से चला रहा है. 300, 300, 300... अरे भाई मैं भी वहीं था, जब तूने 300 किया है, मैं भी देख रहा था, पूरा पाकिस्तान भी देख रहा था. बहुत अच्छा खेला था, बहुत ही टॉप क्लास खेला था.

तुझे पता है ना मेरा रिलेशनशिप हैं वहां पर...

शोएब अख्तर आगे कह रहे हैं कि बस कर, अगर तुझे

अगर तुझे गिनीज बुक में एंट्री चाहिए ना 300 की तो मैं सीधे करवा सकता हूं. तुझे पता है ना मेरा रिलेशनशिप हैं वहां पर. तेरी एंट्री मैं करवा सकता हूं. दुनिया में सबसे ज्यादा 300-300 का जिक्र करने वाला वीरेन्द्र सहवाग... और देख अगर तुझे चाहिए गिनीज बुक में एंट्री कराने के लिए तो अपने से बात कर भाई, क्योंकि अपने पास एक असली रिकॉर्ड है. तू जानता है ना कौन सा... बहरहाल, सोशल मीडिया पर शोएब अख्तर का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इसके अलावा सोशल मीडिया यूजर्स लगातार कमेंट्स कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. बताते चलें कि भारतीय टीम तकरीबन 21 साल पहले पाकिस्तान के दौरे पर गई थी. उस दौरे पर भारत और पाकिस्तान के बीच 3 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली गई थी. इस सीरीज का पहला टेस्ट मुल्तान में खेला गया था. उस टेस्ट में वीरेंद्र सहवाग ने 309 रन बनाए थे. उन्होंने अपनी इनिंग में 39 चौके और 6 छक्के जड़े थे. वहीं, भारतीय टीम ने पहली पारी में 5 विकेट पर 675 रनों का स्कोर बनाया था. साथ ही राहुल द्रविड़ की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने पाकिस्तान को इनिंग और 52 रनों से हराया था ।

जिम्नास्ट प्रणति नायक का शानदार प्रदर्शन

एफआईजी विश्व कप में कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जिम्नास्ट प्रणति नायक ने शनिवार को तुर्की के अंताल्या में एफआईजी कलात्मक जिम्नास्टिक एपरेट्स विश्व कप के वॉल्ट फाइनल में कांस्य पदक हासिल किया। टोक्यो ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली 29 वर्षीय प्रणति ने वॉल्ट फाइनल में कुल 13.417 का स्कोर बनाया तथा जयला हैंग (13.667) और क्लेयर पीज (13.567) की अमेरिकी जोड़ी के पीछे तीसरे स्थान पर रहीं। प्रणति ने वॉल्ट क्वालिफिकेशन में 13.317 का स्कोर बनाया था। उन्होंने कहा, साल की शुरुआत पदक के साथ करना शानदार अहसास है। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। मैंने पिछले साल भी जीत हासिल की थी, इसलिए मैं वाकई बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा, मेरी नजरें अब एशिया चैंपियनशिप और विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने पर हैं, यही इस साल का लक्ष्य है। प्रणति ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक से पहले काहिरा में एफआईजी अपैरटस विश्व कप की महिला वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने 2019 (उलनबटेर) और 2022 (दोहा) में एशियाई चैंपियनशिप में वॉल्ट कांस्य पदक भी जीते। प्रणति वॉल्ट में अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय जिमनास्ट हैं, उनसे पहले दीपा करमाकर (2018 मर्सिन गोल्ड, 2018 कॉटबस कांस्य) और अरुणा रेड्डी (2018 मेलबर्न में विश्व कप) ने पदक जीता है। उन्होंने 2014 और 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के साथ-साथ 2014 और 2018 एशियाई खेलों में भी भाग लिया। इसके अलावा उन्होंने 2014, 2017 और 2019 विश्व चैंपियनशिप में भी देश का प्रतिनिधित्व किया।

डेविड वॉर्नर ने भारतीय एयरलाइंस पर निकाली भड़ास

बिना पायलट वाले विमान में घंटों करना पड़ा इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के स्टार क्रिकेटर डेविड वॉर्नर को शनिवार को नई दिल्ली में एयर इंडिया की फ्लाइट में असामान्य देरी का सामना करना पड़ा जिसके बाद उन्होंने भारतीय एयरलाइंस एयर इंडिया

पर जमकर भड़ास निकाली। वॉर्नर और अन्य यात्रियों को एक ऐसे विमान में चढ़ने के लिए मजबूर किया गया जिसमें कोई पायलट नहीं था जिसके कारण उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ा। वार्नर को आईपीएल मेगा नीलामी में नहीं मिला जिसके बाद वह पाकिस्तान सुपर लीग सीजन 10 के ड्राफ्ट के लिए पंजीकृत हो गए। 2009 से आईपीएल में खेलने वाले वॉर्नर ने दिल्ली कैपिटल्स या सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला है और 2016 में सनराइजर्स को अपना पहला और एकमात्र आईपीएल खिताब दिलाने में भी मद की है। वह पिछली बार आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेले थे जिसमें उन्होंने आठ मैच खेले और 168 रन बनाए थे।

वॉर्नर ने सोशल मीडिया पर इसे लेकर अपनी निराशा व्यक्त की है। वॉर्नर ने एक्स पर लिखा, हम बिना पायलट वाले विमान में सवार हुए और घंटों विमान में इंतजार करते रहे। आप यात्रियों को क्यों चढ़ाएंगे, यह जानते हुए कि आपके पास विमान के लिए कोई पायलट नहीं है?

इस पर एयर इंडिया ने भी अपनी प्रतिक्रिया साझा की है। एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि बेंगलुरु में खराब मौसम की वजह से इस क्षेत्र में उड़ने वाली सभी एयरलाइनों में देरी हुई। एयर इंडिया ने जवाब में लिखा, आपकी फ्लाइट का संचालन करने वाला चालक दल इन व्यवधानों से प्रभावित पहले के असाइनमेंट पर रुका हुआ था जिसके कारण प्रस्थान में देरी हुई। हम आपके धैर्य की सराहना करते हैं और हमारे साथ उड़ान भरने का विकल्प चुनने के लिए आपका धन्यवाद करते हैं।

आईपीएल 2025:

कोहली के अर्धशतक के सेलीब्रेशन के बीच मैदान में आ घुसा फैन, पैरों में गिरा, कोहली ने लगाया गले

कोलकाता, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2025 का आगाज जीत के साथ करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के बीच विराट कोहली की फैन फॉलोइंग ने एक बार फिर सबको हैरान कर दिया जब एक फैन कोहली के अर्धशतक के बाद तारों के उपर से निकलते हुए सुरक्षा घेरा तोड़कर मैदान में पहुंचा और उनके पैरों में जा गिरा। कोलकाता से मिले 175 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली ने 12.5 ओवर में हर्षित राणा की गेंद पर चौका लगाकर अर्धशतक पूरा किया। कोहली अर्धशतक का जश्न मना रहे थे कि उनका एक फैन सुरक्षा घेरा तोड़कर मैदान में आ गया और कोहली के पांव में आ गिरा। इसके बाद कोहली के कहने पर उठा और कोहली ने फैन को गले लगाया जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने उसे मैदान से बाहर कर दिया। कोहली ने जीत में अहम भूमिका निभाते हुए 36 गेंदों पर नाबाद 59 रन बनाकर टीम का नेतृत्व किया। आरसीबी ने 175 रनों के लक्ष्य को केवल 16.2 ओवर में सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। कोहली के अलावा फिल सॉल्ट ने भी (56) अर्धशतकीय पारी खेली जबकि रजत पाटीदार ने 16 गेंदों पर 34 रन बनाए।

टीबी मुक्त भारत के लिए नेता और अभिनेता के बीच खेला गया टी-20 मैच

मुंबई, एजेंसी। भाजपा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने टीबी मुक्त भारत जागरूकता अभियान के लिए मुंबई के एमसीए क्रिकेट स्टेडियम में राजनेताओं और अभिनेताओं के बीच एक टी-20 क्रिकेट मैच का आयोजन किया। इस पहल की सराहना करते हुए, अर्जुन कपूर ने कहा कि चूंकि आईपीएल अभी शुरू हुआ है, इसलिए यूसुफ पठान को भी खेलने का मन कर रहा है। 2 स्टेट्स के अभिनेता ने साझा किया कि उन्हें स्टेडियम से बाहर गेंद मारते हुए देखना अच्छा लगता है। उन्होंने कहा, मनोरंजन, राजनीति और खेल किसी भी तरह का संदेश पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण आधार हैं। इसलिए, यह बहुत अच्छा लगता है कि हम सभी ऐसे महत्वपूर्ण कार्य के लिए एक साथ आ सकते हैं। इसके अलावा, अभिनेता अर्जुन रामपाल ने कहा, मुझे लगता है कि यह पहल बहुत अच्छी है। यह प्रधानमंत्री मोदी द्वारा एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहल है। अनुराग ठाकुर ने मुझे बताया कि हमारी 28 फीसदी आबादी टीबी का शिकार हो

गई है। इसलिए, इस बारे में जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी है। मुझे उम्मीद है कि यह संदेश सभी तक पहुंचेगा और हम 2025 तक टीबी मुक्त भारत के सपने को साकार करने में सक्षम होंगे। इसके अलावा, अभिनेता राजपाल यादव ने कहा कि रोग मुक्त होने के लिए फिटनेस बेहद जरूरी है। फिट रहने के लिए खेल एक बहुत प्रभावी तरीका है। अभिनेता डिनो मोरिया ने कहा, देश के तीन सबसे प्रिय क्षेत्र- मनोरंजन, क्रिकेट और राजनीति देश से टीबी को मिटाने की पहल का समर्थन करने के लिए एक साथ आए हैं। टीबी एक बहुत ही गंभीर बीमारी है और अगर हम इस मैच के माध्यम से देश से इस बीमारी को मिटाने का संदेश देने में सक्षम हैं तो यह एक बड़ी पहल होगी। यह मैच अनुराग ठाकुर की अगुआई वाली लीडर्स इलेवन और सुनील शेट्टी की कप्तानी वाली एक्टर्स इलेवन के बीच खेला गया। इस मैच में महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, अभिनेता सलमान खान, सांसद सुप्रिया सुले, अरविंद सावंत और पूर्व सांसद प्रीतम मुंडे भी शामिल थे।

जिला स्तरीय अंडर 7 शतरंज प्रतियोगिता में दिविशा और मेदांश बने चैंपियन

जोधपुर, एजेंसी। सरदारपुरा स्थित गुलाबदास जगन्नाथ धूत स्मृति भवन में एडहॉक समिति, जोधपुर जिला शतरंज संघ द्वारा जोधाणा शतरंज अकादमी के सहयोग से आयोजित अंडर 7 वर्ग शतरंज प्रतियोगिता संपन्न हुई। बालक वर्ग में चार चक्र तथा बालिका वर्ग में तीन चक्रों में मुकाबले पूर्ण हुए। बालक वर्ग में मेदांश धाणदिया 4 में से 4 अंक प्राप्त कर विजेता बने जबकि बालिका वर्ग में दिविशा राठी चैंपियन बनी। बालक वर्ग में द्वितीय स्थान पर्व गट्टानी एवं तृतीय स्थान पर दुआशं भाटी, चौथे पर अर्श राव रहे। बालिका वर्ग में वाणी बिड़ला उप विजेता बनी।

तदर्थ समिति के संयोजक संजय पारख ने बताया कि चुने गए खिलाड़ी राज्य स्तरीय अंडर 7 प्रतियोगिता में जोधपुर जिला का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक डॉ जयमल सिंह राठौड़ ने स्विस पद्धति से मुकाबले पूर्ण करवाए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रोटेरियन विजय चौधरी, तथा

विशिष्ठ अतिथि दिनेश गौड़ उपस्थित थे। आयोजन सचिव मोहम्मद आरिफ ने अतिथियों का स्वागत किया। विरेंद्र हरखानी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

न्यूजीलैंड-पाकिस्तान

पाकिस्तान के नाम एक और फजीहत टी20 सीरीज भी हाथ से निकली

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद शानदार आगाज किया है। पाकिस्तान के खिलाफ खेली जा रही 5 टी20 मैचों की सीरीज में उन्हें 3-1 की अजेय बढ़त हासिल हो चुकी है। न्यूजीलैंड ने माउंट माउंगानुई के बे ओवल में पहले खेलते हुए सीफर्ट के 44, फिन ऐलन के 50, कप्तान माइकल ब्रेसवेल के 46 रनों की बदौलत 220 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी पाकिस्तान 105 रन ही बना पाई। ऐसी उम्मीद थी कि पाकिस्तान यह मैच जीतकर सीरीज को 2-2 की बराबरी पर लाएगी ताकि पांचवां मुकाबला निर्णायक हो। लेकिन पाकिस्तान की टीम चौथे टी20 में घुटने टेक गई।

न्यूजीलैंड: 220/6 (20 ओवर)

फिन एलन और टिम सीफर्ट एक बार फिर से ओपनिंग पर आए और अपनी टीम को उम्मीद मुताबिक शुरूआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 4.1 ओवर में ही 59 रन जोड़ दिए। सीफर्ट ने 22 गेंदों पर 3 चौके और 4 छक्कों की मदद से 44 रन बनाए। फिन ने 20 गेंदों पर 6 चौके और 3 छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। चापमैन ने 16 गेंदों पर 24 रन बनाए। वह हारिस रऊफ की गेंद पर बोल्ड हुए। डेरिल मिचेल ने एक छोर संभाला और 23 गेंदों पर 29 रन बनाए। कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने 26 गेंदों पर 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 46 रन बनाए और स्कोर 6 विकेट पर 220 तक पहुंचा दिया। पाकिस्तान के लिए हारिस रऊफ ने 27 रन देकर 3 विकेट लीं।

पाकिस्तान: 105/10 (16.2 ओवर)

हसन नवाज जिन्होंने पिछले मैच में शतक बनाया था। इस पर एक रन बनाकर जैकब डफी का शिकार हो गए। मोहम्मद हारिस 2 तो कप्तान सलमान अली आगा 1 ही रन बना पाए। 9 रन पर 3 विकेट गिर जाने के बाद इरफान खान ने एक छोर संभाला। इस दौरान शादाब खान 1 तो खुशदिल शाह 6 रन बनाकर आऊट हो गए। अब्दुल समद ने एक छोर संभाला लेकिन पाकिस्तान का टेल एंडर साथ छोड़ता गया। आखिरकार पाकिस्तान की पूरी टीम 105 रन पर ऑलआऊट हो गई। न्यूजीलैंड के लिए जैकब डफी ने 20 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट लिए।

संक्षिप्त समाचार

जेएनयूएसयू का विरोध प्रदर्शन जारी, प्रशासन ने कहा होगी कार्रवाई

नईदिल्ली, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) ने अपने चल रहे आंदोलन को और तेज करने का ऐलान किया है। जेएनयूएसयू अध्यक्ष धनंजय द्वारा जारी एक बयान में प्रशासन से छात्रों की प्रमुख मांगों को तत्काल पूरा करने की मांग की गई है। छात्र संघ अध्यक्ष धनंजय कुमार ने कहा है कि लंबे समय से हमारी मांग है कि बाराक छात्रावास के आवंटन की प्रक्रिया को तत्काल शुरू की जाए जो अब तक नहीं शुरू हुई है। हमें विरोध करते हुए 15 दिन से अधिक हो गए हैं लेकिन हमारी मांगों की अनदेखी की जा रही है। हमारी मांगों में छात्रों के खिलाफ अनुशासनात्मक जांच वापस लेना भी शामिल है। विशेष रूप से जेएनयूएसयू संयुक्त सचिव साजिद के खिलाफ चल रही जांच को खत्म करना शामिल है। इसके अलावा, जेएनयूएसयू ने प्रशासन से श्रेणीवार छात्रावास आवंटन का विवरण जारी करने की मांग की है। छात्रसंघ का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन इस मुद्दे पर टालमटोल कर रहा है, जिससे छात्रों में भारी असंतोष है। छात्रसंघ और छात्र संगठनों का यह प्रदर्शन डीन कार्यालय घेरो आंदोलन के तहत चल रहा है, जिसमें छात्र 16 दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होतीं, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। उधर जेएनयू प्रशासन ने डीन ऑफ स्टूडेंट्स के कार्यालय और इंटर हॉल एडमिनिस्ट्रेशन के परिसर में किए गए घेराव और विरोध प्रदर्शन को अवैध बताया है। प्रशासन ने साफ किया कि इन गतिविधियों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, उच्च न्यायालय द्वारा 100 मीटर के दायरे में विरोध प्रदर्शन पर रोक लगाने के आदेश का उल्लंघन भी एक गंभीर अपराध है। जो यहां के छात्र नेताओं द्वारा किया जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक बयान जारी कर कहा है कि छात्र संघ पदाधिकारियों द्वारा जो व्यवहार किया जा रहा है वह अनुचित है। यहां कर्मचारियों को अवैध तरीके बंधक बनाया गया है।

दिल्ली के डियर पार्क में पेड़ से लटकी मिलीं लड़का-लड़की की लाशें, इलाके में सनसनी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के दक्षिण पश्चिम जिले में डियर पार्क के एक पेड़ से एक लड़का और एक लड़की के शव लटके मिले। दिल्ली पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में आत्महत्या का मामला लग रहा है। आगे की जांच चल रही है। पार्क में अचानक एक लड़का और लड़की की लाश मिलने से वहां के स्थानीय लोग भी चौंक गए हैं। पेड़ पर दोनों के शव मिलने की जानकारी सबसे पहले वहां के सिक्योरिटी गार्ड ने दी है। दिल्ली पुलिस ने घटना के संबंध में बताया कि आज सुबह 06:31 बजे, बलजीत सिंह (उम्र 35 वर्ष, निवासी हौज खास गांव, दिल्ली, जो डियर पार्क, हौज खास, दिल्ली में जिला पार्क में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करते हैं) ने पीसीआर कॉल करके एक पेड़ की शाखा पर एक लड़का और एक लड़की के लटके होने की सूचना दी। कॉल मिलते ही पुलिस कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंच गए थे। पेड़ पर लटके लड़का और लड़की की पहचान हो गई है। मृत युवक का नाम दीपक है और उसकी उम्र 21 साल है और वह दिल्ली में झुग्गी नंबर 5, पिलांजी गांव, मकान नंबर 1711 में रहता था। भाई गणेश ने बताया कि दीपक कल दोपहर लगभग 2:00 बजे घर से निकला था। दीपक लोधी कॉलोनी में एक पिज्जा की दुकान में काम करता था। लड़की की उम्र 18 साल है और उसका नाम सिरजना है। लड़की मकान नंबर 172, गली नंबर 1, छतरपुर एन्क्लेव, फेज टू, छतरपुर, दिल्ली की निवासी है। उसकी बहन, सपना ने बताया कि सिरजना पिछले तीन दिनों से अपनी चाची के साथ हुमायुंपुर गांव, एसजेई में रह रही थी। वह कल दोपहर लगभग 2:00 बजे अपनी चाची के घर से काम के लिए छतरपुर एन्क्लेव वापस जाने के इरादे से निकली थी। पाया कि लड़के ने काली टी-शर्ट और नीली जींस पहनी थी और लड़की ने हरे रंग की पोशाक पहनी थी। दोनों एक ही नायलॉन की रस्सी से पेड़ की शाखा पर लटके हुए पाए गए थे। दिल्ली पुलिस ने आगे बताया कि अपराध टीम को निरीक्षण के लिए बुलाया गया और शवों को मुर्दाघर में भेज दिया गया है।

दिल्ली में बांग्लादेशियों को पनाह देने वाले गैंग का भंडाफोड़, बनाते थे फर्जी आधार और पैन कार्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेशियों को अवैध रूप से शरण देने वाले गैंग का पर्दाफाश किया है। टीम ने आठ जालसाजों समेत 16 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी, बांग्लादेशियों को शरण और नौकरी देने के साथ फर्जी दस्तावेज बनवाने का काम करते थे। डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि गैंग का सरगना मोईनुद्दीन है जो निजामुद्दीन में रहता है। उसका अमीर खुसरो नगर में साइबर कैफे है। आरोपी फोटोशॉप से अवैध रूप से देश में आने वाले बांग्लादेशियों का फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र समेत अन्य फर्जी दस्तावेज बनाता था।

जानकारी के अनुसार, दक्षिणी जिला पुलिस ने बांग्लादेशियों समेत उन्हें अवैध रूप से शरण देने वाले गैंग का पर्दाफाश किया है। पकड़े गए जालसाज फोटोशॉप और एडिटिंग टूल्स की मदद से फर्जी दस्तावेज बनवाने से लेकर नौकरी दिलवाने तक का काम करते थे। आरोपियों के कब्जे से 23 मतदाता पहचान पत्र, 19 पैन कार्ड, 17 आधार कार्ड, एक सीपीयू, 11 जन्म प्रमाणपत्र और अन्य कागजात बरामद किए गए हैं। आरोपी यूपीआई ऐप के जरिये बॉर्डर के एजेंटों को रुपये भेजते थे। इसके बाद एजेंट रुपये दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों के परिजनों तक पहुंचा देते थे।

डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि गैंग का सरगना बस्ती निजामुद्दीन निवासी मोहम्मद मोईनुद्दीन फोटोशॉप और एडिटिंग टूल्स की मदद से अवैध रूप से देश में आने वाले बांग्लादेशियों का फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र समेत अन्य फर्जी दस्तावेज बनाता था। आरोपी इस पूरे रैकेट को पुल पहलादपुर निवासी यूआईडीएआई रजिस्टर्ड आधार एजेंट जुल्फीकार अंसारी, यूपी के बुलंदशहर निवासी जावेद और फरमान खान के साथ मिलकर संचालित कर रहा था। इसके अलावा निजामुद्दीन बस्ती निवासी मोहम्मद शाहीन दिल्ली में बांग्लादेशियों को डिलीवरी और साफ-सफाई का काम दिला देता था। बस्ती निजामुद्दीन निवासी मनवर हुसैन और पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना निवासी निमाई करमाकर व गौरंगा दत्ता दिल्ली से अवैध रूप से बांग्लादेश नकदी भेजने का काम करते थे। मनवर दरगाह हजरत निजामुद्दीन में काम करता था और निमाई व गौरंगा फॉरेक्स एजेंट है।

पकड़े गए बांग्लादेशियों में से निजामुद्दीन के भोगल में रह रहा मोहम्मद जेवेल इस्लाम और उसका बड़ा भाई मोहम्मद आलमगीर दिल्ली आने के बाद कबाड़ व्यापारी का काम कर रहे थे। आलमगीर ने 2007 में एक भारतीय महिला से शादी कर ली और उसके दो बच्चे भी हैं। इस्लाम 2021 में भारत आया था। इसके अलावा कोटला मुबारकपुर में रहने वाले लतीफ खान, मोहम्मद मिजानुर रहमान और रबिउल हैं। तीनों का परिवार बांग्लादेश में ही रहता है। लतीफ का भाई नदीम शेख 2021 में दिल्ली आकर साफ-सफाई का काम करने लगा। इनके अलावा भलस्वा डेयरी के जेजे कॉलोनी में अवैध रूप से रह रहे मोहम्मद रिजाउल ने साल 2000 में यहां आने के बाद भारतीय महिला से शादी कर ली और कैब चालक का काम करने लगा। उसने किसी तरह से भारतीय पासपोर्ट बनवाया।

कनाडा के नागरिकों से ठगी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 13 हुए अरेस्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। कनाडा के नागरिकों को तकनीकी सपोर्ट देने के नाम पर ठगी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर का साइबर थाना पुलिस ने शुक्रवार देर रात भंडाफोड़ किया। कॉल सेंटर में काम करने वाले दो युवतियों समेत 13 लोगों को मौके गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक यह कॉल सेंटर बीते एक महीने से सुशांतलोक फेज-तीन के बी-ब्लॉक में चल रहा था।

पुलिस ने कॉल सेंटर से 12 लैपटॉप और तीन मोबाइल फोन को जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफ साइबर थाना दक्षिण में विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। एसीपी साइबर प्रियांशु दीवान ने बताया कि साइबर थाना दक्षिण टीम को फर्जी कॉल सेंटर चलने की जानकारी मिली थी। इस पर टीम को तैयार किया गया। टीम ने सुशांतलोक फेज-तीन के बी-ब्लॉक के मकान में छापेमारी की। रात में लैपटॉप पर और डायलर के जरिए वह कनाडा के लोगों से बातचीत कर रहे थे।

टीम ने मौके से विशाल दुबे, शुभम दुबे, हर्षित मिश्रा, रवि कौशिक, सौरभ तंवर, अक्षत कुंडू, अंकित चौहान, अक्षय, प्रिंस, सूरज, देवांश, निशि शुक्ला और दिति शुक्ला को गिरफ्तार किया गया। कॉल सेंटर का मास्टर माइंड सूरज है,जो कॉल सेंटर को संचालित कर रहा था। आरोपी कॉल सेंटर में काम करने वालों को हर महीने 30 हजार रुपये का वेतन भी देता था। यह टीम पिछले एक महीने से माइक्रोसॉफ्ट सपोर्ट देने का झांसा देकर विदेशी नागरिकों को निशाना बना रही थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी कनाडा नागरिकों के कंप्यूटर पर पॉप-अप वायरस भेजते थे, जिससे उन्हें एक टोल-फ्री नंबर पर कॉल करने के लिए प्रेरित किया जाता था, जो कॉल सेंटर से जुड़ जाता था। इसके बाद एजेंट माइक्रोसॉफ्ट के प्रतिनिधि बनकर नागरिकों की बैंकिंग जानकारी लीक होने का दावा करते थे। पीड़ितों को उनके कंप्यूटर तक रिमोट एक्सेस पाने के लिए स्क्रीन-शेयरिंग एप्लिकेशन डाउनलोड करने के लिए राजी करते थे।

दिल्ली में आप के 22 में से 3 विधायकों को स्पीकर ने दिया खास जिम्मा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने 14 विधायकों को वर्ष 2025-26 के लिए दिल्ली नगर निगम में नामित किया है। इनमें 11 विधायक भाजपा और तीन विधायक आम आदमी पार्टी के हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि नामित विधायक नागरिक प्रशासन को सुदृढ़ बनाने में सहयोग करेंगे। गुप्ता ने कहा कि नामित विधायकों की भूमिका दिल्ली नगर निगम में बजट निर्माण, नागरिक प्रशासन और शहरी शासन में सहयोग देने की होगी। ये विधायक स्वच्छता, बुनियादी ढांचे के विकास और नगर निगम से जुड़ी अन्य चुनौतियों के समाधान में अहम भूमिका निभाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि इनकी विशेषज्ञता नगर निगम की सेवाओं को मजबूत करने, शहरी विकास को गति देने और कचरा प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण और सार्वजनिक स्वच्छता जैसी चुनौतियों के समाधान में मददगार होगी। जिन विधायकों को नगर निगम के लिए नामित किया गया है उनमें 11 भाजपा विधायक हैं। इनमें आरके पुरम विधायक अनिल कुमार शर्मा, संगम विहार विधायक चंदन कुमार चौधरी, रोहतास नगर विधायक जितेन्द्र महाजन, शकूर बस्ती विधायक करनैल सिंह, नांगलोई जाट विधायक मनोज कुमार शौकीन, नजफगढ़ विधायक नीलम पहलवान, द्वारका विधायक प्रद्युम्न सिंह राजपूत, आदर्श नगर विधायक राजकुमार भाटिया, त्रिलोकपुरी विधायक रविकांत, शाहदरा विधायक संजय गोयल और जंगपुरा विधायक तरविंदर सिंह मरवाह के नाम शामिल हैं। स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने एमसीडी में आम आदमी पार्टी के तीन विधायकों को खास जिम्मेदारी दी है। उन्होंने पटेल नगर से प्रवेश रत्न, बदरपुर से राम सिंह नेताजी और गोकलपुर से सुरेन्द्र कुमार को नामित किया है।

दिल्ली में जनवरी-फरवरी के बाद मार्च भी अब तक सूखा, सामान्य से 87 प्रतिशत कम हुई बारिश

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में जनवरी और फरवरी के बाद अब मार्च का महीना भी सूखा साबित हो रहा है। मौसम विभाग के आंकड़े बताते हैं कि मार्च के महीने में अब तक के दिनों में सामान्य से 87 फीसदी कम बारिश हुई है। महीने के बचे हुए दिनों में भी बारिश की संभावना कम है। इसके चलते दिल्ली के लोगों को सामान्य से ज्यादा गर्म मौसम का सामना भी करना पड़ रहा है।

राजधानी में आमतौर पर जून से लेकर सितंबर महीने का समय मॉनसून की बारिश वाला रहता है। लेकिन मॉनसून की वापसी के बाद जाड़े के समय भी पश्चिमी विक्षोभों के चलते हल्की बारिश होती रहती है। इस हल्की बारिश का भी मौसम पर खासा असर होता है।

दरअसल, पश्चिमी विक्षोभों के चलते उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हिमपात होता है और उत्तर भारत के बड़े हिस्से में बारिश होती है। इससे मौसम ठंडा और नम होता है, लेकिन इस बार सक्रिय पश्चिम विक्षोभ कम आए हैं। बीच-बीच में कुछ पश्चिमी विक्षोभों का असर तो मौसम पर दिखा, लेकिन यह पश्चिमी विक्षोभ आमतौर पर कमजोर रहे हैं। इस कारण से इनके चलते हल्की बारिश ही हुई। इसका असर तापमान पर भी देखने को मिला है। आंकड़े बताते हैं कि जनवरी महीने में दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में सामान्य से 65 फीसदी कम बारिश हुई थी, जबकि फरवरी महीने में भी सामान्य से 93 फीसदी से कम बारिश हुई थी। मार्च के महीने में भी मौसम का यह रुख बना हुआ है। मार्च महीने के अभी तक के दिनों में सामान्य तौर पर 14.1 मिलीमीटर बारिश होनी चाहिए, लेकिन अभी तक 1.8 मिलीमीटर बारिश ही हुई है। वहीं, राजधानी दिल्ली में अगले दो-तीन दिनों के बीच सुबह से ही तेज धूप निकलने के आसार हैं। इसके चलते दिल्ली के अधिकतम तापमान में भी बढ़ोतरी होगी। अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में दो डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में शनिवार की सुबह से ही धूप रही जो दिन चढ़ने के साथ और तेज हो गई। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। जबकि, न्यूनतम तापमान 16.7 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस कम है। यहां पर आर्द्रता का स्तर 80 से 30 फीसदी तक रहा।

दक्षिण कोरिया में जंगलों की आग में चार लोगों की जान गई, इमरजेंसी घोषित

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में कई जंगलों में आग लगी हुई है। इनमें चार लोगों की जान चली गई है, जबकि हजारों लोग अपने घरों से बेघर हुए हैं। ऐसे में दक्षिण कोरिया ने इमरजेंसी घोषित कर दी है। कोरिया फॉरेस्ट सर्विस ने कहा कि इस आग के चलते 847 हेक्टेयर जंगल नष्ट हो गए हैं, जबकि इलाके से 260 रेजिडेंट्स को यहां से सुरक्षित निकाला गया है। देश के विभिन्न हिस्से के जंगलों में फैली आग ने स्थानीय निवासियों के साथ अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है। आग बुझाने के प्रयासों में जुटे फायरफाइटर्स और राहत कर्मियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस दौरान भारी धुंआ और तेज हवा ने आग को और भी फैलने में मदद की, जिससे दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाना बेहद कठिन हो गया है।

दक्षिण ग्योंगसांग प्रांत में शुक्रवार को शुरू हुई आग ने शनिवार दोपहर तक 275 हेक्टेयर यानी 680 एकड़ क्षेत्र को अपनी जद में ले लिया। इस आग को काबू करने की कोशिश में जुटे दो दमकलकर्मियों की जान

चली गई। अधिकारियों के मुताबिक, 200 से अधिक लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने सूर्यास्त से पहले आग पर काबू पाने के लिए हर संभव प्रयास करने का निर्देश दिया था। आग की भीषण स्थिति को देखते हुए दक्षिण कोरियाई सरकार ने शनिवार शाम को प्रभावित क्षेत्र को आपदा क्षेत्र घोषित कर दिया।

अमेरिका के लास क्रूसेस शहर में पार्क में गोलीबारी, तीन की मौत, 15 घायल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के न्यू मेक्सिको राज्य के लास क्रूसेस शहर में एक पार्क में गोलीबारी की घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए. न्यूज एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, घायलों में 16 से 36 वर्ष की आयु के व्यक्ति शामिल हैं, जिन्हें गोली लगी है. बाद में घायलों को अस्पताल ले जाया गया.

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पार्क के एक बड़े हिस्से में 50 से 60 हैंडगन के खोल बिखरे पड़े थे, जिससे संकेत मिलता है कि दो समूहों के बीच कई शूटर और कई हथियार थे. उनके बीच आपसी दुश्मनी या विवाद के कारण गोलीबारी हुई. उन्होंने बताया कि गोलीबारी में कई अन्य घायल हुए हैं.

पुलिस ने बताया कि मृतकों में 16 वर्षीय लड़का और 18 तथा 19 वर्ष की आयु के दो पुरुष शामिल हैं. स्थानीय पुलिस गोलीबारी की घटना की जांच कर रही है. न्यू मेक्सिको राज्य पुलिस, डोना एना काउंटी शेरिफ कार्यालय, एफबीआई और अन्य एजेंसियां जांच में सहयोग कर रही हैं. लास क्रूसेस के फायर चीफ माइकल डेनियल ने कहा कि 11 घायलों को तीन स्थानीय अस्पतालों या एल पासो के यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर, क्षेत्रीय ट्रॉमा सेंटर में भेजा गया. उन्होंने कहा कि शनिवार तक सात पीड़ित एल पासो में थे और इलाज के बाद चार को छुट्टी दे दी गई.

पुलिस अधिकारी हमलावरों या संदिग्धों की पहचान करने के लिए पार्क से वीडियो और वहां मौजूद लोगों से पूछताछ कर रहे हैं. एक पुलिस अधिकरी ने कहा कि यह भयावह और मूर्खतापूर्ण कृत्य है, जो न्यू मेक्सिको के कानून-व्यवस्था की घोर उपेक्षा की याद दिलाता है. उन्होंने कि सभी अपराधियों को घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

पोप फ्रांसिस को अस्पताल से मिलेगी छुट्टी, दो महीने करना होगा बेड रेस्ट

रोम , एजेंसी। पोप फ्रांसिस को दोनों फेफड़ों में निमोनिया की बीमारी से 38 दिनों तक जूझने के बाद रविवार को अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। यह जानकारी उनके डाक्टरों ने दी है। जेमेली के चिकित्सा निदेशक डॉ सर्जियो अल्फिएरी ने कहा कि फ्रांसिस को वेटिकन में स्वास्थ्य लाभ के लिए कम से कम दो महीने के आराम की आवश्यकता होगी। फ्रांसिस को ब्रोंकाइटिस की समस्या के कारण 14 फरवरी को जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उन्हें निमोनिया हो गया, जिससे उनकी जान को खतरा हो गया था।

पोप फ्रांसिस के डॉक्टरों ने एक महीने में पोप की स्थिति पर पहली बार व्यक्तिगत रूप से जानकारी दी, जो इस बात का संकेत है कि उन्होंने डबल निमोनिया के खिलाफ अपनी लड़ाई में अच्छी और स्थिर प्रगति की है। 21 फरवरी को 88 वर्षीय फ्रांसिस को गेमेली अस्पताल में लाए जाने के बाद उन्हें कई बार सांस लेने में तकलीफ हुई, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई, हालांकि अब उनकी हालत ठीक है। एक अन्य घटनाक्रम में वेटिकन ने घोषणा की कि फ्रांसिस रविवार की सुबह अस्पताल में अपने 10वीं मंजिल के सुइट से श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देने के लिए आएंगे।

यूनिसेफ ने लड़कियों की शिक्षा पर लगे प्रतिबंध हटाने की अपील की, कहा- भविष्य खतरे में

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की बाल एजेंसी यूनिसेफ ने अफगानिस्तान में तालिबान से लड़कियों की शिक्षा पर लगे बैन को हटाने की अपील की है। एजेंसी ने शनिवार को कहा कि 2021 में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद लाखों लड़कियां शिक्षा से वंचित हैं। यूनिसेफ के मुताबिक बैन की वजह से इस साल 4 लाख लड़कियां स्कूल नहीं जा सकी। इससे शिक्षा से वंचित लड़कियों की संख्या 22 लाख हो गई है। अफगानिस्तान में लड़कियों की माध्यमिक और उच्च शिक्षा पर पाबंदी है। यूनिसेफकी कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल के मुताबिक इस प्रतिबंध के चलते महिला डॉक्टरों और दाइयों की संख्या में भारी गिरावट होगी, जिससे लाखों महिलाओं को जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पाएंगी। उनका अनुमान है कि इससे 1,600 माताओं और 3,500 नवजात शिशुओं की जान जा सकती है।

यूनिसेफ ने यह पहल इसलिए की है, ताकि उन लाखों लड़कियों का भविष्य बचाया जा सके जो 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से

शिक्षा के अधिकार से वंचित हैं। यूनिसेफ ने यह अपील ऐसे समय में की है जब अफगानिस्तान में नया अकादमिक वर्ष शुरू हुआ है। एजेंसी ने कहा कि इस प्रतिबंध के कारण 4,00,000 और लड़कियां शिक्षा के अधिकार से वंचित हो गई हैं तथा इसी के साथ ऐसी लड़कियों की कुल संख्या 22 लाख हो गई है जो छठी कक्षा के बाद पढ़ नहीं सकीं। अफगानिस्तान दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहां लड़कियों की माध्यमिक और उच्च शिक्षा पर प्रतिबंध है। तालिबान के अनुसार यह प्रतिबंध उचित है क्योंकि यह शिक्षा व्यवस्था शरिया या इस्लामी कानून की व्याख्या के अनुरूप नहीं है। यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल ने एक बयान में कहा, ''तीन साल से अधिक समय से अफगानिस्तान में लड़कियों के अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''सभी लड़कियों को अब स्कूल लौटने की अनुमति दी जानी चाहिए।

अगर इन सक्षम एवं प्रतिभाशाली युवतियों को शिक्षा से वंचित रखा जाता रहा तो इसके परिणाम कई पीढ़ियों तक रहेंगे।'' उन्होंने कहा कि इस प्रतिबंध से लाखों अफगान लड़कियों के भविष्य को नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि यदि प्रतिबंध 2030 तक जारी रहता है, तो ''40 लाख से अधिक लड़कियां प्राथमिक स्कूल से आगे की शिक्षा के अपने अधिकार से वंचित हो जाएंगी।'' उन्होंने कहा कि इसके परिणाम ''विनाशकारी'' होंगे। रसेल ने चेतावनी दी कि महिला चिकित्सकों और दाइयों की संख्या में कमी के कारण महिलाओं एवं लड़कियों को चिकित्सकीय देखभाल नहीं मिल पाएगी जिसके परिणामस्वरूप करीब 1,600 अतिरिक्त माताओं और 3,500 से अधिक अतिरिक्त शिशुओं की मौत होने की आशंका है। उन्होंने कहा, ''ये केवल संख्याएं नहीं हैं, ये आंकड़े खोई हुई जिंदगियों और बिखरते परिवारों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

12_16.12..2018 PAGE-04.qxd 23-03-2025 22:13 Page 1

बैंक ऑफ इंडिया इम्पलाईज यूनियन का दो दिवसीय सम्मेलन सम्पन्न

श्रमिकों के हितार्थ कानूनों को 4 लेबर कोड में समाहित करना श्रमिकों से धोखाः एएम परेरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बैंक ऑफ इंडिया ईम्पलईज यूनियन, झारखंड स्टेट का 8 वां त्रैवार्षिक दो दिवसीय सम्मेलन, श्रमिकों के हितार्थ बने श्रम सुधार कानूनो में छेड़छाड़ वापस लेने हेतु केन्द्र सरकार को चेतावनी के साथ संपन्न हो गया। दूसरे और अंतिम दिन के सत्र में शिरकत करने समस्त प्रतिभागी प्रतिनिधि बैंक ऑफ इंडिया के सेक्टर 4 स्थित शाखा से जुलूस के साथ सभी प्रतिभागी प्रतिनिधि ₹शैलेश सभागार₹ एनआईपीएम हॉल, सेक्टर 5 पहुंचे। इसके बाद दूसरे दिन का प्रतिनिधि सत्र प्रारंभ हुआ।

सत्र का आरंभ फेडरेशन ऑफ बैंक आफ इंडिया स्टाफ यूनियंस के अखिल भारतीय अध्यक्ष ए एम परेरा के संबोधन से हुआ। उन्होंने केंद्र सरकार पर सीधा आरोप लगाया कि श्रम सुधार के नाम पर श्रमिकों के संघर्ष से बने श्रमिकों के हितार्थ कानूनों को 4 लेबर कोड में समाहित कर श्रमिकों के अधिकारों पर कुठाराघात करने का प्रयास कर रही है। हम सरकार के श्रमिक विरोधी प्रयासों का अंतिम दम तक विरोध करेंगे।

सत्र को फेडरेशन के उपाध्यक्ष बीकर बहादुर ने भी संबोधित किया। इसके बाद उपस्थित प्रतिभागियों ने भी महासचिव के प्रतिवेदन पर अपने विचार एवं अपनी समस्याओं को विस्तार से रखा।

प्रतिनिधियों द्वारा रखी गई बातों एवं समस्याओं के संदर्भ में महासचिव दिनेश झा लल्लन ने कहा कि आज अधिकांश समस्याओं का मूलभूत कारण बैंक की शाखाओं एवं कार्यालयों में कर्मचारियों की अत्यधिक कमी का होना है। जब तक समुचित संख्या में लिपिक एवं अधीनस्थ संवर्ग में कर्मचारियों की बहाली नहीं होती है तब तक ना ही कर्मचारियों को तनावपूर्ण कार्य स्थल से मुक्ति मिलेगी और ना ही उनकी अनेकों व्यक्तिगत समस्याओं से उन्हें निजात मिलेगा और ना ही संतोषजनक ग्राहक सेवा संभव हो सकेगा। बैंकों में बहाली नहीं किए जाने के पीछे भारत सरकार की मंशा यही है कि बैंकों में कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं कर बैंकों को यूनियन मुक्त किया जाए। किंतु इसका सबसे

ज्यादा खामियाजा ग्राहकों को भुगतना पड़ रहा है। अतः इस सम्मेलन के माध्यम से हम भारत सरकार एवं बैंक प्रबंधन से मांग करते हैं कि अभिलंब बैंकों में समुचित संख्या में कर्मचारियों की बहाली की जाए यदि ऐसा नहीं किया जाएगा तो हम अंतिम दम तक संघर्ष करेंगे।

इस अवसर पर बैंक में बढ़ रहे अशोध्य ऋण की बेहतर वसूली, तथा कथित बैंकिंग सुधार को जनोन्मुखी एवं कर्मियोंन्मुखी बनाने, श्रम सुधार कानूनों के श्रमिक विरोधी प्रावधानों को खत्म करने, बैंकों में कैजुअल एवं संविदा पर करवाये जाने वाले कार्य संस्कृति को समाप्त करने, कर्मचारियों को देय उचित लाभांश में भेदभाव को समाप्त करने, ग्राहक सेवा में सुधार करने हेतु यथोचित कदम उठाने आदि से संबंधित प्रस्ताव को पास किया गया।

नई कार्यकारिणी का भी हुआ चुनाव- इस अवसर पर आगामी 3 वर्षों 2025-2028 के लिए नई कार्यकारिणी का भी चुनाव किया गया। जिसमें दिनेश झा लल्लन को जहां पुनः 3 वर्षों के लिए सर्वसम्मति से महासचिव के रूप में चयनित किया गया। वहीं अन्य पदाधिकारियों का निम्नानुसार चयन किया गया जी सी सिन्हा- चेयरमैन, एस के यादव-अध्यक्ष, उमेश कुमार दास-उप महासचिव, सिद्धेश नारायण दास-उप महासचिव, राकेश मिश्रा-संगठन सचिव, प्रदीप कुमार-कोषाध्यक्ष। इसके साथ ही अंचल सह दो-दो सहायक महासचिव का चयन किया गया।

इस सम्मेलन में पूरे झारखंड से 800 प्रतिनिधियों एवं पर्यवेक्षकों ने भाग लिया जिसमें महिला साथियों की भी अच्छी संख्या में उपस्थिति रही। पुरे सम्मेलन का संचालन एस एन दास ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रदीप कुमार ने किया।

युवाओं के आदर्श हैं शहीद भगत सिंह : कुमार अमित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। देश के महान शहीद क्रांतिकारी सरदार भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव के बलिदान दिवस पर भाजपा नेता कुमार अमित ने बोकारो के सेक्टर 9 बसंती मोड़ स्थित भगत सिंह के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शहीदों को नमन किया।

इस अवसर पर कुमार अमित ने कहा कि भगत सिंह और उनके शहीद साथी हमेशा युवाओं के आदर्श रहेगें। भगत सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के साथ साथ समाज में शोषण और अत्याचार के खिलाफ जारी संघर्ष के भी प्रतीक हैं। जब तक समाज में बुराइयों के खिलाफ लड़ने वाले लोग रहेंगे तब तक भगत सिंह का विचार हमेशा प्रासंगिक रहेगा। इस दौरान भाजपा नेता योगेन्द्र कुमार, लालबाबू, नागेन्द्र पुरी, शिवानंद बेदिया, करण गोरांई, चन्द्रप्रकाश, शैलेश, अनमोल, सागर, आदर्श, आदि भी उपस्थित थे।

इसी तरह राष्ट्र भक्त समाज बोकारो एवं श्री करणी सेना के द्वारा शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव का बलिदान दिवस मनाया गया। सेक्टर 9 भगत सिंह स्मारक स्थल पर राष्ट्र भक्त समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष एवं श्री करणी सेना के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष धर्मवीर सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने शहादत दिवस पर मां भारती के सच्चे सपूत भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव सिंह थापर को नमन किया। और उनके चरणों में पुष्प अर्पित किया। धर्मवीर सिंह ने कहा कि भारत की आजादी की लड़ाई में भगत सिंह एवं अन्य सभी शूरवीर योद्धा क्रांतिकारी बलिदानी युवाओं को सबसे बड़ा और अहम योगदान रहा है। भारत भूमि सदैव उन्हें नमन करेगा।

कार्य क्रम का संचालन प्रदेश महासचिव गोपाल सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन युवा प्रदेश अध्यक्ष सुजीत कुमार सिंह ने किया। भारत माता कि जय, वंदे मातरम् और भगत सिंह अमर रहे के नारों से क्षेत्र गुंजायमान हुआ। कार्यक्रम में धर्मवीर सिंह, गोपाल सिंह, सुजीत कुमार सिंह, रणधीर कुमार,साधू सत्य कृष्ण महाराज,देव सिंह, सागर सिंह, संतोष राज सिंह, शक्ति सिंह,समीर सिंह, श्रवण झा,पंकज कुमार शामिल हुए।

एजुकेशनिस्ट मीट में वॉइस चांसलर एवं शिक्षाविद हुए शामिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। बलियापुर रोड कोला कुसमा, मंझीलाडीडीह स्थित स्थित जेपी ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन द्वारा रविवार को एजुकेशनिस्ट मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वॉइस चांसलर प्रोफेसर राम कुमार सिंह, डी एस डब्ल्यू पुष्पा कुमारी जेपी ग्रुप का इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष प्रदीप मंडल, प्रबंध निदेशक नित्यानंद मंडल एस एस एल एन टी की प्रभारी प्राचार्या,डिग्री कॉलेज एवं विभिन्न स्कूल के प्राचार्यों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात झारखंड के पुरोधा बिनोद बिहारी महतो के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। जेपी ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन की प्राचार्य शोभना भट्टाचार्य, फामेर्सी की प्राचार्य नीलम सिंह एवं पारामेडिकल कोर्सेज की प्राचार्या वर्षा रानी ने वर्तमान में कॉलेज में क्वालिफाइड शिक्षकों के सानिध्य में संचालित कोर्सस, लैब

फैसिलिटी, फूडिंग, लॉजिंग,गार्ड सीसीटीवी से लैस पुख्ता सिक्योरिटी व्यवस्था को प्रोजेक्टर सिस्टम के माध्यम से सभी को सभी को अवगत कराया। वाइस चांसलर राम कुमार सिंह ने इतने कम समय में कॉलेज में बेहतर पठन-पाठन के शानदार प्रयासों के लिए अध्यक्ष प्रदीप मंडल और प्रबंध निदेशक नित्यानंद मंडल की समेत सभी प्राचार्यों की प्रशंसा की।

बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी की सफलता का उदाहरण देते हुए की सभी कर्मचारियों को अपना अपना काम करने के लिए पूर्ण स्वतंत्रता दे, जिम्मेदारियां दे और अनुशासन और व्यवस्था के लिए स्ट्रिक्ट एक्शन ले।साथ ही प्रोसेसर प्लांट और हर्बल ऑर्गेनिक लगाएं जो कॉलेज और विद्यार्थियों के भविष्य में सफलता के लिए बहुत बड़ा स्कोप साबित होगा। प्रबंध निदेशक नित्यानंद मंडल ने कहा जेपी ग्रुप ऑफ ईंस्टिट्यूशन में उन्नत सुविधाओं के कारण स्थानीय विद्यार्थियों को फामेर्सी और नर्सिंग कोर्सेज के लिए ज्यादा खर्च करके बाहर राज्यों में जाने की जरूरत नहीं। इन सुविधाओं के अलावा वाइस चांसलर के सुझाव को आज से ही धरातल पर उतारा जाएगा । अध्यक्ष जेपी मंडल ने कहा जेपी ग्रुप आफ इंटीट्यूशंस फामेर्सी एवं नर्सिंग और फामेर्सी चिकित्सा के अन्य और कोर्सेज और मेडिकल कॉलेज खोलने की दिशा की और अग्रसर है। जेपी हॉस्पिटल एवं जे पी ग्रुप आफ इंटीट्यूशंस के चेयरमैन प्रदीप मंडल ने बताया की आज वाइस चांसलर समेत उपस्थित शिक्षाविदों के दिशा निर्देश, सलाह और सुझाव का पालन कर जे पी ग्रुप ऑफ इंटीट्यूशन को उन्नत और अपडेट कर झरखंड का नंबर वन कॉलेज बनाने की दिशा में अलर्ट मोड़ में जेपी ग्रुप ऑफ ईंस्टिट्यूशन सक्रिय रहेगा। बीबीएमकेयू के एचओडी उपेंद्र कुमार, प्राचार्य गौरांग भारद्वाज, प्राचार्य रणजीत सिंह ने भी अपने व्यक्त दिए।एजुकेशनिस्ट मीट में जेपी ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के डायरेक्टर प्रदीप मंडल, मैनेजिंग डायरेक्टर नित्यानंद मंडल, डायरेक्टर डॉक्टर किमी मंडल,नर्सिंग की प्राचार्या शोभना भट्टाचार्य,फामेर्सी की प्राचार्या, नीलम सिंह प्रबीर मंडल आशीष मंडल, अष्टमी मंडल सौरव मंडल उपस्थित थे।

रक्तदान कर रक्तवीरों ने दी शहीदों को श्रद्धांजलि

नबिटा टीम

बोकारो/निरसा। शहादत दिवस के अवसर पर ह्यूमैनिटी सेवियर्स , बोकारो द्वारा एक रक्तदान शिविर का आयोजन रेड क्रॉस ब्लड बैंक, बोकारो में किया गया। यह शिविर निफा संस्था के संवेदना - 2 अभियान के तहत शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित किया गया। शिविर का नेतृत्व ह्यूमैनिटी सेवियर्स के संस्थापक अध्यक्ष एवं संवेदना 2 के स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर हरबंस सिंह सलूजा ने किया। शिविर में जहां रक्त वीरांगनाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, वहीं युवाओं ने भी जरूरतमंदों के लिए रक्तदान कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित किया।

शिविर में मुख्य रूप से दो युगल जोड़ी श्वेता - गौरव रस्तोगी एवं विधि - विजय अग्रवाल ने रक्तदान कर मिशाल कायम की। शिविर में कुल 36 यूनिट रक्तदान हुआ।

कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के प्रवीण कुमार, अवधेश शर्मा, हरे कृष्णा चौहान, आकाश कश्यप, राहुल कृष्णा, मनोज सलूजा , कुमार बिपिन एवं रेड क्रॉस ब्लड बैंक के डॉक्टर एस एन राय , चौबे जी , जय प्रकाश द्विवेदी एवं उनकी पूरी टीम की मुख्य भूमिका रही।

निरसा से संवाददाता के अनुसार क्रांतिकारी भगत सिंह,राजगुरु व सुखदेव के बलिदानी दिवस पर मुस्कान एक प्रयास की अध्यक्षा सह संस्थापक ललिता चौहान एवं निरसा मध्य पंचायत की मुखिया रीता देवी के सौजन्य से एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन धनबाद जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने फीता काटकर कर किया ।

केंद्रीय सचिव आइकॉन स्वेता किन्नर,ब्लड डोनर एसोशिएसन धनबाद के रोटी बैंक के संस्थापक रवि शंकर,सामाजिक कार्यकर्ता, मधु सिंह,एस जे ए एस सुपर स्पेसलिष्ट हॉस्पिटल ब्लड सेंटर के श्री राम विहार, धनबाद के चिकित्सक डॉ आलोक कुमार,उनके सहयोगी सुदीप पांडेय , लीना जैसवार, उत्तम सोरेन,मंजीत कुमार, मुन्ना रजक,मन्तोष महतो, राम स्वरूप, मन्नू रवानी,आकाश महतो सहित भारी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी। उत्साह के साथ लोंगों ने रक्तदान किया। शिविर में रक्तदाताओं ने 65 यूनिट ब्लड दान दिया।

मुस्कान एक प्रयास की संस्थापिका ललिता चौहान एएसआई अखिलेश सिंह, एएसआई रणधीर सिंह, योग प्रशिक्षक मनोज सिंह ,आइकॉन स्वेता किन्नर ने कहा कि रक्तदान महादान है।

खून की कमी से मरने वालों की जाने बचाई जा सकती हैं ,कितनो की बचाई गई है। खून दान करने से आपका स्वास्थ्य ताजा ही नही रहता बल्कि उजार्वान भी होता है।

विधायक श्वेता सिंह ने दी दावते इफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह की तरफ से आज बोकारो के सेक्टर वन स्थित हंस मंडल में दावते इफ्तार का आयोजन किया गया। जिसमें सभी इलाकों से रोजादारों ने पहुँच कर नमाज अदा कर इफ्तार किया। इस मौके पर गंगा जमुनी तहजीब भी देखने को मिला। जहां हिंदू समुदाय के लोगों ने भी उनके साथ बैठकर इफ्तार किया।

कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि यही हमारे देश की खूबसूरती है। सभी लोग बैठकर एक साथ इफ्तार करने का काम करते हैं। इफ्तार करने से पहले जो नमाज आता कि जाती है और जो दुआ मांगी जाती है। उसमें सभी लोगों के लिए सुख शांति और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने की दुआ मांगी जाती है।

मंत्री ने किया जिले के पर्यटन स्थलों का निरीक्षण

ट्राइबल टूरिज्म सर्किट के तहत पर्यटन स्थलों का मास्टर प्लान तैयार करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। झारखंड सरकार के मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग तथा पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग सुदिव्य कुमार द्वारा खूँटी जिले के विभिन्न पर्यटन स्थलों का निरीक्षण किया गया।

इस दौरान मंत्री ने जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों– डोम्बारी बुरु, उलिहातू, चलकद, डोलडा, पेरुवाघाघ एवं पाण्डु पुन्डिंग जल प्रपात का दौरा कर वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पर्यटन विकास की संभावनाओं पर चर्चा की एवं आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पर्यटन स्थलों के आधारभूत संरचना विकास एवं पर्यटकों की सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु त्वरित कार्रवाई की जाए। साथ हीं ट्राइबल टूरिज्म सर्किट के तहत सभी पर्यटन स्थल का मास्टर प्लान तैयार करने का निर्देश दिया गया। वहीं माननीय द्वारा पर्यटन स्थल को विकसित करने के पश्चात स्थानीय लोगों को जोड़कर सभी के सहयोग से सुचारू रूप से पर्यटन स्थलों के संचालन की भी बता कही गई।

इस अवसर पर विधायक खूँटी, राम सूर्या मुण्डा, विधायक तोरपा, सुदीप गुड़िया, विधायक तमाड़,

विकास मुण्डा समेत स्थानीय जन प्रतिनिधि, निदेशक पर्यटन निदेशालय झारखंड, अंजली यादव, उपायुक्त लोकेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, जिला खेल पदाधिकारी राजेश कुमार, संबंधित क्षेत्र के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

कांग्रेस प्रभारी ने दी नेताओं को नसीहत

रांची। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू अपने अगले दौरे में प्रदेश के कांग्रेस नेताओं को अनुशासन में रहने की नसीहत दे सकते हैं।

हाल के दिनों में पार्टी के पदाधिकारियों के अलावा विधायकों एवं मंत्रियों ने भी कई बाद सदन के अंदर और बाहर अनुशासन को तोड़ा है।एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी आम बात हो गई है तो नेताओं के बीच कटुता सरेआम दिखने लगी है। कांग्रेस में विधायकों और मंत्रियों के बीच कई गुट पनप रहे हैं।

ऐसी तमाम शिकायतें केंद्रीय टीम तक पहुंची है और माना जा रहा है कि प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अगले दौरे के क्रम में अनुशासन के मसले पर गंभीर निर्णय ले सकते हैं। उनकी ओर से ऐसा संकेत टीम झारखंड को मिल चुका है।

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू 25 मार्च को पांच दिवसीय दौरे पर झारखंड पहुंच रहे हैं। इस दौरे के क्रम में वे पार्टी के अंदरूनी मामलों के साथ-साथ अनुशासन के मामलों को भी देखेंगे। इतना ही नहीं, उन्होंने पुरानी टीम के सभी नेताओं को भी बैठक के लिए बुलाया है और उनसे फीडबैक भी लिया जाएगा।

सूड़ी समाज कल्याण समिति का महाधिवेशन संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। झारखण्ड सूड़ी समाज कल्याण समिति का रविवार को 46वां महाधिवेशन हीरापुर अग्रसेन भवन में संपन्न हुआ। महा अधिवेशन में झारखण्ड प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। महाधिवेशन में सूड़ी जाति को अनुसूचित जाति का दर्जा देने की मांग पर विशेष चर्चा महाधिवेशन में हुई।साथ ही आगे के आंदोलन की भी रणनीति बनी। केंद्रीय अध्यक्ष कंसारी मंडल ने बताया कि 2021 में ही सूड़ी जाति को अनुसूचित जाति में शामिल करने की अनुशंसा झारखण्ड सरकार ने कर दी थी।इसके बाद भी केंद्र सरकार ने अबतक कोई पहल नहीं की। ऐसे में समिति ने दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना, संसद भवन का घेराव करने का निर्णय लिया है।समिति के केंद्रीय संरक्षक रेखा मंडल ने बताया कि सूड़ी जाति को अनुसूचित जाति का दर्जा देने की मांग वर्षों से हो रही है और यह हमारा अधिकार है इसे लेकर रहेंगे।

मैजिक शो का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। रविवार को रिजेंट एकेडमी टीम के द्वारा कैंसर से पीड़ित रमेश मल्लार के लिए मैजिक शो उत्सव रिजॉर्ट कोला कुसमा में आयोजित किया गया। साथ ही लेखक राजेश शाही की कलर्स आफ लाइफ पुस्तक का विमोचन हुआ। जिसमे विशेष अतिथि मथुरा प्रसाद महतो, समाजसेवी विजय झा और उदयप्रताप सिंह उपस्थित हुए।

बोकारो सिटी वूमेंस जूडो लीग में प्रतिभा का प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। एमजीएम स्कूल में अस्मिता महिला जूडो लीग का आयोजन किया गया। इस लीग में महिला जूडो खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीत लिया। आइए आपको पूरी खबर विस्तार से बताते हैं।

बोकारो सिटी वूमेंस जूडो लीग का भव्य आयोजन एमजीएम स्कूल में किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया और मिनिस्ट्री ऑफ स्पोर्ट्स के तत्वाधान में बोकारो जूडो संघ द्वारा कराया गया।

इस जूडो लीग का उद्घाटन अय्यप्पा पब्लिक स्कूल की प्राचार्य शैलजा कुमारी, एमजीएम स्कूल के प्राचार्य फादर डॉक्टर जोशी वर्गीस, उप-प्राचार्य रेखा बनर्जी, हेडमिस्ट्रेस सपना जोशी और डीएवी 6 की प्राचार्य अनुराधा सिंह के द्वारा किया गया। इस दौरान बोकारो जूडो संघ

के सचिव राजीव सिंह भी मौजूद रहे।

झारखंड के अलग-अलग जिलों से 150 खिलाड़ियों ने इस जूडो लीग में हिस्सा लिया। खिलाड़ियों का जोश देखने लायक था। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ियों को 36 स्वर्ण, 36 रजत और 60 कांस्य पदक प्रदान किए गए।

राजीव सिंह, सचिव, बोकारो जूडो संघ ने कहा कि इस टूर्नामेंट का मकसद महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर देना है। हमने झारखंड के विभिन्न जिलों से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बुलाया और उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। बोकारो में इस तरह के खेल आयोजनों से महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का शानदार अवसर मिलता है। आने वाले समय में ये खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपना जलवा बिखेर सकती हैं।

वयस्क निरक्षरों के लिए परीक्षा आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत नव भारत साक्षरता मिशन के तहत आज जिले के विभिन्न प्रखंडों में वयस्क निरक्षरों के लिए परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वयस्कों ने भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंडों में जन चेतना केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां वयस्क निरक्षरों को अक्षर, संख्याओं के साथ-साथ वित्तीय मामलों की जानकारी भी प्रदान की जाती है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि इस परीक्षा में जो भी उत्तीर्ण होंगे, उन्हें साक्षरता प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा, जो पूरे भारत में मान्य होगा। यह परीक्षा हर वर्ष तीन एवं छह माह के अंतराल पर आयोजित की जाती है। तीन घंटे की इस परीक्षा में सामान्य ज्ञान, गणित एवं अक्षर ज्ञान से संबंधित प्रश्न पूछे गए।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद की कार्यकारिणी की बैठक में लिए गए कई अहम निर्णय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो में मैथिली भाषा-भाषियों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की कार्यकारिणी की बैठक रविवार को आयोजित की गई। परिषद संचालित नगर के सेक्टर- 4ई स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष जयप्रकाश चौधरी ने की। जबकि, संचालन महासचिव नीरज चौधरी ने किया। बैठक में संगठन-हित, समाज-हित तथा विद्यालय के उत्थान की दिशा में विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। इसी क्रम में पूर्व के निर्णयानुसार आगामी अप्रैल महीने में परिषद द्वारा आयोजित होने वाले विद्यापति स्मृति पर्व समारोह को फिलहाल अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया। इसकी तिथि को लेकर बाद में विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके अलावा, संस्था के सशक्तिकरण तथा मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के सुचारू एवं सुव्यवस्थित संचालन के निमित्त भी विभिन्न बिंदुओं पर मंथन के उपरांत आवश्यक निर्णय लिए गए।

अध्यक्ष जयप्रकाश चौधरी ने सामाजिक एकजुटता पर बल देते हुए सभी से संस्था के हित में कदम से कदम मिलाकर चलने की अपील की। महासचिव नीरज चौधरी ने परिषद तथा विद्यालय के विकास के निमित्त कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के बीच कुछ महत्वपूर्ण दायित्वों का बंटवारा भी किया। इसी बीच सर्वसम्मति से राजेंद्र कुमार को परिषद के निदेशक मंडल का संयोजक चयनित किया गया। इस अवसर पर निदेशक मंडल के नवचयनित संयोजक राजेंद्र कुमार, वरिष्ठ सदस्य कृष्ण चंद्र झा एवं विजय कुमार झा सहित वित्त सचिव मिहिर मोहन ठाकुर, उप महासचिव मिहिर कुमार झा व अविनाश कुमार झा अवि, सांस्कृतिक सचिव विवेकानंद झा एवं अरुण पाठक, उप सांस्कृतिक सचिव कमलेश कुमार मिश्र, उप वित्त सचिव रोशन कुमार तरुण, कार्यकारिणी सदस्य अरविंद कुमार मिश्र, गंगेश पाठक, सुशील झा, सुदीप कुमार ठाकुर, प्रकाश झा, पशुपति झा, दिलीप ठाकुर, गणेश झा, शंकर कुमार सिंह, विजय कुमार मिश्र अंजू, बबलू झा आदि उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन विवेकानंद झा ने किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक: मनोज विशाल फोन नंबर: 9431145865, 8210783623, आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655, Email : bokaronbt@gmail.com